सूर्योदय 6:23 सूर्यास्त 5:52

आज का तापमान

शिमला	13 न्यू	24 अधि
धर्मशाला	18 न्यू	26 अधि

बाजार

सेंसेक्स	82,500
निफ्टी	25,285
सोना	1,21,525
चांदी	1,64,500

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 13 अक्तूबर 2025 | 28 आश्विन, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 286, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

LAUREL
Pub Sen Sec School
Gandhinagar Distt. kullu
www.laurelsatkullu@gmail.com
Contact No: 8988290002, 9418916459
Astha Anand NEET-589 | Sonam Palmo NEET-503 | Sumit Pujara NEET-425 | Zeha Thakur NEET-424
Padma Chewang IIT JEE Mains | Chherind Dolma IIT JEE Mains | Ansh Belwa IIT JEE Mains | Pranjal Rudingwa IIM
Excellent Result of 2024
Honored By Honorable Governor HIMACHAL PRADESH
SEATS LEFT
9th Class: 08
10th Class: 00
10+1 (Med): 03 10+2 (Med): 01
10+1 (N-Med) 08 10+2 (N-Med) 03
3rd ROUND OF COUNSELING STARTING WEF 15TH MARCH 2025
ADMISSION WILL START WEF 25TH MARCH 2025

न्यूज शॉर्ट्स

शिमला में आज नियमित रूप से चलेंगी निजी बसें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। शिमला में सोमवार को निजी बसें नियमित रूप से चलेंगी। रविवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय शिमला में हुई बैठक के बाद निजी बस ऑपरेटर यूनियन ने प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की घोषणा कर दी है। बैठक आरटीओ शिमला एसडी नेगी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें एचआरटीसी के अधिकारी और निजी बस यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सभी मांगों पर सहमति बनी। परिवहन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि 40 किलोमीटर तक की दूरी वाली एचआरटीसी बसें अब नए बस स्टैंड से ही चलेंगी। स्कूल ड्यूटी पर लगी बसों में सवारियां नहीं बिठाई जाएंगी और किसी भी बस को सड़क क्रॉसिंग से सवारी उठाने की अनुमति नहीं होगी। इन निर्णयों के बाद निजी बस ऑपरेटरों ने कहा कि उनकी सभी मुख्य मांगे मान ली गई हैं, इसलिए हड़ताल का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

2.82 करोड़ के सोने के बिस्कुटों संग तस्कर काबू

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने सोने की बड़ी तस्करी को नाकाम कर दिया है। बीएसएफ ने सोने की 20 बिस्कुटों, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2.82 करोड़ रुपए है, के साथ एक भारतीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी के मुताहिक शनिवार रात को बल की 32वीं वाहिनी, होरंदीपुर सीमाचौकी (नदिया जिला) के जवानों को खुफिया जानकारी मिली कि भारत-बांग्लादेश सीमा के नजदीक मुस्लिमपारा गांव का रहने वाला एक व्यक्ति बांग्लादेश से तस्करी किए गए अवैध सोने को सीमा चौकी होरंदीपुर के इलाके से लेकर जाने वाला है। तस्कर को पकड़ने के लिए संभावित स्थान पर विशेष घात (अम्बुश) लगाया गया। सुबह करीब 6 बजे, जवानों ने बांस के घने झुरमुटों की आड़ में एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। उसे तत्काल घेरकर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक प्लास्टिक का पैकेट बरामद हुआ, जिसे खोलने पर उसमें 20 सोने के बिस्कुट बरामद हुए, जिनका कुल वजन 2332.66 ग्राम है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

देश के 36 इंजीनियरिंग संस्थानों में बीओजी चेयरमैन नहीं -पेज 2
हिमाचल बना पेपरलेस और कैशलेस का रोल मॉडल -पेज 3
एम्स बिलासपुर के पास पडगल में स्थापित होगा केंद्रीय विद्यालय -पेज 6
धर्मपुर में दुग्ध उत्पादन 20 गुना बढ़ाने का लक्ष्य: चंद्रशेखर -पेज 9
हरियाणा मंत्रिमंडल ने एचआईवी/एड्स नियम को दी मंजूरी -पेज 13

सोनिया आज करेंगी छह बार सीएम रहे वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण

रिज पर अब पहले सीएम के साथ आधुनिक हिमाचल निर्माता की प्रतिमा

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर प्रदेश के पहले सीएम के साथ अब आधुनिक हिमाचल के निर्माता की प्रतिमा भी नजर आएगी। आधुनिक हिमाचल के निर्माता कहे जाने वाले छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी 13 अक्तूबर को करेंगी। इस ऐतिहासिक समारोह में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल और कई वरिष्ठ नेता मंच साझा करेंगे। रविवार दोपहर सोनिया गांधी शिमला पहुंचीं। अनाडेल में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। सोनिया गांधी की आगमन के साथ ही राजधानी का माहौल कांग्रेसमय हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को कड़ी निगरानी में लिया है। स्टेज के सामने 'डी' सुरक्षा जोन बनाया गया है और वीआईपी अतिथियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष भी तैयार है। समारोह की शुरुआत वीरभद्र सिंह की जीवन यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी के अवलोकन से होगी, जिसके बाद प्रतिमा का अनावरण और श्रद्धांजलि कार्यक्रम होगा। इसके उपरांत जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रियंका गांधी, मुख्यमंत्री सुक्खू और अन्य नेता संबोधित करेंगे।

शिमला पहुंचने पर सोनिया गांधी का स्वागत करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

रिज पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वीरभद्र सिंह फाउंडेशन करवा रही कार्यक्रम

कार्यक्रम का आयोजन वीरभद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। फाउंडेशन के अध्यक्ष और मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह सिर्फ उनके परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल के लिए गर्व और भावनाओं का दिन है। स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के चाहने वाले लंबे समय से उनकी प्रतिमा रिज पर लगाने की मांग कर रहे थे। लगभग चार साल बाद यह सपना साकार हो रहा है। इससे पहले इस प्रतिमा का अनावरण उनकी जयंती 23 जून को होना था, लेकिन सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। सोमवार को जब यह प्रतिमा सार्वजनिक रूप से अनावरण होगी, तब यह क्षण वीरभद्र सिंह की उस अमर राजनीतिक विरासत का सजीव स्मारक बन जाएगा जिन्होंने हिमाचल को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

यूपीए सरकार ने नागरिकों को दी थी आरटीआई की सौगात : रजनी पाटिल

एनडीए सरकार ने इस कानून की आत्मा को कमजोर किया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य व प्रदेश मामलों की प्रभारी सांसद रजनी पाटिल ने कहा कि 12 अक्तूबर, 2005 को डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में देश को सूचना का अधिकार (आरटीआई) जैसी ऐतिहासिक सौगात दी थी। यह सरकार के अधिकार-आधारित एजेंडे की पहली कड़ी थी, जिसके तहत मनरेगा 2005, वन अधिकार अधिनियम 2006, शिक्षा का अधिकार 2009, भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा अधिनियम 2013 और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 जैसे ऐतिहासिक कानून लागू किए गए। उन्होंने कहा कि इन सभी का उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना और शासन में पारदर्शिता लाना था।

रजनी पाटिल ने कहा कि 2014 के बाद से केंद्र सरकार के रवैये ने आरटीआई कानून की आत्मा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई जैसे कानून ने आम नागरिक को निडर होकर सरकार से सवाल पूछने का अधिकार दिया था, लेकिन अब इसमें लगातार संशोधन कर पारदर्शिता को सीमित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस कानून की रक्षा और सशक्तिकरण के अपने संकल्प को दोहरा रही है ताकि हर नागरिक को समयबद्ध और प्रभावी जवाब मिल सके।

शिमला में पत्रकार वार्ता करतीं रजनी पाटिल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह।

कांग्रेस चलाएगी आरटीआई बचाओ अभियान : प्रतिभा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने देश के नागरिकों को पारदर्शी शासन देने के लिए आरटीआई की सौगात दी थी, लेकिन आज केंद्र सरकार इसे कमजोर करने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस कानून की 20वीं वर्षगांठ पर देशभर में लोगों को इसके महत्व के प्रति जागरूक कर रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि केंद्र सरकार आरटीआई आयोग में रिक्त पदों को नहीं भर रही है, जिससे लाखों आवेदन लंबित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी भी कीमत पर आरटीआई को कमजोर नहीं होने देगी और इसके लिए राज्यभर में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाना गलत कदम था : चिदंबरम

अनंत ज्ञान, सोलन

पूर्व गृह एवं वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने 1984 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत ऑपरेशन ब्लू स्टार की आलोचना की और इसे गलत कदम बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव 2025 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सिख पूजा स्थल से सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने के लिए ऑपरेशन ब्लैक थंडर सही तरीका था। चिदंबरम ने कहा कि जून 1984 का ऑपरेशन ब्लू स्टार सेना, पुलिस, खुफिया और सिविल सेवाओं का एक संचयी निर्णय था। वहां किसी भी सैन्य अधिकारी का कोई अनादर नहीं है, लेकिन वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का गलत तरीका था।

कहा- इंदिरा गांधी को जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

थार-ऑल्टो की टक्कर में पिता-पुत्र की मौत

अंब के बणे दी हट्टी में हुआ दर्दनाक हादसा, दो लोग गंभीर घायल

अनंत ज्ञान, ऊना

जिला ऊना के अंब उपमंडल के तहत बणे दी हट्टी में ऑल्टो कार ने सड़क किनारे खड़ी थार गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई, वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान प्रकाश चंद व उनके पुत्र बादल कुमार निवासी खुंडियां तहसील ज्वालामुखी जिला कांगड़ा और घायलों की पहचान चालक विपन कुमार निवासी गांव बदरेड़ तहसील धीरा व प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी घायलों को नाजुक हालत को देखते हुए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना से पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में पिता-पुत्र की मौत हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में दुकानदार रवि चौरसिया निवासी प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश ने बताया कि वह शनिवार रात करीब सवा 10 बजे बणे दी हट्टी स्थित के होटल के पास अपनी पान की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान एक थार गाड़ी सड़क के किनारे आकर रुकी और उसका चालक पान लेने दुकान पर आया। तभी गगरेट की तरफ आ रही एक ऑल्टो कार ने अनियंत्रित होकर थार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों ने कार को सीधा कर उसमें फंसे घायलों को बाहर निकाला। थोड़ी ही देर में 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को गगरेट अस्पताल पहुंचाया गया, वहां से क्षेत्रीय अस्पताल ऊना और ऊना से पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया। डीएसपी अंब डॉ. वसुधा सूद ने कहा कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एयर इंडिया को बोइंग-787 के आरएटी की जांच के निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रविवार को एयर इंडिया को निर्देश दिया है कि जिन बोइंग 787 विमानों में हाल ही में पावर कंडीशनिंग मॉड्यूल बदला गया है, उन सभी विमानों के रैम एयर टर्बाइन (आरएटी) की स्टोवेज (फिटिंग और कंडीशन) की दोबारा जांच की जाए। डीजीसीए का यह निर्देश एयर इंडिया के दो बोइंग 787 विमानों में हाल में हुई तकनीकी घटनाओं और फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के एयर इंडिया के सभी बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों को ग्राउंड करने की मांग की पर आया है। फेडरेशन ने अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग से भी ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए उपायों की डिटेल रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा दुनियाभर में बोइंग 787 सीरीज के विमानों में इस तरह के अनकमांडेड आरएटी डिप्लॉयमेंट की घटनाओं का पूरा डेटा मांगा। साथ ही पीसीएम मॉड्यूल बदलने के बाद दिखी सर्विस डिफिकल्टी रिपोर्ट की भी जानकारी डिमांड की है। (अनंत ज्ञान)

अफगानिस्तान का 58 पाक सैनिक मारने का दावा

कहा- सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां पर भी कब्जा किया

एजेंसी, काबुल

अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई उल्लंघन के जवाब में की गई। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले ली हैं। इस कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 30 अन्य घायल हुए हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमारा ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया। अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान सीमा का उल्लंघन किया, तो हमारी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। मुजाहिद ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन की जानकारी दी। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि वह अपनी जमीन पर आईएसआईएस के आतंकियों को शरण दे रहा है।

वहीं, पाकिस्तान पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए हैं, जबकि उसने 200 तालिबानी लड़ाकों को ढेर कर दिया है। (अनंत ज्ञान)

अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में अब फ्रंट में बैठीं महिला पत्रकार

एजेंसी, नई दिल्ली। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने रविवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकार पहली लाइन में बैठीं थीं। मुत्तकी ने पिछली बार महिला पत्रकारों को न बुलाने पर सफाई भी दी। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ तकनीकी कारणों से हुआ था। पिछली बार पत्रकारों की छोटी लिस्ट तैयार की गई थी, क्योंकि समय कम था। (अनंत ज्ञान)

इंडिगो पर लगा 40 लाख रुपए का जुर्माना

पायलट ट्रेनिंग सिमुलेटर इस्तेमाल न करने पर डीजीसीए का एक्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इंडिगो एयरलाइंस पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पायलट ट्रेनिंग में अन क्वालिफाइड फ्लाइट सिमुलेटर के इस्तेमाल करने की वजह से यह एक्शन लिया गया है। जांच में पाया गया कि करीब 1700 पायलटों की ट्रेनिंग कैटेगरी सी एयरपोर्ट्स जैसे कलिकट, लेह और काठमांडू हवाई

अड्डों पर नियमों के अनुसार बताए गए सिमुलेटरों पर नहीं हुई। डीजीसीए ने 11 अगस्त, को ट्रेनिंग डायरेक्टर को शो कॉज नोटिस जारी किया था। इंडिगो ने 22 अगस्त को इसका जवाब दिया, लेकिन इसे संतोषजनक नहीं पाया गया। इंडिगो ने चेन्नई, दिल्ली, बेंगलुरु, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और हैदराबाद में 20 सिमुलेटरों पर ट्रेनिंग कराई। ये सिमुलेटर सीएई सिमुलेशन ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड एएजी सेंटर फॉर एविएशन ट्रेनिंग और एयरबस जैसे कंपनियों के थे, लेकिन कैटेगरी सी एयरपोर्ट्स के लिए क्वालिफाइड नहीं थे। (अनंत ज्ञान)

लड़कियों को रात में बाहर नहीं घूमना चाहिए: ममता बनर्जी

गैंगरेप पर कहा-प्राइवेट कॉलेज लें छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से गैंगरेप की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को रात में बाहर नहीं घूमना चाहिए। खासकर सुनसान इलाकों में सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा- इस घटना की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की है।

निजी कॉलेजों को छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पुलिस को कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। किसी को बख्शा नहीं जाएगा, तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दरअसल, दुर्गापुर रेप केस पर भाजपा और अन्य विरोधी पार्टियां ममता सरकार पर सवाल उठा रही हैं।

ओडिशा के सीएम ने भी बंगाल की सीएम से सख्त कार्रवाई करने की मांग की जिसके बाद ममता बनर्जी ने यह बयान दिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल की प्रदेश सचिव और आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि हम बड़े भाग्यशाली हैं कि अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार है और बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है। (अनंत ज्ञान)

मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप केस में तीन गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 2 आरोपी अभी भी फरार हैं। सभी पास के गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास पीड़ित का मोबाइल था। इससे कॉल किया गया था। टावर लोकेशन से आरोपियों की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, घटना कोलकाता से 170 किमी दूर दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने 10 अक्टूबर की रात 8 से 10 बजे के बीच हुई। पीड़ित अपने दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी।

उपलब्धि ऐसा करने वाला दक्षिण एशिया का पहला राज्य; 73000 माइक्रो प्लान बनाए, सख्त निगरानी की

केरल फिर बना रोल मॉडल, खत्म की अत्यंत गरीबी

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

केरल के कोट्टायम में 63 साल की स्वर्णम्मा रहती हैं। विधवा हैं। पूरा जीवन किराए के घर में रहीं। एक दिन जिला प्रशासन की टीम घर पहुंची। 10 लाख रुपए दिए, ताकि वह घर बनाएं और बचत करें। स्वर्णम्मा ने 6 लाख रु. में 3 सेंट (1306 वर्ग फीट) जमीन खरीदी। जिस पर अब घर बन रहा है। स्वर्णम्मा जैसे केरल में 64 हजार परिवारों के 1.03 लाख लोग और हैं, जिन्होंने अत्यंत गरीबी में जीवन गुजारा। अब उनकी जिंदगी बदल गई है। सरकार और सामाजिक भागीदारी से केरल एक बार फिर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। इस राज्य ने अपने यहां से 'अत्यंत गरीबी' खत्म कर दी है।

इसकी आधिकारिक घोषणा एक नवंबर को होगी। इसी के साथ केरल ऐसा करने वाला देश और दक्षिण एशिया का भी पहला राज्य होगा।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय 158.10 रु. प्रतिदिन से कम है, वो अत्यंत गरीब की कैटेगरी में आते हैं। केरल ने इस मानक से आगे भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद अभूतपूर्व रही। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए, उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार मदद की। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की। हर पैसे का हिसाब लिया गया। (अनंत ज्ञान)

मानवीय गरिमा को बनाया गरीबी का आधार

केरल को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं। जिनके पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों/डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81% ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68% अकेले जी रहे थे। 24% को स्वास्थ्य समस्याएं, 21% को भोजन और 15% को घर की कमी थी। सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। इसके बाद 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए। शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की। इससे 4394 परिवारों को आय का साधन, 29427 को दवाएं, 4829 को मेडिकल मदद, 424 को हेल्थकेयर उपकरण, 5354 के घर सुधरवाए, 3913 को घर दिए। 1338 को जमीन। 743 परिवारों को किराए के घरों में शिफ्ट किया।

देश के 36 इंजीनियरिंग संस्थानों में बीओजी चेयरमैन नहीं

एनआईटी हमीरपुर में भी दो साल से नहीं, रुके पड़े हैं कई बुनियादी फैसले व डायरेक्टर्स की कमान छीने बीत गए 7 माह

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान एक्सक्लूसिव

हमीरपुर। देशभर में तकरीबन तीन दर्जन इंजीनियरिंग संस्थानों में बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष नहीं हैं। इनकी नियुक्ति लंबे समय से नहीं हो पा रही है। हिमाचल प्रदेश के एकमात्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में भी पिछले तकरीबन दो सालों से अध्यक्ष का पद खाली है। कार्यकारी के तौर पर संस्थान के डायरेक्टर एचएम सूर्यवंशी के पास इस साल के शुरू तक तो अतिरिक्त चार्ज था, और वे बोर्ड ऑफ गवर्नर की बैठकें आयोजित कर लिया करते थे। कुछ जरूरी फैसले ले लिया करते थे। लेकिन उसके बाद वे भी इस पद से अलग कर दिए गए। तब से लेकर आज तक बीओजी की बैठकें ही आयोजित नहीं हो पाई हैं।

दरअसल में मानव संसाधन मंत्रालय इंजीनियरिंग संस्थानों के खाली चल रहे इन बेहद महत्वपूर्ण पदों को भरने के लिए संजीदा क्यों नहीं रहा है, यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है। ऐसी क्या नौबत आ गई है कि अध्यक्ष नियुक्त करने की स्थिति में मंत्रालय के अधिकारी बेपरवाह हो गए हैं। यदि ऐसा नहीं है तो फिर नियुक्तियां क्यों नहीं हो रहीं। इक्का-दुक्का नियुक्तियां पिछले दिनों पंजाब और हरियाणा के इंजीनियरिंग कॉलेज में हुई हैं। तब उम्मीद जगी थी कि हमीरपुर सहित देश के अन्य इंजीनियरिंग संस्थानों में भी बहुत जल्दी अध्यक्ष नियुक्त हो जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

दरअसल में अध्यक्ष नहीं होने की वजह से सभी संस्थानों की भीतरी व्यवस्था से जुड़े हुए कई बड़े काम नहीं हो पा रहे। कई कोर्ट मैटर रहते हैं। विदेश में जाने के लिए स्पॉन्सरशिप का भी मसला रहता है। इसके अलावा प्रमोशंस का इशू रहता है। नए पदों को भरने के लिए भी अध्यक्ष की स्वीकृति या फिर बैठक महत्वपूर्ण रहती है। 50 लाख के ऊपर के बिल केवल बीओजी में ही पास हो सकते हैं।

23 मार्च को आए थे पावर्स रिड्यूस के ऑर्डर

हमीरपुर नित के डायरेक्टर की बताओ और अध्यक्ष पावर्स स्नैच करने के आदेश आए हुए लगभग 7 महीने हो चले हैं। यानी 23 मार्च को यह नए आदेश मंत्रालय ने दिए थे। उसके बाद यहां कोई भी बीओजी की बैठक नहीं हुई है। दरअसल में चाहिए तो यह था, जिस वक्त यह पावर्स स्नैच करने के आदेश दिए गए थे। उसी के तुरंत बाद अध्यक्ष नियुक्त कर देने चाहिए थे। लेकिन अजीबोगरीब मरहले में मंत्रालय ने जो स्थिति पैदा की है, वह किसी भी संस्थान के हित में नहीं है। हमीरपुर संस्थान के हित में तो कतई भर भी नहीं है। यहां 6 महीने पहले अध्यक्ष को को प्रमोशन देने के लिए सूची तैयार हुई, लेकिन अब पेंडिंग चल रही है। क्योंकि मोहर तो बीओजी की बैठक में ही लगेगी। अब समस्या यह है कि कई लोग सेवानिवृत्ति भी हो जाएंगे। वह भी बगैर प्रमोशन के। फिर कोर्ट मैटर का लफड़ा पड़ेगा। यह स्थिति संस्थान के लिए एक और दिक्कत पैदा करेगी। संबंधित कर्मचारी के लिए तो दिक्कतें हैं ही।

हमीरपुर संस्थान में वर्षों से लंबित प्रोफेसर की पदोन्नति

हमीरपुर संस्थान में 10 से 15 साल बीत गए प्रोफेसर की प्रमोशन नहीं हुई मसाला चाहे कोर्ट में चल रहा है लेकिन बीओजी होती, तो उसका भी हल निकाला जा सकता था।

नहीं बढ़ा वीडीए, आउटसोर्स कर्मियों को दिवाली पर झटका

आउटसोर्स स्टाफ के लिए साल में दो मर्तबा वीडीए बढ़ता है। इसकी फिक्स डेट है, पहली अप्रैल और दो अक्टूबर। केंद्र से जितना भी बढ़ेगा या लागू होता है लेकिन इस बार पहली अक्टूबर को दर्नेस अलाउंस नहीं बढ़ पाया है इसकी वजह क्या है कोई मालूम नहीं दिवाली के इस पर्व पर आउटसोर्स कर्मचारी को इसकी उम्मीद रहती है और पिछले कई सालों के बाद यह पहली बार हुआ है जब वीडीए नहीं बढ़ा है। चीफ लेबर कमिश्नर के द्वारा दिल्ली से इस बाबत जो पत्थर जारी हुए हैं उसमें एरर लग रहा है क्योंकि उसके मुताबिक यह निल आया है। अब यह चूक कहां से हुई है। इस पर कोई भी कुछ कहने से गुरेज कर रहा है। लेकिन हजारों-लाखों कर्मचारियों को इससे नुकसान हो रहा है।

मंत्रालय के आश्वासन के बावजूद अब तक इंतजार

बीओजी चेयरमैन की नियुक्ति अभी नहीं हो पाई है। कुछ समय पहले इस बाबत मंत्रालय ने कहा था कि जल्दी हो रही है, लेकिन अब समय काफी बीत गया है। यही संस्थान नहीं है, देश के अन्य संस्थाओं में भी यह नियुक्तियां होनी है। शायद इसलिए देरी हुई होगी। उम्मीद की है कि जल्दी होगी।

वीडीए पहली अक्तूबर से बढ़ना चाहिए था, लेकिन पता करेंगे इसमें कमी क्या रही है। इसका भी केंद्र से ही हिसाब किताब रहता है। कोई तकनीकी खामी रही होगी, इस पर पता किया जाएगा ताकि आउटसोर्स कर्मचारियों को इसका लाभ मिल सके।

-प्रो. एचएम सूर्यवंशी, डायरेक्टर एनआईटी हमीरपुर।

दी नगरोटा कृषि सेवा सहकारी सभा के चुनाव 29 को

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के अंतर्गत आने वाली दी नगरोटा कृषि सेवा सहकारी सभा की प्रबंधक समिति के चुनाव की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया 13 अक्तूबर से शुरू होगी, जबकि मतदान 29 अक्तूबर को संपन्न होगा। सहकारी सभा के अधिकारियों ने बताया कि चुनाव पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आयोजित किए जाएंगे। चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है, जो नामांकन, छंटनी और मतदान की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 15 अक्तूबर को होगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 17 अक्तूबर निर्धारित की गई है। इसके बाद अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी। दी नगरोटा कृषि सेवा सहकारी सभा स्थानीय किसानों को उर्वरक, बीज, कृषि उपकरण और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

बिझड़ी बाजार में मनाया जीएसटी बचत उत्सव

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू किए गए जीएसटी रिफॉर्म्स के अंतर्गत बिझड़ी बाजार में विधायक इंद्रदत्त लखनपाल की अध्यक्षता में जीएसटी उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों ने बाजार का दौरा कर व्यापारियों से मुलाकात की और उन्हें जीएसटी सुधारों से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि इन सुधारों से व्यापारियों पर कर का बोझ कम होगा। कारोबार करना और आसान बनेगा तथा पारदर्शी और सरल व्यवस्था से छोटे व्यापारियों को विशेष लाभ प्राप्त होगा। भाजपा प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सदैव व्यापारी वर्ग की भलाई और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे नए जीएसटी प्रावधानों का पूरा लाभ उठाएं। इस अवसर पर संजीव शर्मा सहित कई उपस्थित रहे।

सराकारी योजनाओं की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन ब्लॉक के करंडोला और मंगली गुगा बड़ा गांवों में रविवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण, अधिकारों और सशक्तिकरण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के अंतर्गत नटराज कला मंच के लोक कलाकारों ने राजीव जस्सल के नेतृत्व में गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से उपस्थित लोगों को योजनाओं की जानकारी दी और नशे के दुष्प्रभावों को भी उजागर किया। इस अवसर पर करंडोला पंचायत की प्रधान सरिता देवी, उप प्रधान रतन चंद, वार्ड पंच केवल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कलाकारों के प्रयासों की सराहना की।

रजत पदक जीतकर चमकाया स्कूल का नाम

अनंत ज्ञान, बड़सर। बड़सर उपमंडल के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल लोहारली के छात्र उदय ढटवालिया ने कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुन्दरनगर में आयोजित हुई। जिसमें लगभग सौ के करीब खिलाड़ियों ने भाग लिया। गौर रहे कि इस से पूर्व गत सप्ताह उदय ने जिलास्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अर्जित किया था। उदय की इस उपलब्धि पर विद्यालय के कार्यकारी प्रधानाचार्य पवन शर्मा व शिक्षकों ने उदय व उसके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधान शैलजा व सतीश ने 30वीं बार किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, बड़सर। ग्राम पंचायत बणी में रेड स्टार जिम के प्रबंधक कपिल बन्याल के जन्मदिन पर दूसरा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ हिमुडा के डायरेक्टर इंजीनियर राजेश बन्याल ने किया। इस अवसर पर पंचायत प्रधान शैलजा बन्याल और सतीश कुमार ने 30वीं बार रक्तदान कर समाजसेवा की मिसाल पेश की, वहीं कपिल बन्याल ने 25वीं बार रक्तदान किया। प्रधान शैलजा बन्याल ने बताया कि एक समय उन्हें भी रक्त की आवश्यकता पड़ी थी, जिससे प्रेरित होकर वे निरंतर रक्तदान कर रही हैं। शिविर में कुल 60 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। मुख्य अतिथि राजेश बन्याल ने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है और इससे किसी की कीमती जान बचाई जा सकती है। आयोजकों द्वारा सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पूर्व युकां के अध्यक्ष गोल्डी के पिता का निधन

अनंत ज्ञान, भोरंज। पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गोल्डी के पिता का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्गीय का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके पैतृक गांव जखयोल में अंतिम संस्कार के लिए लाया गया, जहां बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अंतिम दर्शन को पहुंचे। इस अवसर पर भोरंज विधायक सुरेश कुमार ने भी अंत्येष्टि में भाग लेकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि गोल्डी के पिता का सरल, सौम्य और समाजसेवी व्यक्तित्व सदैव याद किया जाएगा। विधायक ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिवार को यह गहन दुख सहने की शक्ति दें।अंत्येष्टि में कांगड़ा सहकारी प्राथमिक कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, भोरंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रधान विजय बन्याल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फूड सेफ्टी विभाग ने मिठाइयों की शुद्धता गुणवत्ता की जांच के लिए चलाया अभियान

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। दिवाली का सीजन शुरू हो गया है ऐसे मिठाईयों की शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर स्वास्थ्य विभाग का फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट भी अलर्ट मोड में आ गया है। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम ने अभी तक गलोड़ और बड़सर में मिठाईयों की जांच कर सैंपल भी लिए हैं। इन सैंपलों को जांघ के लिए कंडाघाट लैब में भेजा गया है। विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में जिला के मुख्य शहर और कस्बों में मिठाईयों की गुणवत्ता को लेकर निरीक्षण किया जाएगा।

गौरतलब है कि दिवाली के त्यौहार पर सबसे अधिक बिक्री मिठाईयों की होती है। सभी लोग एक दूसरे को उपहार के साथ मिठाई भी देते हैं। ऐसे लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फूड सेफ्टी विभाग अलर्ट मोड में आ गया है और मिठाईयों की शुद्धता और गुणवत्ता की जांच को आगे बढ़ाएगा। अभी तक की कार्रवाई के अनुसार मिल्क केक, गुलाब जामुन, कलाकंद, बर्फी, बेसन के सैंपल लेकर जांच के भेजे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर साल खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के नियमों का पावन करने के निर्देश जारी किए जाते हैं लेकिन फिर भी कुछ मिठाई विक्रेता मुनाफा कमाने के चक्कर में घटिया खाद्य पदार्थो का इस्तेमाल करते हैं जो लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

नादौन, सुजानपुर, भोरंज, भोटा व जाहू में होगी जांच

इस बारे में फूड सेफ्टी आफिसर डॉ अभिषेक शर्मा ने बताया कि मिठाईयों की शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर सैंपलिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में नादौन, भोरंज, सुजानपुर, भोटा, जाहू की मेन मार्केट में मिठाईयों की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच के साथ स्वच्छता की भी जांच की जाएगी। यदि स्वच्छता और मिठाई की शुद्धता में कमी पाई जाती है तो उन दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सैनिक स्कूल में एडमिशन लेने के लिए करें आवेदन

अनंत ज्ञान, जाहू। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही सैनिक स्कूलों में दाखिला के लिए आयोजित होने वाले एंट्रेंस टेस्ट के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर है, जबकि आवेदन फीस जमा करवाने की अंतिम तारीख 31 अक्तूबर है। प्रवेश परीक्षा जनवरी में होगी। एनटीए की तरफ से जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार एआईएसएसईई 2026 के लिए 30 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर किया जा सकता है। 31 अक्तूबर फीस जमा करवाने की अंतिम तारीख है। दो से चार नंवबर तक आवेदन फॉर्म में सुधार किया जा सकता है। सामान्य, ओबीसी वर्ग और एक्स सर्विसमैन के बच्चों के लिए आवेदन फीस 850 रुपए है तो वहीं एससी और एसटी के छात्रों के लिए आवेदन फीस 750 रुपए है। आवेदन करने के लिए आवेदक के पास अपना ईमेल और मोबाइल होना आवश्यक है।

हिमाचल व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के डायरेक्टर राजन को पहचान संस्था ने किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पहचान स्पेशल स्कूल, हमीरपुर में प्रेम, समर्पण और आत्मविश्वास से भरे विशेष बच्चों की प्रतिभा का भव्य उत्सव पंखों को पहचान दो वार्षिक समारोह के रूप में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के डायरेक्टर राजन कुमार को समारोह के मुख्य अतिथि सनील शर्मा बिट्टू द्वारा सम्मानित किया गया। राजन कुमार ने इस अवसर पर पहचान स्पेशल स्कूल हमीरपुर के संचालक चेतन शर्मा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज में आशा और संवेदना की नई रोशनी फैला रहे हैं। उन्होंने बच्चों की उपस्थिति और उत्साह को अपनी प्रेरणा बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों ने पहचान स्पेशल स्कूल के प्रयासों की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नव्या और अभिनव सबसे तेज दौड़े

डीएवी भडोली में 'रन फॉर डीएवी' मैराथन का आयोजन

दौड़ के दौरान 'रन फॉर डीएवी' के नारे गूंजते रहे, जिससे वातावरण जोशपूर्ण बना रहा।

शशि सोनल, अनंत ज्ञान

नादौन। डीएवी भड़ोली में रविवार को रन फॉर डीएवी मैराथन का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसिपल सुरजीत कुमार राणा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेंट एसएचओ नाजिर सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए नशे और मोबाइल की लत से दूर रहने की सलाह दी।

मैराथन की शुरुआत व्यास पुल से हुई और समापन स्कूल परिसर में हुआ। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ भाग लिया। दौड़ के दौरान 'रन फॉर डीएवी' के नारे गूंजते रहे, जिससे वातावरण जोशपूर्ण बना रहा।

लड़कियों में नव्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गौरी और अक्षिता द्वितीय, और रिद्धिमा तृतीय स्थान पर रहीं। लड़कों में अभिनव रांकड़ा प्रथम, श्रेयांश द्वितीय और शिवम तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षकों में मिस्टर सुशील विजेता बने।

प्रिंसिपल राणा ने सभी विजेताओं को बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन खेल भावना, अनुशासन और एकता का प्रतीक हैं।

चौकी गांव में 28 घंटे तक रहा ब्लैकआउट

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। बड़सर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले गांव चौकी में 28 घंटे बती गुल रही जिसके चलते विद्युत उपभोक्ता परेशान हुए। बता दें कि लाइट शनिवार सुबह 7:30 के करीब गुल हुई थी, फिर जाकर रविवार 11:45 बजे बाद बिजली सप्लाई बहाल हुई। चौकी गांव के राकेश कुमार, प्रेम सिंह, रूप लाल, रंजीत सिंह, कुलदीप कुमार, करण, प्रीतम सिंह, विजय कुमार व अमी चंद आदि ने बताया कि शनिवार सुबह ही बत्ती गुल हो गई थी जिसके चलते उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं का कहना है कि आजकल बिजली पर उपभोक्ताओं की निर्भरता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। क्योंकि बिजली के चल्लों पर हर काम होता है जैसे चाय बनाना खाना बनाना सब्जी बनना या सब कुछ अब बिजली पर ही निर्भर करता है। अगर 28 घंटे बिजली का ब्लैकआउट रहेगा तो फिर जनजीवन ठहरसा जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले भी जब भारी बारिश हई थी तीन दिनों तक रात दिन बिना बिजली से ही बसर करना पड़ा। उपभोक्ताओं ने विभागीय कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। बिजली बोर्ड के एसडीओ रमेश बंधन ने बताया कि चौकी गांव में विद्युत केवल जल जाने के चलते समस्या आई थी। विभागीय टीम ने कड़ी मशक्कत करके रविवार को 11.45 बजे तक विद्युत सप्लाई बहाल करके चौकी गांव में बिजली की आपूर्ति कर दी गई है।

भरेड़ी में बहु-विशेषज्ञ नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 188 लोगों ने करवाया चेकअप

अनंत ज्ञान, भोरंज

भोरंज के तहत पार्क गेशियन हॉस्पिटल मोहाली तथा गरीब असहाय सहायता संस्था भरेड़ी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को केआरएम होटल भरेड़ी में एक मल्टी स्पेशलिटी नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया। शिविर में हड्डी रोग, न्यूरोसर्जरी, हृदय रोग, स्त्री रोग और नेत्र रोग से संबंधित चिकित्सक मौजूद रहे। साथ ही, ईसीजी, रक्तचाप, बीएमडी, रैंडम ब्लड शुगर और बीएमआई जैसी जांचों की सुविधा भी पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई। इस शिविर में स्थानीय क्षेत्र के लगभग 188 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई।

संस्था के संस्थापक सेवानिवृत बीएमओ डॉ. पीसी सैणी ने बताया कि यह शिविर गरीब असहाय सहायता संस्था भरेड़ी की सहमति और सामाजिक सहयोग से आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण व जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है ताकि उन्हें बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। शिविर के सफल संचालन में संस्था के प्रधान अरुण कुमार अरोड़ा, डॉ. पीसी सैणी, जगदीश शर्मा, कोच विधि चंद, बलवीर, मिल्खी राम, लाला कर्म चंद, कश्मीर सिंह, रमेश चंद, केवल कृष्ण, विनोद शर्म और होटल मालिक धर्म चंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों में न्यूरो स्पेशलिस्ट डॉ. अनिल, आर्थो विशेषज्ञ डॉ. विक्रम, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमन, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक, तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाली विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ अस्पताल का सहायक स्टाफ भी सेवाएं प्रदान करता रहा।

उत्पादन उद्यान विभाग से सब्सिडी हासिल कर 5 कनाल भूमि पर लगाए 864 पौधे

राजेंद्र ने तैयार किया ड्रैगन फ्रूट का बगीचा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

सूबे में हमीरपुर जिला जैसे कम ऊंचाई एवं कम नमी वाले क्षेत्रों में भी फल उत्पादन की संभावनाएं हैं। यहां आम, अमरूद और नींबू प्रजाति के फलों की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में प्रदेश सरकार ने उद्यान विभाग के माध्यम से सराहनीय प्रयास किए हैं और एचपीशिवा परियोजना जैसी महत्वाकांक्षी योजना आरंभ की है।

उद्यान विभाग अब यहां लीक से हटकर अन्य फलों की खेती की संभावनाएं भी तलाश कर रहा है और इस दौरान विभाग को जिला के कुछ ऐसे प्रगतिशील किसान मिले हैं जो इस क्षेत्र में कुछ नया करने का जज्बा रखते हैं। इन्हीं किसानों में से एक हैं भोरंज उपमंडल के गांव पपलाह के राजेंद्र कुमार। राजेंद्र कुमार उर्फ रवि मैहर ने अपनी लगभग पांच कनाल भूमि पर ड्रैगन फ्रूट का बगीचा और नर्सरी तैयार करके एक नया प्रयोग ही नहीं

किया है, बल्कि जिला में फल उत्पादन की नई संभावनाओं को भी बल दिया है। उद्यान विभाग के अधिकारी भी राजेंद्र कुमार को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करके उनके बागीचे को एक मॉडल के रूप में पेश करने के लिए प्रयासरत हैं, ताकि अन्य किसान भी फलों की खेती की ओर अग्रसर हो सकें।

शुरुआत में 5 क्विंटल उत्पादन, नर्सरी भी स्वयं तैयार की

राजेंद्र ने बताया कि उन्हें कुछ वर्ष पूर्व यूटयूब पर ड्रैगन फ्रूट के बारे में जानकारी मिली और इसकी खेती के लिए उनमें उत्सुकता जगी। उन्होंने यूटयूब पर कुछ और जानकारी प्राप्त करके महाराष्ट्र में जाकर इसका प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्होंने उद्यान विभाग से लगभग 29,160 रुपए की सब्सिडी लेकर पांच कनाल भूमि पर ड्रैगन फ्रूट का बागीचा लगाया।

उन्होंने पौधारोपण के लिए बागीचे में विशेष प्रकार के 216 पोल लगाए और हर पोल पर चार-चार पौधे लगाए। इस प्रकार, उनके बागीचे में कुल 864 पौधे लगे हैं और इस सीजन में कुछ पौधों में पहली फसल भी आ गई है। राजेंद्र कुमार ने बताया कि अभी शुरुआती दौर में ही उनके बागीचे में लगभग पांच क्विंटल पैदावार हुई है। उन्होंने बताया कि इस फल को बाजार में 200 से ढाई सौ रुपये प्रति किलोग्राम दाम बड़ी आसानी से मिल जाते हैं।

उन्होंने बताया कि बागीचे में एक पोल लगाने और उस पर चार पौधे लगाने पर दो हजार से ढाई हजार रुपए तक खर्च आता है। लेकिन, एक बार पौधा तैयार हो जाने के बाद वह किसान को लगातार अच्छी आय देता है। इसमें ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती है और बाजार में दाम भी अच्छे मिल जाते हैं। इसलिए, ड्रैगन फ्रूट की खेती किसानों-बागवानों के लिए काफी फायदेमंद एवं सुविधाजनक साबित हो सकती है। राजेंद्र कुमार ने बताया कि अब उन्होंने इस फल की नर्सरी भी तैयार कर दी है, जहां से अन्य किसान भी इसके पौधे ले सकते हैं।

टीजीटी कला संघ के अध्यक्ष बने सुरेश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हिमाचल राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ की मंडी इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को संपन्न हुआ। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, महासचिव विजय हीर, उपाध्यक्ष देशराज कालिया, हमीरपुर जिलाध्यक्ष संजय वर्मा आदि इस चुनाव के अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला के विभिन्न खंडों से आए सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया। पूर्व प्रधान विजय बरवाल ने नई कार्यकारिणी का गठन करवाया।

गठित कार्यकारिणी में सुरेश कुमार टीजीटी कला राउवि घांघनु को अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश टीजीटी कला रावमापा सरला खाबू, उपाध्यक्ष मिलाप चंद टीजीटी रावमाप एजू, दिनेश कुमार टीजीटी कला राउवि लेदा संगठन सचिव ललित कुमार, सहसचिव योगराज, कोषाध्यक्ष सोहन प्रधान, प्रेस सचिव प्रशांत, लेखाकार अनिल कुमार चुने गए। विजय बरवाल को संघ का जिला संरक्षक चुना गया।

सभी नव-निर्वाचित सदस्यों ने संघ के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर उपस्थित शिक्षकों ने कहा कि संघ शिक्षकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से उठाएगा। संघ ने यह भी निर्णय लिया कि संघ शिक्षकों की समस्याएं हल करवाने हेतु हर संभव प्रयास करेगा।

न्यूज ब्रीफ

जय दत्त बने अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष

राजकीय महाविद्यालय चौपाल में आयोजित अभिभावक-शिक्षक संघ की आम सभा में मौजूद अभिभावक और शिक्षक।

अनंत ज्ञान, चौपाल, नेरवा। राजकीय महाविद्यालय चौपाल में अभिभावक-शिक्षक संघ की आम सभा की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रविन्द्र चौहान ने की। बैठक में पूर्व कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों और आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लोकतांत्रिक तरीके से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जय दत्त शर्मा को अध्यक्ष, सरिता देवी को उपाध्यक्ष, सहायक आचार्य प्रिया ठाकुर को सचिव, अमर सिंह को सह सचिव तथा सहायक आचार्य मिताली माल्टा को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा सहायक आचार्य कल्पना नेगी, बबीता, नेहा शर्मा, केवलराम, रीना और रेनुका को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

आरटीआई को ऑनलाइन भाजपा सरकार ने किया : सुरेश कश्यप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि सूचना के अधिकार की अपीलों का

लगभग शत-प्रतिशत निपटारा हो रहा है और लंबित मामलों की संख्या लगातार घट रही है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भाजपा सरकार ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को अपना स्वतंत्र कार्यालय परिसर दिया, जबकि कांग्रेस शासन में यह किराए की इमारत से संचालित होता था। कश्यप ने बताया कि यूपीए शासन में अनुपालन दर केवल 77 प्रतिशत थी, जबकि वर्तमान सरकार में यह 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि आरटीआई को ऑनलाइन करने की पहल भी भाजपा सरकार ने की, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को नई दिशा मिली।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से ही संभव संसाधनों का संरक्षण: राजीव सूद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। एडवर्ड्स स्कूल संघ के अध्यक्ष राजीव सूद ने बताया कि स्कूल द्वारा 'गो ग्रीन' थीम पर कार रैली का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत एडवर्ड्स स्कूल से हुई और समापन नलदेहरा गोल्फ क्लब में हुआ। रैली को स्कूल के प्रधानाचार्य अनिल स्क्वायरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर राजीव सूद ने कहा कि एडवर्ड्स स्कूल पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र पर काम कर रहा है। कचरे से सामग्री प्राप्त करने और संसाधनों पर बोझ कम करने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था का क्रियान्वयन आवश्यक है। उन्होंने ई-कचरा, प्लास्टिक, बैटरी अपशिष्ट और पुराने वाहनों के पुनर्चक्रण के लिए ईपीआर नियमों को प्रभावी बनाने की जरूरत बताई।

हिमाचल बना पेपरलेस और कैशलेस का रोल मॉडल

एक वर्ष में 22.78 लाख ऑनलाइन सेवाएं प्रदान कर रचा कीर्तिमान

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में डिजिटल शासन का अभियान नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार की पारदर्शी और तकनीक आधारित पहल ने लोगों के जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से वर्ष 2024 में प्रदेश के नागरिकों को रिकॉर्ड 22.78 लाख ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की गई, जो डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

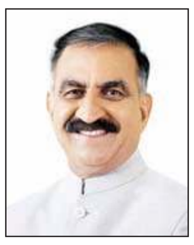

जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार की इस पहल के तहत अब लोग घर बैठे ही विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। वर्ष 2023 में पोर्टल के माध्यम से लगभग 14.97 लाख सेवाएं उपलब्ध करवाई गई थीं, जबकि 2025 में यह संख्या 15 लाख के पार पहुंच गई है। सरकारी विभागों द्वारा डिजिटल माध्यम को अपनाने से सेवा वितरण न केवल सरल हुआ है, बल्कि पारदर्शिता और समय की बचत भी सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर ऑनलाइन सेवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2022 में जहां केवल 113 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 436 तक पहुंच गई। सरकार के कार्यभार संभालने के बाद सेवाओं में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में 217 और 2024 में 251 सेवाएं उपलब्ध करवाई गई, जो यह दर्शाता है कि हिमाचल प्रदेश अब ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।

नागरिकों की पहुंच में आया क्रांतिकारी बदलाव

मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (आईटी एवं नवाचार) गोकुल बुटेल ने कहा कि डिजिटल सेवाओं ने नागरिकों की सरकारी सुविधाओं तक पहुंच में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। अब कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान से किसी भी समय ऑनलाइन आवेदन कर सकता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। लोक मित्र केंद्रों के माध्यम से ये सेवाएं प्रदेश के हर कोने में सुगमता से उपलब्ध हैं।

सरकारी तंत्र हुआ पेपरलेस और कैशलेस: सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि प्रदेश सरकार सभी विभागों में कागज रहित, उपस्थिति रहित और नकदी रहित व्यवस्था लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है। राजस्व विभाग द्वारा शुरू की गई एक पायलट परियोजना के तहत अब बिना सरकारी कार्यालय गए ही संपत्ति का पंजीकरण संभव हो गया है। इस पहल को लोगों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य विभागों को भी इसी प्रकार के डिजिटल नवाचारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि राज्य के नागरिकों को तेज, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्राप्त हो सकें।

बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं से गांव के बच्चे छू रहे नए मुकाम: डिप्टी सीएम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि आज प्रदेश के दूरस्थ गांवों के बच्चे बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की बदौलत नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है, जो हिमाचल को एक विकसित और सशक्त राज्य की दिशा में अग्रसर कर रहा है। उपमुख्यमंत्री रविवार को एस्पायर संस्थान की ओर से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह 'ब्रेन ऑफ हिमाचल 2025' में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री लोगों के बीच अपने विचार व्यक्त करते हुए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा सीमित थी, लेकिन आज उन्हीं महिलाओं के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में नाम कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को अगर बेहतर सुविधाएं और अवसर मिलें तो वे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आईआईटी, ट्रिपल आईटी और आईआईएम जैसे संस्थान पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की दृष्टि और योजनाओं का परिणाम हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार कर रही है। लगभग 100 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई बोर्ड लागू करने और पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राज्य में गुणात्मक शिक्षा के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश अब देश में 21वें स्थान से बढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोले जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने छात्रों से कहा कि आज की युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भागीदारी जरूरी है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है और वे अपने लक्ष्य को बेहतर ढंग से हासिल कर सकते हैं।

कांग्रेस के बड़े नेता सीएम से लें झूठी गारंटियों का हिसाब: जयराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रतिपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने तीन साल के कार्यकाल में केवल झूठी गारंटियों और अधूरी घोषणाओं में उलझी रही है।

उन्होंने कहा कि अब जब कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता हिमाचल पहुंच रहे हैं, तो उन्हें मुख्यमंत्री से पूछना चाहिए कि जिन गारंटियों के दम पर उन्होंने जनता से वोट मांगे थे, उनमें से कितनी पूरी हुईं? जयराम ठाकुर ने सवाल किया कि कितने युवाओं को दूंजा साल वाली पक्की नौकरी मिली? कितनी महिलाओं को सम्मान निधि का लाभ मिला और किसानों का दूध 100 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदा गया? जब सेब के दाम बागवानों को तय करने की गारंटी दी थी, तो आज 27 साल में सबसे कम दाम क्यों मिल रहे हैं?

उन्होंने शिमला से जारी बयान में कहा कि कांग्रेस के आला कमान को सरकारी आंकड़ों से आगे बढ़कर जमीनी सच्चाई जाननी चाहिए। आज प्रदेश में हिम केयर योजना बंद जैसी स्थिति में है, लोग इलाज के लिए भटक रहे हैं और सरकार समय पर भुगतान तक नहीं कर पा रही है। आपदा प्रभावित लोगों को फौरी राहत तक नहीं मिली है।

जयराम ठाकुर ने पूछा कि संविधान बचाओ यात्रा निकालने वाली कांग्रेस हिमाचल में पंचायत और नगर निगम चुनाव टालकर प्रदेशवासियों के संवैधानिक अधिकार क्यों छीन रही है? उन्होंने कहा कि पेंशनर सड़कों पर हैं, शिक्षकों और कर्मचारियों का हक मारा जा रहा है, और आम आदमी महंगाई व बेरोजगारी से त्रस्त है। उन्होंने कहा कि जन सेवा और विकास के लिए झूठी गारंटियों या मंदिरों में जाकर कसम खाने की जरूरत नहीं होती, बल्कि सच्ची नीयत की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बिना किसी गारंटी के गृहिणी सुविधा योजना, 125 यूनिट फ्री बिजली, महिलाओं को बसों में आधा किराया, ग्रामीण क्षेत्रों में फ्री पानी, हिम केयर, सहारा, शगुन और स्वावलंबन जैसी योजनाएं दीं। कोविड जैसी वैश्विक महामारी में भी न किसी कर्मचारी का वेतन कटा और न किसी को नौकरी से निकाला गया।

बद्दी में 14 अक्तूबर को मनाया जाएगा विश्व मानक दिवस

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) परवाणू शाखा 14 अक्तूबर को बद्दी स्थित लेमन ट्री होटल में विश्व मानक दिवस 2025 मनाएगी। इस अवसर पर हमीरपुर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ वार्ताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें गुणवत्ता, सुरक्षा और सतत विकास में मानकों की अहम भूमिका पर चर्चा होगी। बीआईएस द्वारा यह आयोजन उद्योग जगत, छात्रों और उपभोक्ताओं में मानकीकरण और गुणवत्ता संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी कॉलेज में हुआ वाद-विवाद कार्यक्रम

महेंद्र कुमार, अनंत ज्ञान

सुन्नी। अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय डिग्री कॉलेज सुन्नी के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से छात्रों की विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच को निखारने के उद्देश्य से वाद-विवाद और समाचार विश्लेषण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वाद-विवाद कार्यक्रम में भाग लेते छात्र।

'इकोनॉमिक्स सोसायटी' की अध्यक्ष प्रो. सुष्मिता ठाकुर की अध्यक्षता और राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. सुचित्रा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में छात्रों ने समसामयिक आर्थिक विषयों पर अपने विचार रखे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में आस्था और मेहक प्रथम, विकास और भूपेंद्र द्वितीय, जबकि तनिशा और हिमानी तृतीय स्थान पर रहे। समाचार विश्लेषण में अंकिता प्रथम, सूर्यांश द्वितीय और तरुण तृतीय स्थान पर रहे।

एक क्विंटल चांदी से अब चमकेगा माता श्री नयना देवी का गर्भगृह

उमेश भारद्वाज, अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। जिला मंडी का प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता श्री नयना देवी रिवालसर का गर्भ गृह अब एक क्विंटल चांदी से अलंकृत होने जा रहा है। इस कार्य को जयपुर में विशेष कारीगरों द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह जानकारी श्री नैणा देवी बाबा धजाधारी मंदिर समिति रिवालसर के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने दी है।

नया स्वरूप तैयार कर रहे जयपुर के विशेष कारीगर

उन्होंने कहा कि माता श्री नैणा देवी रिवालसर का इतिहास मंडी रियासत के राजा विजय सेन के दौर से जुड़ा है। इससे पूर्व मंदिर को नैणा उग्रतारा के नाम से जाना जाता था। राजा विजय सेन की आंखों की रोशनी जाने पर उन्हें स्वप्न आया कि वह मंदिर में आकर सोने की आंखें चढ़ाएं। ऐसा करने पर उनकी दृष्टि लौट आई, जिसके बाद राजा ने इस मंदिर को 'नैणा माता' नाम दिया। इस मंदिर में आंखों के रोग और अन्य कष्ट दूर करने की भक्तों की मनोकामना पूरी करती है। इसी आस्था के चलते मंदिर में दूर-दूर से भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस मंदिर का स्वरूप पहले बहुत छोटा था। लेकिन समय के साथ मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए समिति का गठन हुआ, जिसके उपरांत पुराने स्थान को ही एक बेहतरीन स्वरूप प्रदान किया गया है। माता के मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए लंगर व्यवस्था सर्व प्रथम समिति द्वारा शुरू की गई। वहीं अब बरसात या सर्दियों के मौसम में मंदिर जाने के लिए श्रद्धालुओं को वॉटरप्रूफ छत वाले रास्ते का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ मंदिर में सुंदर नक्काशी का कार्य भी निरंतर चला हुआ है। नवरात्रि और बड़े जागरण के समय भोजन व्यवस्था के लिए बड़े लंगर हाल है।

सीमा कॉलेज में स्वच्छता और सेवा में जुटे एनएसएस स्वयंसेवी

दशमी रावत, अनंत ज्ञान

रोहड़ू। राजा वीरभद्र सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीमा में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें एनएसएस की तीनों यूनिटों के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ललिता रावत, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह कुल्हा, प्रो. संधीरा और प्रो. भूपेंद्र सिंह लुडियान उपस्थित रहे। शिविर के दौरान महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। स्वयंसेवकों ने झाड़ियों की कटाई, कचरा, प्लास्टिक और सूखे पत्तों को एकत्र कर परिसर को स्वच्छ बनाया तथा आगामी 14 और 15 अक्तूबर को आयोजित होने वाली इंटर कॉलेज शूटिंग चैम्पियनशिप की तैयारियों में भी सहयोग दिया।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. ललिता रावत और एनएसएस स्वयंसेवक सामूहिक चित्र में।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर कांग्रेस का पटका पहने रमेश शर्मा का स्वागत करते हुए।

पूर्व प्रधान रमेश शर्मा की कांग्रेस में घर वापसी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। ग्राम पंचायत बढाल के पूर्व प्रधान रमेश शर्मा ने रविवार को कांग्रेस पार्टी में घर वापसी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे माननीय शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर की जनहितैषी सोच, विकासपरक दृष्टिकोण और समर्पित कार्यशैली से प्रभावित होकर भाजपा छोड़कर पुनः कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ रहे हैं।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रमेश शर्मा का पार्टी का पटका पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि कांग्रेस में हर कार्यकर्ता को सम्मान और समान अवसर मिलता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रमेश शर्मा अपने अनुभव और जनसेवा की भावना से संगठन को और मजबूत बनाएंगे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुब्बल, नावर-कोटखाई के अध्यक्ष मोतीलाल डेरटा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को पूरा मान-सम्मान देती है। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं एलएमबी बैंक के निदेशक देविंदर नेगी तथा वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता ऊधम लाल रिल्टा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दुग्ध उत्पादकों का फूटा गुस्सा, 14 और 30 अक्तूबर को करेंगे प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर

हिमाचल दुग्ध उत्पादक संघ की एक आवश्यक बैठक रामपुर में हुई। बैठक में विशेष कर दुग्ध उत्पादकों को दो माह से पेमेंट न मिलने पर चर्चा की गई। दुग्ध उत्पादक संघ के अध्यक्ष प्रेम चौहान ने बताया कि दो महीने बीत जाने के बाद भी दुग्ध उत्पादकों को दूध का पैसा नहीं मिल पाया है। त्योहारों के इस सीजन में दुग्ध उत्पादक खासे परेशान हैं।

बैठक को संबोधित करते अध्यक्ष प्रेम चौहान, साथ हैं अन्य।

पिछले दो महीनों से हिमाचल प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों को उनके मेहनत के पैसे नहीं मिल रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट पड़ा है। दूध उत्पादन से जुड़ा वर्ग, जो अधिकतर गरीब और मध्यम वर्गीय किसान हैं, उनकी आजीविका का प्रमुख साधन दूध उत्पादन है, परंतु सरकार द्वारा दो माह से भुगतान न किए जाने के कारण इन परिवारों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। पशु पालन में चारा, चोकर दवाइयों और पशु देखभाल की बढ़ती लागत ने हालात और भी कठिन बना दिए हैं। कई पशु पालक तो मजबूरी में दूध सप्लाई बंद करने या अपने पशु बेचने तक की सोच रहे हैं। यह स्थिति न केवल किसानों के लिए बल्कि पूरे दुग्ध उत्पादन तंत्र के लिए चिंता जनक है।

दुग्ध उत्पादकों की समस्याओं को लेकर 14 अक्तूबर को ब्लॉक स्तर पर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। 30 अक्तूबर को प्रदेश भर में ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन किए जाएंगे। दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि दुग्ध एकत्रीकरण केंद्रों पर सोसायटियों में मिल्क टेस्टिंग मशीनों ना होने के कारण भी दुग्ध उत्पादकों को चूना लग रहा है। जहां पर टेस्टिंग मशीन है भी वह उपयोग में लाई जा रही है। इसे लोगों में आक्रोश है।

स्वर्णिम अध्याय — सरकार की दूरदर्शी नीतियों से सशक्त हुआ बागवानी क्षेत्र

हिमाचल की बागवानी में नई क्रांति की दस्तक

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। दृढ़ इच्छाशक्ति व सुविचारित नीति किसी भी चुनौती को अवसर में बदल सकती है। भूस्खलन, मूसलाधार बारिश और सड़कों के अवरुद्ध होने जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद वर्ष 2025 का सेब सीजन राज्य के बागवानी इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में सरकार ने न केवल विपरीत हालातों को नियंत्रित किया, बल्कि बागवानी क्षेत्र को नई ऊर्जा, दिशा और सशक्त पहचान प्रदान की।

जानकारी के अनुसार इस वर्ष का सेब सीजन बागवानों के लिए उम्मीद और सफलता दोनों लेकर आया। हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अनुसार 3 अक्तूबर 2025 तक कुल 2 करोड़ 60 लाख 83 हजार 458 सेब पेटियों का कारोबार हुआ, जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 82 लाख 63 हजार 874 पेटियों तक सीमित था। इस तरह इस वर्ष सेब कारोबार में 43 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि उस समय हुई जब प्राकृतिक

आपदाएं लगातार प्रदेश की राह में बाधा बन रही थीं। लेकिन सरकार और बागवानी विभाग की त्वरित कार्रवाई और सड़कों की शीघ्र बहाली से बागवान अपनी उपज को समय पर मंडियों तक पहुंचाने में सफल रहे।

दिल्ली की आजादपुर मंडी में इस बार हिमाचली सेब की मांग असाधारण रही। ए-ग्रेड रॉयल डिलीशियस सेब 2300 रुपए प्रति 20 किलो पेटी और गोल्डन डिलीशियस 1200 रुपए प्रति पेटी के भाव बिका। यह न केवल हिमाचल के सेब की गुणवत्ता और ब्रांड वैल्यू का प्रमाण है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के विश्वास का भी परिचायक है। मंडी मध्यस्थता योजना के तहत एचपीएमसी ने इस वर्ष 83,788 मीट्रिक टन सेब की रिकॉर्ड खरीद की। यह अब तक की सबसे बड़ी खरीद में से एक रही, जिससे हजारों बागवानों को राहत मिली और उन्हें उचित मूल्य प्राप्त हुआ।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश को 25 करोड़ रुपए की पहली किस्त प्राप्त हुई, जिसमें 22.50 करोड़ रुपए केंद्र सरकार का अंश और 2.50 करोड़ रुपये राज्य सरकार का हिस्सा रहा। इस राशि में से 14.50 करोड़ रुपए किसानों को फलों, सब्जियों, मसालों और फूलों के क्षेत्र विस्तार, मशरूम उत्पादन, संरक्षित खेती, एंटीहेल नेट, फार्म गेट पैक हाउस, कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग इकाइयों के लिए वितरित किए गए।

बागवानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता: नेगी

बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि सरकार ने बागवानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने बताया कि सभी बागवानी क्षेत्रों में सड़क बहाली कार्य, परिवहन सुविधा और मंडी संचालन में सरकार की तत्परता से बागवानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समय पर विपणन सुविधा मिली। उन्होंने कहा कि हिमाचल का यह सेब सीजन न केवल उत्पादन की सफलता है, बल्कि यह किसान और सरकार के साझे प्रयासों की जीवंत मिसाल भी है।

स्प्रिंग डेल स्कूल की टविषा सिंहान आरडीसी-2 कैंप के लिए चयनित

अनंत ज्ञान, रामपुर बुशहर। स्प्रिंग डेल स्कूल खनेरी रामपुर की एनसीसी कैडेट टविषा सिंहान ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्री-आरडीसी-2 कैंप सोलन के लिए चयन प्राप्त किया है। उन्होंने एनएचपीसी बनीखेत में 28 सितंबर से 6 अक्तूबर तक आयोजित सीएटीसी-209 प्री. आरडीसी-1 कैंप में शानदार प्रदर्शन किया। यह शिविर एचपी बीएन एनसीसी डलहौजी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी-2026) के लिए योग्य कैडेटों का चयन करना था। टविषा सिंहान का चयन संस्कृति वर्ग में हुआ है। प्रधानाचार्य मनीष आनंद ने इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और एनसीसी इकाई के अनुशासित प्रशिक्षण का परिणाम है। वहीं एनसीसी अधिकारी गोविंद शर्मा ने कहा कि एनसीसी युवाओं में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व और सेवा की भावना को प्रबल बनाती है। स्प्रिंग डेल परिवार ने टविषा सिंहान को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी है।

रन फॉर डीएवी में अभिभावकों और विद्यार्थियों में दिखा जोश

रन फॉर डीएवी प्रतियोगिता के दौरान स्कूल स्टाफ, प्रधानाचार्य एवं अभिभावक।

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। डीएवी पब्लिक स्कूल रामपुर में रविवार को डीएवी प्रबंधन समिति दिल्ली के निर्देशानुसार रन फॉर डीएवी का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में अभिभावकों और विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। दौड़ प्रतियोगिता में अभिभावकों को महिला वर्ग और पुरुष वर्ग में बांटा गया, जिसमें महिला वर्ग में स्वर्ण पदक सुभद्रा, रजत पदक स्नेहा और कांस्य पदक रुक्मणि ने अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में रोहित को स्वर्ण, बीरबल को रजत और कमल कांत को कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

विद्यार्थी वर्ग के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें छात्रा वर्ग के स्वर्ण पदक अभ्युदय शर्मा, रजत पदक शालीन आजाद और कांस्य पदक किंशुक नरम को मिला।

छात्रा वर्ग में अंशिका भैक स्वर्ण, अद्विती शर्मा रजत और हंसिका कांस्य पदक विजेता रहीं। पारितोषिक वितरण के बाद प्रधानाचार्य अकलुष महाजन ने सभी अभिभावकों एवं सहभागियों का आभार प्रकट किया तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों और अभिभावकों को प्रेरणा मिलती है।

सी-बकथॉर्न
स्वास्थ्य, पर्यावरण व आजीविका का आधार

हिमालय का अमूल्य खजाना

हिमालय की गोद में बसे शुष्क और ठंडे इलाकों में एक ऐसा पौधा उगता है, जो अपने भीतर स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण और आर्थिक समृद्धि का अनमोल खजाना समेटे हुए है। यह पौधा है सी-बकथॉर्न (स्न्न्ड्ड ड्डह्वष्म्ह्ल्द्धश्ह्न्ट्ट), जिसे स्थानीय रूप से 'छरमा' कहा जाता है। यह पौधा अपने सुनहरे-नारंगी फलों के कारण आकर्षक दिखने के साथ-साथ औषधीय और पोषण की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान है। सी-बकथॉर्न का नाम सुनते ही लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के उन इलाकों की तस्वीर उभरती है, जहां कठोर ठंड, ऊंचाई, और बंजर भूमि में भी जीवन के रंग बिखेरने वाला यह पौधा सहजता से फलता-फूलता है। यह हिमालय की पारिस्थितिकी का एक अभिन्न अंग है, जो मानव स्वास्थ्य, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन तीनों की रक्षा करने में सक्षम है।

वनस्पति परिचय और अनुकूलता

सी-बकथॉर्न एक झाड़ीदार, कांटेदार पौधा है, जिसकी ऊंचाई 2 से 4 मीटर तक होती है। इसकी पत्तियां लंबी और चांदी-सफेद रंग की होती हैं,

जबकि फल चमकीले नारंगी रंग के छोटे-छोटे गुच्छों में लगते हैं। यह पौधा अत्यंत सहनशील है। -40°C से +40°C तक के तापमान में जीवित रह सकता है और कम वर्षा, तेज हवाओं तथा खराब मिट्टी में भी पनपता है। इसकी जड़ों में नाइट्रोजन स्थिरीकरण की क्षमता होती है, जिससे यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है और बंजर भूमि को हरा-भरा बनाता है।

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

पोषण और विटामिन का भंडार

सी-बकथॉर्न को 'सुपरफूड' कहा जाता है क्योंकि यह विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। इसके फलों में विटामिन ष्ट की मात्रा संतरे से 10 गुना अधिक होती है। साथ ही इसमें विटामिन ए, ई, के, और फोलेट, कैल्शियम, जिंक, मैग्नीशियम जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

विटामिन बी12 का प्राकृतिक स्रोत

सी-बकथॉर्न की एक अनोखी विशेषता यह है कि इसके बीजों में उपस्थित सूक्ष्मजीव, बैक्टीरिया अकटीनोंमाईसिटिज विटामिन बी12 का निर्माण करते हैं-जो सामान्यतः केवल पशु उत्पादों में पाया जाता है। यह विटामिन लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, तंत्रिका तंत्र के संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। ाजकल के दौर में जब लोगों ने पशुपालन कम कर दिया

है तो ज्यादातर शाकाहारी तथा शहरी लोगों में गुणवता वाले दुग्ध उत्पादों की कमी के कारण इसकी भारी कमी देखी गई है, जिसकी वजह से अधिकतर लोगों में थकान, कमजोरी, और अवसाद जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में, सी-बकथॉर्न शाकाहारी लोगों के लिए एंटीऑक्सीडेंट के साथ -साथ विटामिन बी12 का एक उत्कृष्ट प्राकृतिक स्रोत है। इसके फलों में मिलाने वाले पोषण मूल्य इस प्रकार हैं।

पोषण मूल्य (प्रति 100 ग्राम फल में)

पोषक तत्व	मात्रा	पोषक तत्व	मात्रा	पोषक तत्व	मात्रा
ऊर्जा	80-100 kcal	विटामिन सी	200 - 2500 mg	जिंक	0.5-1 mg
प्रोटीन	1.2-1.6%	विटामिन ई	5 - 20 mg	फ्लेवोनॉयड्स	300-400 mg
वसा	5-8%	कैल्शियम	60-100 mg0	कैरोटिनॉयड्स	30-40 mg
कार्बोहाइड्रेट	10-12%	मैग्नीशियम	20-30 mg		
रेशा	2-3%	लोहा	1.5-2 mg		

खाद्य उपयोगः परंपरा और नवाचार का संगम

सी-बकथॉर्न के फल स्वाद में खट्टे होते हैं, परंतु इनका पोषण मूल्य अतुलनीय है। पारंपरिक रूप से हिमालयी क्षेत्रों में इसके रस का सेवन सर्दियों में किया जाता है, ताकि शरीर को ऊष्मा और ऊर्जा मिल सके। आज यह जूस, जैम, चटनी, सिरप, कैंडी, हर्बल टी, और ड्राई फ्रूट मिक्स के रूप में लोकप्रिय हो चुका है।

उपयोग

- **जूस रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और थकान मिटाने में सहायक**
- **जैम / चटनी / सिरपः** *स्वादिष्ट व पौष्टिक, विटामिन ष्ट से भरपूर*
- **सूखा फल पाउडर :** *सूप, दाल या सब्जियों में पोषण बढ़ाने के लिए*
- **बीज का तेलः** *विटामिन और ओमेगा फैटी एसिड से भरपूर, त्वचा और हृदय के लिए लाभकारी*
- **पत्तियों की चाय :** *टॉनिक की तरह उपयोगी, शरीर को स्फूर्ति देने वाली*

इसका तेल विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जिसका उपयोग त्वचा की नमी बनाए रखने, घाव भरने, झुर्रियाँ कम करने, और सनबर्न से बचाव में किया जाता है।

औषधीय उपयोग और स्वास्थ्य लाभ

सी-बकथॉर्न में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा फैटी एसिड इसे एक शक्तिशाली औषधीय पौधा बनाते हैं। इसके तेल में उपस्थित विटामिन ए और ई त्वचा को चमकदार और बालों को मजबूत बनाते हैं। यह हृदय रोगों में लाभकारी माना जाता है। इसमें मिलाने वाले ओमेगा फैटी एसिड रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं और कोलेस्ट्रॉल घटाते हैं। यह शुगर लेवल को स्थिर रखता है और इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाता है। फाइबर कब्ज, गैस और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करता है। बीज का तेल ओमेगा 3, 6, 7, 9 फैटी एसिड, विटामिन ए , ई होने के कारण त्वचा की सूजन कम करने, घाव भरने एवं झुर्रियां कम करने में लाभकारी हैं।

आजीविका, महिला सशक्तिकरण का माध्यम

सी-बकथॉर्न का महत्व केवल औषधीय ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी अत्यधिक है
हिमालयी क्षेत्रों में फलों से जूस, जैम, तेल, हर्बल उत्पाद, और सौंदर्य प्रसाधन बनाए जाते हैं, जिससे ग्रामीणों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर मिल रहे हैं। विशेष रूप से महिलाओं की स्वयं सहायता समूहों ने इस पौधे से बने उत्पादों की प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित की हैं। इससे वे अपने गांवों में ही आय अर्जित कर रही हैं और अपने परिवारों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का उदाहरण बन रही हैं।

पर्यावरणीय और पारिस्थितिक महत्व

सी-बकथॉर्न जलवायु अनुकूल पौधा है। इसकी जड़ें मिट्टी को कटाव से बचाती हैं, नाइट्रोजन को स्थिर करती हैं और भूमि की उर्वरता बढ़ाती हैं। यह पौधा कार्बन अवशोषण में सहायक होता है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सकता है। सी-बकथॉर्न की खेती से बंजर भूमि को उपजाऊ बनाया जा सकता है, जिससे हरियाली और पारिस्थितिक संतुलन दोनों में वृद्धि होती है।

सतत विकास और भविष्य की दिशा

आज जब पूरी दुनिया स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की चुनौती से जूझ रही है, ऐसे में सी-बकथॉर्न एक आशा की किरण है।यह न केवल सुपरफूड है, बल्कि सतत आजीविका और हरित अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम भी है। यदि सरकार और स्थानीय समुदाय मिलकर इसके प्रसंस्करण, विपणन और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दें, तो यह पौधा हिमालयी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। सी-बकथॉर्न केवल एक पौधा नहीं, बल्कि हिमालय का जीवंत वरदान है। एक ऐसा पौधा जो स्वास्थ्य देता है, मिट्टी को जीवन देता है, और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाता है। इसके संरक्षण और संवर्धन से न केवल मानव स्वास्थ्य सुधरेगा, बल्कि प्रकृति और समाज दोनों का संतुलन भी कायम रहेगा। इसलिए अब समय है कि हम 'सी-बकथॉर्न मिशन' के रूप में इस पौधे को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसे हिमालय का नहीं, बल्कि भारत का 'सुनहरा पौधा' कहें।

डॉ. तारा देवी सेन, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

इन्द्रजौ का आयुर्वेदिक महत्व

इन्द्रजौ, जिसे आयुर्वेद में कुटज या कुरच के नाम से जाना जाता है, एक अत्यंत प्रभावशाली औषधीय पौधा है। इसका वैज्ञानिक नाम Holarrhena antidysenterica है। यह पौधा भारत के अधिकांश भागों में, विशेषकर पहाड़ी और शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इन्द्रजौ का वृक्ष मध्यम आकार का होता है जिसकी छाल धूसर रंग की और पत्ते मोटे हरे होते हैं। आयुर्वेदिक ग्रंथों में इन्द्रजौ का उल्लेख अनेक रोगों के उपचार के लिए किया गया है, विशेष रूप से पाचन तंत्र से संबंधित बीमारियों के लिए इसे बहुत उपयोगी माना गया है।

आयुर्वेद के अनुसार इन्द्रजौ के बीज, छाल, जड़ और पत्ते सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इसका स्वाद कषाय (तीखा) और तिक्त (कड़वा) होता है तथा यह स्वभाव से शीतल माना गया है। यह पित्त और कफ दोष को संतुलित करने में सहायक होता है। दस्त, पेचिश, उल्टी, पेट दर्द, और आंतों की सूजन जैसी समस्याओं में इन्द्रजौ के बीजों का चूर्ण अत्यंत लाभकारी होता है। आमतौर पर आधा चम्मच चूर्ण छाछ या गुनगुने पानी के साथ दिन में दो बार लेने की सलाह दी जाती है। यह आंतों को संक्रमण से मुक्त कर पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है। इन्द्रजौ का उपयोग केवल पाचन संबंधी रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह त्वचा रोगों के लिए भी एक प्रभावी औषधि है। इसकी छाल का काढ़ा रक्त को शुद्ध करने में सहायक होता है और खुजली, फोड़े-फुंसी या दाद जैसी समस्याओं में लाभ देता है। प्रभावित स्थान पर इन्द्रजौ की छाल का पेस्ट लगाने से जलन और सूजन में राहत मिलती है तथा त्वचा स्वस्थ और स्वच्छ रहती है। मधुमेह और बुखार जैसी बीमारियों में भी इन्द्रजौ का उपयोग किया जाता है। यह रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके सेवन से बुखार में राहत मिलती है और शरीर की कमजोरी दूर होती है।महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी इन्द्रजौ उपयोगी माना गया है। मासिक धर्म की अनियमितता, अत्यधिक रक्तस्राव और सफेद पानी

डॉ. रंजना कपूर जोगिंद्रनगर (मंडी)

जैसी समस्याओं में यह लाभकारी है। इसके सेवन से गर्भाशय की शुद्धि होती है और हार्मोन संतुलन में सुधार आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन्द्रजौ का उपयोग पशुओं के दस्त या संक्रमण के इलाज में भी किया जाता है। हालांकि इन्द्रजौ एक प्राकृतिक औषधि है, लेकिन इसका सेवन चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही करना चाहिए। अधिक मात्रा में लेने पर यह कब्ज या गैस की समस्या उत्पन्न कर सकता है। सामान्यत: वयस्कों के लिए 2 से 3 ग्राम बीज चूर्ण दिन में दो बार पर्याप्त होता है। इस प्रकार, इन्द्रजौ एक बहुउपयोगी औषधीय पौधा है जो पाचन तंत्र, त्वचा, मधुमेह, स्त्री रोग और संक्रमण से संबंधित बीमारियों में अत्यंत लाभकारी है। यह शरीर को भीतर से शुद्ध और संतुलित रखने में सहायक होता है तथा आज भी आयुर्वेदिक चिकित्सा में इसका महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है।

अनिद्रा क्या है?

अनिद्रा या Insomnia एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को पर्याप्त नींद नहीं आती या नींद आने में कठिनाई होती है। यह समस्या कुछ दिनों के लिए भी हो सकती है (तीव्र अनिद्रा) और लंबे समय तक भी बनी रह सकती है (दीर्घकालिक अनिद्रा)। नींद की कमी केवल शारीरिक थकान ही नहीं बढ़ाती, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी प्रभावित करती है। आज की व्यस्त जीवनशैली, तनाव, चिंता, मोबाइल और लैपटॉप का अत्यधिक उपयोग, कैफीन का सेवन, असंतुलित दिनचर्या आदि इस समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारण हैं।

अनिद्रा के मुख्य लक्षण

- नींद आने में कठिनाई या देर से नींद आना
- रात में बार-बार नींद का टूटना
- सुबह बहुत जल्दी जाग जाना
- नींद के बाद भी थकान महसूस होना
- दिनभर चिड़चिड़ापन, बेचैनी, एकाग्रता की कमी
- सिरदर्द, आंखों में भारीपन और मन का उदास रहना

अनिद्रा के कारण

मानसिक तनाव और चिंताः कार्यभार, पारिवारिक या आर्थिक चिंता के कारण मन शांत नहीं रह पाता।

अनुचित जीवनशैली : देर रात मोबाइल या टीवी देखना, कैफीन या शराब का अधिक सेवन, नींद के समय में अस्थिरता।

शारीरिक बीमारियांः थायरॉइड, अस्थमा, दर्द, एलर्जी, हार्मोनल असंतुलन या पाचन संबंधी समस्याएं।

दवाओं का प्रभावः कुछ एलोपैथिक दवाएं (जैसे एंटी-डिप्रेसेंट या ब्लड प्रेशर की दवाएं) नींद पर असर डालती हैं।

आयु और हार्मोनल परिवर्तनः विशेषकर महिलाओं में रजोनिवृत्ति के समय अनिद्रा सामान्य रूप से देखी जाती है।

होम्योपैथिक दृष्टिकोण

होम्योपैथी में अनिद्रा को केवल 'नींद की कमी' के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसके मूल कारण को समझकर उसका इलाज किया जाता है। यह उपचार व्यक्ति की मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक अवस्था के अनुसार किया जाता है।

होम्योपैथिक औषधियां

1. Coffea Cruda:
जब मन में अत्यधिक उत्साह, विचारों का प्रवाह या किसी बात की खुशी/चिंता के कारण नींद नहीं आती हो। व्यक्ति छोटी-छोटी आवाजों में भी जाग जाता है।

2. Nu& Vomica:
उन लोगों के लिए जो मानसिक तनाव, अधिक काम, कॉफी, शराब या देर रात जागने की आदत से परेशान हैं। ऐसे व्यक्तियों को सुबह उठने पर चिड़चिड़ापन और थकान महसूस होती है।

3. Passiflora Incarnata:
यह एक उत्कृष्ट नींद लाने वाली प्राकृतिक औषधि है। मानसिक थकान, चिंता या वृद्धावस्था के कारण नींद न आने पर बहुत उपयोगी

4. Kali Phosphoricum
अत्यधिक मानसिक थकान, परीक्षा का तनाव या ऑफिस के दबाव के कारण नींद नहीं आने पर यह औषधि लाभदायक होती है। यह मस्तिष्क को शांत करती है और नींद को स्वाभाविक बनाती है।

5. Arsenicum Album
अत्यधिक चिंता, भय या बेचैनी से ग्रस्त व्यक्ति जो रात में करवटें बदलते रहते हैं, उनके लिए यह उत्तम दवा है।

6. Ignatia Amara
मानसिक सदमे, दुःख या किसी भावनात्मक आघात के बाद नींद न आने की स्थिति में यह अत्यंत प्रभावी होती है।

जीवनशैली में सुधार

1. प्रतिदिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें।
2. सोने से कम-से-कम एक घंटे पहले मोबाइल, टीवी या लैपटॉप से दूरी बनाएं।
3. रात में हल्का भोजन करें और चाय/कॉफी से बचें।
4. गहरी सांसें लेने या ध्यान का अभ्यास करें।
5. सोने का वातावरण शांत, अंधेरा और आरामदायक रखें।
6. नियमित व्यायाम या योग को दिनचर्या में शामिल करें।

डॉ. निधि जोशी, गांधीधाम, कच्छ (गुजरात)

अनिद्रा केवल एक शारीरिक समस्या नहीं, बल्कि मन और शरीर के असंतुलन का परिणाम है। होम्योपैथी इस असंतुलन को स्वाभाविक रूप से ठीक कर व्यक्ति को गहरी, सुकूनभरी नींद प्रदान करती है। दवा के चयन से पहले किसी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें, ताकि उपचार आपकी व्यक्तिगत पकृति और कारणों के अनुसार किया जा सके।

डॉ.निधि जोशी, गांधीधाम गुजरात

रेबीज एक जानलेवा बीमारी रोकथाम ही सबसे अच्छा उपाय

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला शहर सहित अन्य शहरों और कस्बों में आवारा कुत्तों की संख्या चिंता का सबब बनी हुई है। इस बीच कुत्तों के काटने की घटनाएं आम बात है ऐसे में रेबीज जैसी खतरनाक बीमारी से बचाव जरूरी है। इसके तहत आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर ह्यूमेन पीपल एनजीओ, रामपुर, मिशन रेबीज, नगर निगम शिमला और पशुपालन विभाग, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त प्रयास से शिमला शहर में मेगा डॉग वैक्सीनेशन ड्राइव चलाया गया। सोलन और अन्य शहरों में भी आवारा कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया जा रहा है। यदि कुत्ता काट ले तो इसे हलके में बिलकुल न लें। यह जानलेवा हो सकता है। प्रदेश में हर रोज कुत्तों के काटने के मामले सामने आते हैं। ऐसे में इससे बचाव जरूरी है।

कुत्ते के काटने पर रेबीज का टीका जरूरी

पालतू जानवरों का टीकाकरणः अपने कुत्ते, बिल्ली और फेरेट जैसे पालतू जानवरों को नियमित रूप से रेबीज का टीका लगवाएं। अपने पालतू जानवरों को बिना निगरानी के घूमने न दें और उन्हें पट्टे पर रखें।

जंगली और आवारा जानवरों से बचें: जंगली या आवारा जानवरों को न तो छुएं और न ही उन्हें खाना खिलाएं। खासकर लोमड़ियों, चमगादड़ों और रकून जैसे जानवरों से दूर रहें। बच्चों को जंगली और आवारा जानवरों से दूर रहने और उन्हें न छेड़ने की शिक्षा दें।

घर को सुरक्षित रखें

अपने घर को जंगली जानवरों के लिए अनाकर्षक बनाएं। कूड़ेदानों को कसकर बंद रखें और चिमनियों को ढक दें। यदि आपको कोई बीमार या मृत जानवर दिखे, तो स्थानीय पशु नियंत्रण या स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें।

पालतू जानवरों का नियमित करवाएं टीकाकरण

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि रेबीज से बचाव के लिए पालतू जानवरों का नियमित टीकाकरण करवाएं, जंगली और आवारा जानवरों से दूरी बनाए रखें, और अगर किसी जानवर ने काट लिया हो तो घाव को साबुन और पानी से तुरंत धोकर डॉक्टर से संपर्क करें। यह एक जानलेवा बीमारी है और इसका कोई इलाज नहीं है, इसलिए रोकथाम ही सबसे अच्छा उपाय है।

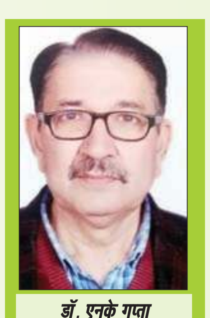

डॉ. एनके गुप्ता सोलन

अगर कोई जानवर काट ले

घाव को अच्छे से धोएं: काटने के तुरंत बाद घाव को कम से कम 10–15 मिनट तक साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार रेबीज का टीका (पोस्ट–एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस या पीईपी) लगवाएं। रेबीज के लक्षण शुरू होने के बाद कोई भी इलाज प्रभावी नहीं होता है, इसलिए यह बहुत जरूरी है। यदि आप किसी ऐसे क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं जहां रेबीज का खतरा है, तो डॉक्टर से मिलकर पहले से ही टीका लगवा सकते हैं।

अब मौके पर हो सकेगी क्राइम सीन में मिले साक्ष्यों की जांच

आधुनिक वाहनों में इनबिल्ट हैं फारेंसिक जांच में प्रयुक्त होने वाली किटस

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान

धर्मशाला। प्रदेश में होने वाले क्राइम सीन पर मिले साक्ष्यों की मौका पर ही प्राथमिक जांच हो सकेगी। यही नहीं फारेंसिक विशेषज्ञों का क्राइम सीन पर पहुंचने का रिस्पांस टाइम भी कम हो जाएगा। पहले फारेंसिक विशेषज्ञ, जिन किटस को उठाकर क्राइम सीन पर जाते थे, वही किटस अब फारेंसिक विभाग को मिले नए आधुनिक वाहनों में उपलब्ध हैं। प्रदेश सरकार की ओर से फारेंसिक विभाग को तीन करोड़ 90 लाख कीमत के छह अत्याधुनिक वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं, प्रत्येक वाहन की कीमत 65 लाख रुपये है। छह वाहनों में से एक स्टेट फारेंसिक प्रयोगशाला मुख्यालय, एक आरएफएसएल सीआर मंडी, एक आरएफएसएल एनआर धर्मशाला और तीन वाहन जिला फारेंसिक यूनिट को उपलब्ध करवाए गए हैं।

कई बार आते हैं दो से तीन क्राइम सीन

इन वाहनों में कई तरह की किटस इनबिल्ट हैं, जबकि पहले फारेंसिक विशेषज्ञों को किसी मौका पर जाने के लिए किटस उठाकर ले जानी पड़ती थी। इन वाहनों के आने से फारेंसिक विशेषज्ञों को किसी घटनास्थल पर पहुंचने में कम समय लगेगा, क्योंकि कई बार फारेंसिक के पास दो से तीन क्राइम सीन आ जाते थे, जिनमें एक क्राइम एक जिला से होता था, जबकि दूसरे जिला का, ऐसे में यह वाहन एक क्राइम सीन से दूसरे क्राइम सीन तक जाने में होने वाली देरी को विराम देगा। हत्या के क्राइम सीन पर घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों का मौका पर ही आकलन हो सकेगा, जिससे फारेंसिक को कार्य करने में आसानी होगी।

"फारेंसिक विभाग को 3 करोड़ 90 लाख रुपए के अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस छह वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं। इन वाहनों में लैब की सुविधा भी मुहैया करवाई गई है। इन वाहनों की लैब की मदद से यदि किसी क्राइम सीन पर मिली किसी साक्ष्य का आकलन हो या या फिर प्राथमिक जांच करनी हो तो इन अत्याधुनिक वाहनों में उपलब्ध लैब की मदद से की जा सकती है। प्रति वाहन की कीमत 65 लाख रुपए है।

-डॉ. मीनाक्षी महाजन, निदेशक, फारेंसिक साइंस निदेशालय हिमाचल प्रदेश।

पठानकोट वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी में खैर माफिया ने काटे पेड़, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, इंदौरा। पठानकोट के कथलौर वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी में गत रात करीब 2:30 बजे खैर माफिया के करीब पांच लोग खैर के पेड़ काटते पाए गए। सेंक्चुरी की टीम जब मौके पर पहुंची, तो माफिया के लोग पेड़ों से भरी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। मौके से करीब 16 खैर के पेड़ों से भरी गाड़ी और दो लोहे के आरे बरामद किए गए। डीएफओ परमजीत सिंह ने बताया कि माफिया पठानकोट और जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर के आसपास सक्रिय हैं और लंबे समय से पेड़ों की चोरी कर रहे हैं।

पिछले वर्षों में ये माफिया क्षेत्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमले भी कर चुके हैं, लेकिन अभी तक पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकी है। थाना नरोट जैमल सिंह पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और कार्रवाई तेज करने की बात कह रहे हैं।

नूरपुर पुलिस ने 6 किलो से अधिक चरस के साथ तीन किए गिरफ्तार

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। नूरपुर पुलिस ने नशा माफियाओं के खिलाफ जारी अभियान के तहत पठानकोट-मंडी मार्ग पर कंडवाल में नाकाबंदी कर बड़ी कार्रवाई की। एसपी अशोक रतन के निर्देशानुसार एसआईयू टीम के प्रभारी अजायब सिंह ने एक ऑल्टो कार को रोका और तलाशी लेने पर 6.044 किलो चरस बरामद की। तीन आरोपियों अनु कुमार (बल्ह), सुरेश कुमार और रामलाल (मंडी जिले के निवासी) को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एएसपी धर्मचंद वर्मा ने बताया कि नूरपुर पुलिस ने वर्ष 2025 में अब तक 74 मामले दर्ज किए हैं, जिसमें 1.53 किलो हेरोइन, 23.154 किलो चरस, 23.570 किलो भुक्की, 344 अफीम के पौधे और 1.27 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं।

इसके साथ ही, आरोपियों की लगभग 24.69 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति को भी जब्त किया जा चुका है। इस अभियान में अब तक 122 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 112 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल हैं। नशे के खिलाफ यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कार और बाइक में टक्कर, एक की मौत

अनंत ज्ञान, नूरपुर। नेशनल हाइवे पर हुए हादसे में एक बाइक व कार में जोरदार भिडंत हो गई। इस हादसे में बाईक सवार 19 वर्षीय चंद्र प्रकाश निवासी सोयोला, तहसील नूरपुर की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची नूरपुर पुलिस की टीम ने शव को कब्जे में लेकर कारवाई की तथा दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की पहचान 21 वर्षीय शिव पुत्र पवन कुमार, निवासी नागे दा पैल खज्जियां (टट्टल) तहसील नूरपुर तथा 18 वर्षीय लक्ष्मण निवासी नागे दा पैल खज्जियां (टट्टल), तहसील नूरपुर के रूप में हुई है। पुलिस थाना नूरपुर में मामला दर्ज कर लिया है। कार को चला रहे चालक रशपाल सिंह निवासी चो, जौंटा, तहसील नूरपुर के खिलाफ मामला दर्ज कर कारवाई की जा रही है। मामले की पुष्टि करते हुए एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले में अगली कारवाई कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

सिद्धपुर, फतेहपुर में कल बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। सहायक अभियंता, विद्युत उपमंडल सिद्धपुर संतोष कुमार ने सूचित किया है कि 33/11 केवी सब स्टेशन में आवश्यक रखरखाव हेतु 14 अक्तूबर को सुबह 9 से कार्य समाप्त होने तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान फतेहपुर, सिद्धपुर, सुक्कड़, होडल, घुरलूनाला, उपाड़, होटल क्लब मोहिन्द्रा, सिद्धबाड़ी, बागनी, तपोवन, रंसा, बरवाला, झिओल, रक्कड़बल्ला, हिमुडा कार्यालय रक्कड़, योल, योल बाज़ार, नरवाणा, ल्हेस्टर, बनोरडू, तगरोटी, रमेढ़, सिद्धपुर, मोहली (यूनिवर्सिटी), खनियार, सोकणी-दा-कोट, टिल्लू पटोला, डाझू, चोहला, कंडी, धलूं, रिन्ना, डिक्टू, डाडी, हब्बड़, पासू, शीला, अप्पर डाडी, अप्पर बडोल, हब्बड़, इच्छुगा, बगरोटू, गमरू, आदि गांवों में बिजली बंद रहेगी। मौसम खराब रहने पर कार्य अगले दिन किया जाएगा।

कोटला, भलाड गांव में कल पावर कट

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान, कोटला। हिमाचल प्रदेश विद्युत विभाग उपमंडल कोटला के अंतर्गत आने वाले 33 केवी सबस्टेशन व 11 केवी के सभी फीडरों की मुरम्मत व रखरखाव के कारण उप मंडल कोटला के अंतर्गत आने वाले गांवों कोटला, भलाड, वेहीपठियार, पथर भाली, मस्तगढ़, बग्गा, कुठेड, जांगल, सिहुनी, जोल, ढुराना, रजोल, त्रिलोकपुर, सोलधा, तरखनाड़, नढोली, जौंटा आदि गांवों की विद्युत आपूर्ति 14 अक्टूबर सुबह 9 बजे से कार्य समाप्ति तक बाधित रहेगी। मौसम खराब होने की स्थिति में यह कार्य अगले दिन किया जाएगा। विद्युत विभाग जनता से सहयोग की अपील करता है यह जानकारी विद्युत उपमंडल कोटला के सहायक अभियन्ता इंजीनियर कुंदन सिंह ने दी।

ग्रीनलैंड स्कूल में लगाई कला शिल्प की प्रदर्शनी

अनंत ज्ञान, इंदौरा। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल सूरजपुर के प्रांगण में चेयरमैन रणवीर सिंह, सेक्रेटरी कमलजीत सिंह तथा प्रधानाचार्य श्रीमती अनुमित कौर की अध्यक्षता में शिल्प कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा व्यर्थ पदार्थों का प्रयोग करके बहुत ही सुंदर-सुंदर कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। इस कार्यक्रम के आयोजन से छात्रों का हुनर निखर कर बाहर आया है। सभी छात्रों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इसमें छात्रों ने फोटो फ्रेम, फ्लावर पोट, अखबार के थैले, पेंटिंग, चित्रकार, खाली बोतलों से लैंप, रस्सा पर पेंटिंग आदि चीजें प्रदर्शनी में प्रस्तुत की। इस प्रदर्शनी से अभिभावक बहुत ही प्रसन्न हुए तथा उन्होंने छात्रों के इस हुनर की काफी सराहना भी की। आए हुए सभी अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधक के इस प्रयास की बहुत सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की।

जीके प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया उत्साह

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् जिला कांगड़ा की ओर से स्वामी विवेकानंद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह प्रतियोगिता पूरे हिमाचल प्रदेश में एक साथ आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य युवाओं में ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिला संयोजक अंकित गौड़ ने जानकारी दी कि कांगड़ा जिले में इस प्रतियोगिता के लिए कुल 720 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 521 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के सफल संचालन हेतु चार परीक्षा केंद्र बनाए गए एक महाविद्यालय धर्मशाला, ग्रीन फील्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल नगरोटा, एसडी मॉडल स्कूल लंज व गाइड पब्लिक स्कूल ठाकुरद्वारा रहे। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता हिमाचल के सभी जिलों में एक साथ आयोजित की जा रही है।

पैरापंप ऑपरेटर, पैराफिटर ने ली इंटक सदस्यता

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। आज बैजनाथ में इंटक (ऑल हिमाचल पीडब्ल्यूडी, आईपीएच एवं कॉन्ट्रेक्चुअल वर्कर्स यूनियन) की एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पैरापंप ऑपरेटर, पैराफिटर एवं एमपीडब्ल्यू ने इंटक की सदस्यता ग्रहण की। बैठक की अध्यक्षता जिला इंटक के अध्यक्ष संजय सैनी ने की। बैठक में जिला महासचिव विनोद चौधरी, मंडल बैजनाथ के अध्यक्ष बनवीर चंद, सुरेश कुमार, सोनू कुमार सहित अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पैरापंप ऑपरेटर एवं पैराफिटरों की पॉलिसी पर विस्तार से चर्चा हुई। सदस्यों ने बताया कि वर्तमान में सरकार द्वारा पॉलिसी 8 वर्ष की निर्धारित की गई है, जिसमें पैरापंप ऑपरेटरों के लिए 15 फीसदी और पैराफिटरों के लिए 10 फीसदी कोटा निर्धारित है। बैठक में यह मांग रखी गई कि नियमित होने की अवधि को घटाकर 5 वर्ष किया जाए।

कबड्डी टूर्नामेंट में राजल टीम रही विजेता

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। सलोल में कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया, जिसमें राजल टीम विजेता रही। इस मुकाबले का आयोजन आदित्य पटियाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अंकुश परमार, सौरव शर्मा और आशु फौजी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विजेता टीम को ट्रॉफी व सम्मानित किया गया।

वॉलीबाल स्पर्धा में त्रिवेणी टीम ने मारी बाजी

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। सूबेदार मेजर मुंशी राम राणा मैमोरियल वालीबाल प्रतियोगिता लंबागांव के कुंजेश्वर महादेव के प्रांगण में चल रही प्रतियोगिता का समापन रविवार को हो गया। फाइनल मुकाबला त्रिवेणी लड़भड़ोल व तलवाड़ के बीच हुआ, जिसमें त्रिवेणी की टीम तीन शून्य से प्रतियोगिता अपने नाम की। प्रतियोगिता के समापन समारोह में पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत डडवाल बतौर मुख्य अतिथि रहे। आयोजक हिमांशु राणा ने मुख्य अतिथि को शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह कर सम्मानित किया। युवाओं की रस्साकशी खेल करवाई गई जिसमें वार्ड नंबर पांच विजेता को 2100 वार्ड नंबर तीन उप विजेता को 1100 रुपए और वॉलीबाल विजेता को 11000 रुपए और ट्रॉफी उप विजेता को 7100 रुपए ट्रॉफी व बेस्ट प्लेयर 1000 रुपए ट्रॉफी मुख्य अतिथि ने देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पंचायत के पूर्व प्रधान विनोद मैहरा, रमेश राणा, परवीन राणा, विचित्र सिंह, रमेश, नीलम ठाकुर, अजय शर्मा, हरि दास, कृष्ण कुमार के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

409 स्वयंसेवकों ने लिया पथ संचलन में भाग

मनोज चंदेल, अनंत ज्ञान, योल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, योल खंड द्वारा विजयदशमी उत्सव जोरावर सिंह मैदान, सिद्धबाड़ी में हर्षोल्लास और अनुशासन के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण से हुआ और इसकी अध्यक्षता विक्रम ठाकुर ने की। मुख्य अतिथि अशोक, सह प्रांत संघ चालक, चिंतपूर्णी निवासी व सफल उद्योगपति रहे। उनके साथ भूषण रैना, विभाग संघचालक सहित अनेक गणमान्य स्वयंसेवक भी उपस्थित थे। शस्त्र पूजन के उपरांत मुख्य वक्ता ने संघ के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विजयदशमी को सत्य की जीत और धर्म की स्थापना का पर्व बताया। बौद्धिक सत्र के बाद योल बाजार तक भव्य पथसंचलन निकाला गया, जिसमें 409 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। यह आयोजन स्वयंसेवकों के अनुशासन, समर्पण और संघ की जीवन दृष्टि का सजीव प्रतीक रहा।

लगातार 27 वर्ष से प्रवक्ता पद पर सेवाओं के बावजूद रिटायरमेंट भी प्रवक्ता पद से

अनंत ज्ञान, डरोह

हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के उपमंडल धीरा की एक महत्वपूर्ण बैठक उपमंडल अध्यक्ष नरेश राणा एवं सचिव रमन कश्यप द्वारा करवाई गई। बैठक में हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास, महासचिव बलजीत सिंह अटवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार, वित्त सचिव तिलक राज राणा मुख्य रूप से उपस्थित हुए। प्रवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि प्रवक्ता से प्रधानाचार्य की पदोन्नति शिक्षा विभाग, शिक्षा सचिव एवं सरकार की उपेक्षा के कारण अधर में लटकी हुई है।

शिक्षा सचिव एवं शिक्षा मंत्री से लगातार गुहार लगाने के बाद भी कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आए हैं। पदोन्नति की आस लगाए कुछ प्रवक्ता सेवानिवृत्त हो गए हैं और कुछ सेवानिवृत्ति की कतार में खड़े हैं। 27 वर्ष तक प्रवक्ता पद पर सेवाएं देने के बाद भी विभागीय सुस्ती एवं शिक्षा सचिव और सरकार के अडियल रवैये से प्रवक्ता पद से ही सेवानिवृत्त होने को मजबूर हैं। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा मार्च 2025 में संचालित दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं में बोर्ड आदेशों के अनुसार अधीक्षक, उपाधीक्षक, पर्यवेक्षक तथा अन्य प्रारुप में अपनी सेवाएं दे चुके प्रवक्ताओं को अभी तक मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है। बोर्ड सचिव से बात करने पर वह यही दोहराते हैं कि आपके शिक्षा विभाग के पास शिक्षा बोर्ड का लाखों रूपया फंसा है। प्रवक्ता संघ ने पुरजोर यह मांग की कि हमने शिक्षा बोर्ड के आदेशानुसार अपनी सेवाएं दी हैं अतः भुगतान भी बोर्ड करे। शिक्षा विभाग के पास आपकी राशि लंबित है, उसमें प्रवक्ताओं या अन्य अध्यापकों का क्या दोष है। बैठक में अन्य मुख्य मांगों जैसे लंबित मंहगाई भत्ता एवं एरियर जारी करना, अध्यापक उपस्थिति का एक ही विकल्प रखना, क्लस्टर प्रणाली जारी करने से पहले प्रत्येक अध्यापक के अधिकारों को संरक्षित रखना, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अनुरूप राज्य विद्यालयों का जो चयन हुआ है उसमें समस्त राज्य प्रवक्ता एवं अन्य अध्यापकों को ही समायोजित किया जाए अलग से कोई काडर न बने आदि पर गंभीर चर्चा हुई। प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा यह मांग करता है कि प्रवक्ता से प्रधानाचार्य की पदोन्नति अविलंब की जाए अन्यथा प्रवक्ता विरोध स्वरूप आने वाले समय में काले बिल्ले लगाकर कक्षाओं में जाएंगे।

प्रवक्ता संघ शांति एवं सौहार्द का पक्षधर है उसकी खामोशी को कमजोरी न समझें। अगर संघर्ष की आवश्यकता पड़ी तो हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा अपनी अग्रणी भूमिका निभाएगा। प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा ने यह भी सुनिश्चित किया कि जल्दी ही जनरल हाऊस किया जाएगा तथा राज्य कार्यकारिणी के साथ बैठकर अग्रिम प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी।

शिक्षा बोर्ड ने डीएलएड परीक्षा के लिए तय किए 28 केंद्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की ओर से अक्तूबर-नवंबर, 2025 में प्रस्तावित डीएलएड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारित कर दिए गए हैं। बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि प्रदेश के समस्त सरकारी डीआईईटी. एवं निजी प्रबंधित डीएलएड संस्थानों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों को उस परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना होगा, जिसका नाम उनके संस्थान के समक्ष कॉलेजेस टू बी अपियर्ड कॉलम में अंकित किया गया है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण संबंधित संस्थानों द्वारा सभी शर्तों की पूर्ति और नियमों के पालन की स्थिति में ही प्रभावी रहेगा। बोर्ड की ओर से जारी सूची में कुल 28 परीक्षा केंद्र अधिसूचित किए गए हैं। इनमें सभी सरकारी डीआईईटी जैसे कि बिलासपुर (जुखाला), चंबा (सारू), हमीरपुर (गौना कारोड़), कांगड़ा (धर्मशाला), कुल्लू (जराड़), मंडी, शिमला (शामलाघाट), सिरमौर (नाहन), सोलन, ऊना (देहलां) आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश के कई निजी कॉलेज जैसे शांति निकेतन कॉलेज ऑफ एजुकेशन (हमीरपुर), अभिलाषी जेबीटी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (नेरचौक), सेंट बीड्स कॉलेज (शिमला), बाबा किर्पाल दास कॉलेज ऑफ एजुकेशन (पांवटा साहिब), क्लेबी डीएवी कॉलेज फॉर गर्ल्स (पालमपुर) आदि को भी परीक्षा केंद्र के रूप में नामित किया गया है। बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सभी संस्थानों को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रोटरी क्लब शाहपुर ने शिक्षक दिवस पर पांच शिक्षकों को किया सम्मानित

मुख्यातिथि प्रो. चंद्र रेखा डढवाल ने शिक्षक-विद्यार्थी संवाद पर रोशनी डाली।

अनंत ज्ञान, शाहपुर

अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब शाहपुर द्वारा द्रोणाचार्य कॉलेज रैत में एक गरिमामय समारोह आयोजित कर पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

क्लब अध्यक्ष सत्येंद्र गौतम ने बताया कि शिक्षकों को फूल माला, शाल, टोपी और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात लेखिका और पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्र रेखा डढवाल रहीं।

उन्होंने बीएड प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षण कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, जिसे विद्यार्थियों से मित्रवत संवाद से सरल किया जा सकता है। उन्होंने समाज में परस्पर सहयोग और मानवीय रिश्तों की मजबूती पर भी बल दिया।

इस अवसर पर डॉ. सतीश ठाकुर, सुदर्शन रैना, तृप्ता जमवाल, रवींद्र डोगरा और सुमना कुमारी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मंच संचालन अनीश कोरला और विशाखा डढवाल ने किया। कार्यक्रम में द्रोणाचार्य कॉलेज के एमडी गंदर्भ सिंह पठानिया, कार्यकारी निदेशक बलविंद्र सिंह पठानिया सहित कई गणमान्य नागरिक, रोटरेक्ट्स व बीएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

डरोह स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर शुरू, 56 स्वयंसेवक ले रहे भाग

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा

डरोह। पीएमश्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डरोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ जोकि 17 अक्तूबर तक जारी रहेगा। जिसका शुभारंभ सुदर्शन सूद सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य के द्वारा किया गया। जिसमें 56 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इस शिविर में 28 छात्र और 28 छात्राएं स्वयंसेवक के रूप में अपनी भूमिका अभिनीत कर रही हैं। मुख्यअतिथि ने स्वयंसेवियों को एक अच्छा नागरिक बनने और निस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और नशावृत्ति के दुष्प्रभावों पर रोशनी डाली। कार्यक्रम अधिकारी धर्मपाल जम्वाल ने स्वयंसेवियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी और एक अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारियों ने भाग लिया।

सीयू के प्रो. मनोज सक्सेना बने गुरु घासीदास विवि के यूनिवर्सिटी कोर्ट के सदस्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता, अध्यक्ष और केंद्रीय विवि के कुलानुशासक प्रो. मनोज कुमार सक्सेना अब गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय न्यायालय (यूनिवर्सिटी कोर्ट) के सदस्य होंगे। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कार्यवाहक कुलसचिव ने प्रो. सक्सेना के नामित होने की अधिसूचना जारी की है। इस वर्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने प्रो. सक्सेना को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कार्य परिषद के सदस्य के रूप में भी नामित किया है। उनका कार्यकाल कार्य परिषद के कार्यकाल तक माना जाएगा। इससे पूर्व प्रो. सक्सेना जम्मू-कश्मीर के बाबा गुलाम बादशाह विश्वविद्यालय राजौरी की शैक्षणिक परिषद के सदस्य के रूप में भी दो साल कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में प्रो. सक्सेना राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली की राष्ट्रीय स्तर की समिति के सदस्य के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थायी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से प्रो. सक्सेना को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

विधायक केवल सिंह पठानिया ने हस्ताक्षर कर शुरू किया 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला

शाहपुर कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान शुरू किया है। विधायक केवल सिंह पठानिया ने पहले हस्ताक्षर किए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हर गांव में जाकर लोगों को भाजपा द्वारा वोट चोरी के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया गया है। शाहपुर कांग्रेस कमेटी ने रविवार को 'वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान' अभियान शुरू कर दिया है। रैत कांग्रेस कार्यालय में विधायक केवल सिंह पठानिया ने पहला हस्ताक्षर कर इस अभियान की शुरुआत की। सारे हस्ताक्षर होने के बाद इसकी प्रतिलिपि पार्टी हाईकमान को भेजी जाएगी। हर विधानसभा क्षेत्रों के गांव में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचेंगे। कांग्रेस के अग्रणी संगठन एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, इंटक, सेवादल की भी जिम्मेदारी तय की गई है। वह भी अभियान को गांव व लोगों के घर तक पहुंचाकर इसे जन अभियान बनाएंगे।

शाहपुर में बनेगा गुरु रविदास जी का भवन

अनंत ज्ञान, शाहपुर। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में गुरु रविदास जी का भव्य भवन निर्मित किया जाएगा। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने सिहवां पंचायत के वार्ड नंबर 5, छतरु में विद्युत संचालित हैंडपंप के लोकार्पण उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए दी। विधायक पठानिया ने कहा कि इस हैंडपंप के शुरू होने से वार्ड के लोगों को अब स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा व उन्हें पानी की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जब भी क्षेत्र में कोई विकास कार्य हो, तो उसकी देखरेख में जनता भी भागीदारी निभाए ताकि सार्वजनिक धन का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि वार्ड में शमशानघाट को जाने वाले रास्ते का निर्माण कार्य शीघ्र करवाया जाएगा तथा सोलर लाइट्स की उपलब्धता होने पर प्राथमिकता के आधार पर उन्हें यहां स्थापित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने महिला मंडल भवन के निर्माण के लिए शीघ्र एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश भी दिए

कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तिब्बती स्वतंत्रता के लिए निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

मानसरोवर की मुक्ति तिब्बत व भारत का साझा स्वप्न : गैरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला

मानसरोवर की मुक्ति भारत एवं तिब्बत का सामूहिक स्वप्न है। इस स्वप्न की प्राप्ति के लिए आरएसएस का देश प्रेम एवं इतिहास हमें प्रेरित करता है। ये बात निर्वासित तिब्बती प्रशासन की सुरक्षा मंत्री डोलमा गैरी ने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम शताब्दी संगोष में कही। सुरक्षा मंत्री डोलमा गैरी ने कहा कि प्रत्येक तिब्बती भारत को आर्यभूमि कहता है, और आरएसएस आर्यभूमि के इतिहास एवं परंपरा का संवाहक है, इसलिए देश प्रेम का आरएसएस का दृष्टिकोण तिब्बतियों के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है। सुरक्षा मंत्री ने कहा कि निर्वासित तिब्बतियों के अधिकारों एवं स्वतंत्रता के लिए संघ प्रारंभ से ही प्रयत्नशील है। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख हरीश ने कहा कि संघ ने 100 वर्ष के इतिहास में उपेक्षा एवं विरोध की लम्बी श्रृंखला का सामना किया है और अब उसे समाज का सहयोग प्राप्त होने लगा है। संघ में बढ़ते समाजिक सहभाग ने वैश्विक स्तर पर कई शक्तियों को हैरत में डाल दिया है। हरीश ने कहा कि समाज के बढ़ते सहभाग से पैदा हुई ऊर्जा का सही उपाय उपयोग करने के लिए संघ ने पंच परिवर्तन का लक्ष्य लिया है।

पथ संचलन में 625 स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

संघ के शताब्दी वर्ष और विजया दशमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में दाढ़ी मेला ग्राउंड से लेकर चरान चौक तक लगभग 625 स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन किया। इसमें छोटे आयु के बाल स्वयंसेवकों का पद संचलन लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा का पथसंचल कर रहे स्वयं सेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन से पहले आरएसएस के पदाधिकारियों ने शस्त्रपूजन कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इस शताब्दी संघोष कार्यक्रम में आरएसएस के सह प्रांत प्रचारक ओम प्रकाश, विभाग प्रचारक भागवती प्रसाद, कांगड़ा के संघचालक प्रदीप, नगर संघचालक बलदेव, स्थानीय मातृशक्ति सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आरएसएस का हरिपुर में अनुशासित पथ संचलन

शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, देहरा। रष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देहरा जिला के हरिपुर खंड में एक अनुशासित और भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। खंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने ÷भारत माता की जय÷ के उद्घोष के साथ नगर भ्रमण किया, जिससे वातावरण राष्ट्रभक्ति से भर गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कैप्टन बलवान और मुख्य वक्ता संघ प्रचारक अजय जी ने संघ की सेवा भावना, संगठनशक्ति और राष्ट्रनिष्ठ जीवनदृष्टि पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. हेडगेवार के जीवन और संघ की स्थापना की प्रेरक पृष्ठभूमि भी साझा की। पथ संचलन में 103 स्वयंसेवकों एवं 67 भगिनी-बंधुओं ने भाग लिया। नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। आयोजन में देहरा जिला व खंड के प्रमुख कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पेंशनर्स 14 को धर्मशाला में निकालेंगे आक्रोश रैली

अनंत ज्ञान ब्यूरो। धर्मशाला

धरना प्रदर्शन करके खोली जाएंगी सरकार की आंखें: भंडारी

हिमाचल प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संघों ने नवगठित पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट के तत्वावधान में व्यवस्था परिवर्तन का ढोंग रचने वाली सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के खिलाफ पेंशनर्स के साथ किये जा रहे आर्थिक व्यविचार को लेकर अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव में सड़क़ों पर उतर कर 14 अक्तूबर को हर जिला के मुख्यालय में धरना प्रदर्शन कर आक्रोश रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। संयुक्त मोर्चा के राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी ने बताया कि कि पूर्व की भाजपा सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने पेंशनर्स की खून-पसीने की कमाई को लूट लिया है। वादों के पुलिंदे बांटकर वोट लूटने वाली यह सरकार अब पेंशनर्स को भूखा मारने पर तुली है। 14 अक्टूबर को हर जिला मुख्यालय पर पेंशनर्स का आक्रोश फूटेगा और कुंभकर्णी नींद से सुक्खू सरकार को जगाया जायेगा कि समय रहते बुजुर्ग पेंशनर्स को न्याय दिलाने में आगे बढ़ें। भंडारी ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट के बैनर तले 14 अक्तूबर को सुबह 11बजे से आक्रोश रैली व धरना आयोजित किया जा रहा है। हमारी मांगें साफ हैं कि पेंशनर्स को उनका हक दो, वरना सड़कें गवाह बनेंगी। जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के बीच रिटायर हुए कर्मचारियों को उनके वित्तीय लाभों के भुगतान का कत्लेआम, पेंशन वितरण में बर्बर देरी, 16 फीसदी महंगाई राहत की अनदेखी व मेडिकल बिलों की वित्तीय स्वीकृति के लिए लटका कर रख देना सरकार का काला खेल है जिसे आंदोलन के जरिए उजागर किया जाएगा। यह सरकार पेंशनर्स को वोट बैंक मानती है, लेकिन सत्ता मिलते ही भूल जाती है। हमने सेवा दी, प्रदेश बनाया, अब बदले में भूख और बीमारी नहीं चलेगी।

एम्स बिलासपुर के पास पडगल में स्थापित होगा केंद्रीय विद्यालय

जिले के विकास में तीन साल में एक और बड़ा अध्याय जुड़ने को तैयार

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। एम्स बिलासपुर की स्थापना के तीन वर्षों के भीतर ही अब कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। एम्स परिसर के पास पडगल में केंद्रीय विद्यालय (केवि) के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। एम्स प्रबंधन और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से 170 बीघा भूमि का चयन कर लिया है, जिसे केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम शीघ्र निरीक्षण के लिए देखेगी। यह स्थल न केवल एम्स के कर्मचारियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए चुना गया है, बल्कि सुरक्षा और सुविधा दोनों दृष्टियों से भी पूरी तरह उपयुक्त माना जा रहा है। न हाइटेंशन तारों का खतरा, न भूस्खलन की आशंका। पडगल का यह इलाका विद्यालय निर्माण के लिए आदर्श माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, पडगल में उपलब्ध 170 बीघा भूमि पर विद्यालय भवन, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान और अन्य आधुनिक शैक्षणिक ढांचे विकसित करने की पूरी संभावना है। एम्स में कार्यरत कर्मचारियों को अब अपने बच्चों को शहर के निजी विद्यालयों में भेजने की परेशानी से राहत मिलेगी। केंद्रीय विद्यालय खुलने से एम्स कर्मियों के बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा परिसर के निकट ही प्राप्त हो सकेगी। पूर्व में केवि के लिए चुनी गई भूमि 33 केवी सबस्टेशन के पास थी, लेकिन हाइटेंशन तारों की वजह से उसे असुरक्षित माना गया। अब पडगल की नई साइट सभी मानकों पर खरी उतरने से स्वीकृति की संभावना लगभग सुनिश्चित मानी जा रही है। जिला प्रशासन ने भूमि चयन की रिपोर्ट उच्च शिक्षा विभाग को भेज दी है और केंद्रीय विद्यालय संगठन से निरीक्षण का आग्रह किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि संगठन की टीम पडगल में भूमि को जल्द ही हरी झंडी दे देगी।

स्वास्थ्य के साथ शिक्षा में भी अग्रणी बनेगा जिला

बिलासपुर का एम्स भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है। उनकी दूरदृष्टि और निरंतर निगरानी के कारण यहां हर कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। एम्स की स्थापना से लेकर चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और अब केंद्रीय विद्यालय के निर्माण तक – हर कदम नड्डा के विज़न का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि मात्र तीन वर्षों में एम्स बिलासपुर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में बल्कि शिक्षा की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। साल 2021 में एम्स बिलासपुर की शुरुआत के बाद तीन वर्षों में केंद्रीय विद्यालय का प्रस्ताव साकार होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। यह कदम न केवल एम्स कर्मियों के परिवारों के लिए राहत लेकर आएगा, बल्कि बिलासपुर की पहचान को एक उभरते हुए शैक्षणिक और स्वास्थ्य केंद्र के रूप में और मजबूत करेगा। एम्स कर्मियों के लिए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना उस सोच का प्रतीक है, जिसमें कार्यस्थल के पास बच्चों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा देने की सुविधा सुनिश्चित की गई है। यह निर्णय बिलासपुर को न केवल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी जिलों की कतार में ला खड़ा करेगा।

न्यूज ब्रीफ

एम्स बिलासपुर में सीड कार्यशाला का आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। एम्स बिलासपुर के एनेस्थीसियोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर विभाग ने एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन के सहयोग से 17वीं सीड कार्यशाला और सीएमई का सफल आयोजन किया। यह कार्यशाला 11 और 12 अक्तूबर को आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि डॉ. सुजाता चौधरी, अतिरिक्त महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, और एम्स बिलासपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) दलजीत सिंह (सेवानिवृत्त) उपस्थित रहे। देशभर से 16 विशेषज्ञों और 50 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। इसमें इंटुबेशन, वीडियो लैरिंगोस्कोपी, फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी जैसी जीवनरक्षक तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. विजयलक्ष्मी शिवापुरापु आयोजन अध्यक्ष और डॉ. सुनील ठाकुर सचिव रहीं। डॉ. राकेश कुमार ने हिमाचल में पहली बार ऐसी कार्यशाला आयोजित करने के लिए एम्स टीम की सराहना की।

रैली में मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

अनंत ज्ञान घुमारवीं। आंगनबाड़ी केंद्र रैली पंचायत निहान वृत्त सुनहानी परियोजना झंडूता में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रचना कुमारी ने बताया कि यह दिवस लड़कियों के लिए अधिक अवसरों का समर्थन करता है और दुनियाभर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ता है इस दिवस का उत्सव विकास, नीति, प्रोग्रामिंग, अभियान और अनुसंधान में एक अलग समूह के रूप में लड़कियों और युवा महिलाओं के सफल प्रयास उद्भव को दर्शाता है। लड़कियों व महिलाओं की समाज में भागीदारी बढ़ाने, शिक्षित करने भविष्य को उज्ज्वल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।एकल उपयोग प्लास्टिक में कमी व अपशिष्ट पृथक्करण पर जागरूक किया गया ताकि गंदगी न पड़े पर्यावरण प्रदूषित न हो और बीमारियों से बचा जा सके। आशा कार्यकर्ता संतोष कुमारी द्वारा बेटियों व महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति व संतुलित आहार खानपान में सुधार के प्रति जागरूक किया गया।

बरठीं के अंडर-14 खिलाड़ी वॉलीबाल उपविजेता

अनंत ज्ञान, बरठीं। वॉलीबाल खेल में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिला भर में द्वितीय स्थान हासिल करने वाले रावमापा बरठीं के बच्चों ने ट्रॉफी को प्रधानाचार्य को सौंपा। गौर रहे कि जिला स्तरीय वॉलीबाल टीम में 5 खिलाड़ी बरठी पाठशाला के खेल रहे थे, जिन्होंने उक्त खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रार्थना सभा में अपने संदेश में प्रधानाचार्य सुरेश शर्मा ने बच्चों के साथ साथ अभिभावकों व खेल प्रशिक्षकों पीईटी सुनील कुमार डीपीई रामलाल संधू को बधाई दी। उन्होंने कहा किसी भी खेल में हार व जीत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, हारने वाले को कभी भी हतोत्साहित नहीं होना चाहिए, बल्कि दोगुनी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए। फिर चाहे खेल का मैदान हो या फिर पढ़ाई का, हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए।

राम और लक्ष्मण ने किया राक्षसों का संहार

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। शाहतलाई में चल रही बाल रामलीला में चिंतित दशरथ की दशा देख गुरु वशिष्ठ के सुझाव से ऋषि श्रृंगी द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ होते ही देव कृपा से राम, लक्ष्मण, भरत शत्रुघ्न चार पुत्र पैदा होते ही राजा दशरथ व अयोध्यावासी प्रसन्नता से झूम उठे। इस दृश्य दौरान श्री राम के नारों से दर्शकों के मन को मंत्रमुग्ध किया। रामलीला मंचन के अन्य दृश्य में मारीच.सुबाहू राक्षसों ने यात्रियों की लूटपाट, विश्वामित्र यज्ञ विध्वंस से क्रोधित ऋषि ने दशरथ के राज्य में अत्याचार को लेकर राजा से गुहार लगाते दर्शाया गया। दृश्य मंचन में विश्वामित्र ने यज्ञ शाला हवनों और धर्म की रक्षा हेतु दशरथ से राक्षसों का संहार हेतु अवतरित हुए विष्णु भगवान मानव देह में पुत्र राम लक्ष्मण दशरथ राजा से मांग राक्षसों का वध दृश्य दर्शकों का खूब मनोरंजन कर गया। राक्षसों के वध से पहले दृश्य में डरावनी बनी ताड़का के सचिन सोनी अभिनय ने पंडाल में अफरा.तफरी का मौहाल पैदा कर दर्शकों को अपने अभिनय के लिए तालियां बटोरने के लिए मजबूर किया।

दधोल स्कूल में सिद्धार्थ को चुना बेस्ट स्वयंसेवी

अनंत ज्ञान, दधोल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला,दधोल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन आज हुआ। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में मेहर सिंह सामाजिक कार्यकर्ता ने कार्यक्रम मे शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश भारद्वाज ने की। मुख्यतिथि को पाठशाला प्राधानाचार्य एवम एन एस एस अधिकारी दीना नाथ शर्मा ने टोपी पहना कर और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर एनएसएस महिला अधिकारी श्रीमती सुनीता देवी भी साथ रही। मुख्यातिथि मेहर सिंह विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों को समाजसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला और एनएसएस के माध्यम से जनहित में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि युवा अगर समर्पित मन से सेवा करें तो समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं नशे से दूर रहे। कार्यक्रम मे इस शिविर मे हुई गतिविधियों के बारे बताया गया इस शिविर मे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सिद्धार्थ भारद्वाज को बेस्ट स्वयंसेवी और लड़कियों में एंजल शर्मा को बेस्ट छात्रा स्वयंसेवी चुना गया। इस अवसर पर एसएमसी कार्यकारिणी के सलाहकार जगन नाथ विद्यालय स्टाफ तथा एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

दनोह में कुटुंब मिलन समारोह संपन्न

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। शहर के साथ लगती ओयल पंचायत के दनोह गांव में आयोजित 'कुटुंब मिलन समारोह' रविवार को संपन्न हो गया। हनुमान सेवा समिति दनोह के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के अंतिम दिन हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। सुबह के समय इसके लिए तैयार किए गए 21 हवन कुंडों में आहुतियां डाली गई। उसके बाद बच्चों ने संस्कारों पर आधारित प्रस्तुतियां देने के साथ ही साज-सज्जा प्रतियोगिता में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। बच्चों के साथ गांव के अन्य लोगों ने पारिवारिक खेल में सहभागिता सुनिश्चित की। दोपहर के समय भजन-कीर्तन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। समिति के अध्यक्ष रविंद्र और महासचिव अरुण ने बताया कि 3 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करवाई। इस आयोजन में कुटुंब प्रबोधन गतिविधि के प्रांत संयोजक, श्री धर्मपाल शर्मा की भी अहम भूमिका रही।

सोलन में दुराचार मामले से प्रदेश शर्मशार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता बलदेव राज ने कहा कि सोलन में दुराचार के आरोप में गिरफ्तार वैद्य राम कुमार बिंदल का मामला पूरे प्रदेश को शर्मसार करने वाला है। 25 वर्षीय युवती ने 8 अक्तूबर को शिकायत दी थी कि 7 अक्तूबर को उपचार के बहाने उसके साथ गलत कार्य किया गया। पुलिस ने 10 अक्तूबर को आरोपी को गिरफ्तार किया। बलदेव राज ने कहा कि आरोपी प्रभावशाली परिवार से है, इसलिए जांच पूरी तरह निष्पक्ष व पारदर्शी होनी चाहिए। अगर आरोप साबित होते हैं, तो सख्त से सख्त सजा दी जाए। साथ ही उन्होंने सरकार से पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह घटना देवभूमि की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है और आम आदमी पार्टी ऐसे दुराचार की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

सांसद अनुराग ने बस हादसे के पीड़ितों को बंधाया ढांढस

बरठीं बस हादसे के पीड़ित परिवारों के साथ दुख बांटते सांसद अनुराग ठाकुर।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान सांसद अनुराग ठाकुर ने भल्लू में हुए भीषण बस हादसे के पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। सांसद ने शोकाकुल परिवारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह दुख असहनीय है, और केंद्र सरकार हर स्थिति में पीड़ितों के साथ खड़ी है। अनुराग ठाकुर ने स्पष्ट किया कि इस कठिन समय में वे पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और उन्हें आवश्यक आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हादसा एक बड़ी चेतावनी है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए भूस्खलन नियंत्रण और सड़क सुरक्षा उपायों को और सुदृढ़ किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान अनुराग के साथ झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल, जिला सचिव दिनेश चंदेल, जिला परिषद उपाध्यक्ष मान सिंह धीमान और युवा मोर्चा के अध्यक्ष राम पाल चौधरी भी उपस्थित रहे। सांसद ने मौके पर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर आपातकालीन राहत कार्यों, चिकित्सा सहायता और प्रभावित परिवारों की अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज के प्रत्येक सदस्य का सहयोग जरूरी है। सांसद ने स्पष्ट किया कि सरकार और प्रशासन हर संभव कदम उठाकर इस कठिन समय में पीड़ितों के साथ खड़ा है। अनुराग ठाकुर ने घटनास्थल का भी दौरा किया और वहां पर स्थानीय विधायक जीतराम कटवाल में उन्हें हादसे की पूरी जानकारी दी।

अजय चौहान के गानों पर झूमा नम्होल

मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में देर रात तक नाचते-गाते रहे दर्शक

सुभाष ठाकुर, अनंत ज्ञान

नम्होल। नम्होल में चल रहे पारंपरिक पशु मंडी एवं किसान मेले की दूसरी सांस्कृतिक संध्या यादगार बन गई। मंच पर जब हिमाचल के मशहूर नाटी स्टार अजय चौहान ने कदम रखा, तो पूरा मैदान तालियों और सीटीयों की गूंज से गूंज उठा। हजारों की संख्या में जुटे दर्शक देर रात तक मंच के सामने थिरकते रहे और 'नाटी रा चस्का बुरा' की धुन पर सबके कदम अपने आप झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में जब नाटी स्टार अजय चौहान मंच पर पहुंचे, तो दर्शकों का उत्साह चरम पर था। मंच पर उन्होंने एक नन्हे बच्चे को गोद में उठाकर नाटी की थाप पर डांस किया और फिर शुरू हुआ गीतों का ऐसा सिलसिला जिसने हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने एक के बाद एक सुपरहिट गाने जैसे –नाटी रा चस्का बुरा, झुमके–झुमके तेरे कानों रे झुमके, इश्क हुआ आपसे प्यार हुआ नम्होल वालों से, टेंशन नहीं लेने का टेंशन तो देने का, जब तुम्हे अकेल में मेरी याद आएगी, नाटी सिरमौरी वाली, तेरा नखरा, झुमका नॉन स्टॉप, ठुमका, और हो रोहडू वालिए गाकर माहौल में जोश भर दिया। हर गीत के साथ दर्शक झूमते नजर आए ओर खूब आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कलाकार सुभाष शर्मा हिमाचली ने गणेश वंदना के साथ की, जिन्होंने अपनी सुरीली आवाज से सभी का मनमोह लिया। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक गीत मैया तेरे मंदिरा बजदे ढोल नगारे, फोरलेन सड़क दा आया फरमान घर तोड़ी देनी मेरी जिंदे, तारा रे पीपुला, चल चल मेले जो मेरे बांके सजना और मुंडू ग्लादा आमा जो छड़ी दे सारे कामा जाना मेला देखने जो गाकर दर्शकों का मन जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एलआईसी एडवाइजर प्रेम सिंह ठाकुर ने मेला समिति की व्यवस्थाओं और अनुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि नम्होल मेला अब केवल एक पारंपरिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह संस्कृति, एकता और हिमाचली परंपरा का जीवंत प्रतीक बन चुका है। उन्होंने अपनी नेक कमाई से मेला समिति को 11,000 रुपए का अनुदान भेंट किया।

दूसरी सांस्कृतिक संध्या के मुख्यातिथि एलआईसी एडवाइजर प्रेम सिंह ठाकुर को सम्मानित करते आयोजक।

संध्या में इन कलाकारों ने भी बांधा समां

सांस्कृतिक संध्या में सचिन कश्यप, सतीश कुमार सुपर स्टार, जादूगर जेएम नेगी, किशोर कुमार वगल्याणा, कर्मा भाई और रमा धीमान जैसी प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। जादूगर नेगी के जादू के करतबों ने बच्चों और बड़ों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि स्थानीय कलाकारों के नृत्य और हास्य कार्यक्रमों ने पूरे मैदान में हंसी और तालियों का माहौल बना दिया। सांस्कृतिक संध्या का संचालन आकर्षक अंदाज में स्थानीय एंकरों ने किया और कार्यक्रम के अंत में मेला समिति के पदाधिकारियों ने सभी कलाकारों और सहयोगियों का धन्यवाद कर उन्हें सम्मानित किया ।

आइसेक्ट ने झंडूता में निकाली कौशल विकास यात्रा

मुख्यातिथि ने आईसेक्ट के कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, संस्था की सराहना भी की

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

झंडूता में आइसेक्ट झंडूता द्वारा कौशल रथ–कौशल विकास यात्रा का आयोजन किया गया। इस वर्ष यात्रा का मुख्य आकर्षण एआई लिटरेसी मिशन है। आईसेक्ट के विशेष रूप से तैयार किए गए कौशल रथ के माध्यम से यह अभियान गांव–गांव और शहर शहर तक पहुंचाया जाएगा। इस यात्रा के दौरान छात्रों को निशुल्क एआई सेमिनार कार्यशालाएं, करियर काउंसलिंग सत्र, और तकनीकी प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला झंडूता मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने आईसेक्ट के कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया उन्होंने कहा कि आईसेक्ट सही मायने में बच्चों को कौशल प्रदान करने में सही भूमिका निभा रहा है और सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं को बच्चों तक पहुंचाने में अच्छा प्रयास कर रहा है। उन्होंने आईसेक्ट संस्था की भरपूर सराहना की। साथ ही बच्चों को साइबर क्राइम से बचने के उपाय ओर जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आईसेक्ट के झंडूता शाखा के ब्रांच मैनेजर सतीश ठाकुर, तलाई ब्रांच के ब्रांच मैनेजर अनिल, घुमारवीं शाखा से रजनीश मौजूद रहे। झंडूता के ब्रांच मैनेजर सतीश जी ने बताया कि आईसेक्ट के साथ जुड़कर उन्होंने खुद के रोजगार के साथ सात अन्य युवाओं को भी रोजगार दिया । इसके लिए उन्होंने आईसेक्ट का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि आईसेक्ट से वे पिछले 22 सालों से जुड़े हुए हैं और पिछले 25 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। इस वर्ष यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्किल नॉलेज प्रोवाइडर को एआई शिक्षा में प्रशिक्षित करना, जिसके अंतर्गत निशुल्क सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से समुदायों को जोड़ना स्कूल और कॉलेज के साथ–साथ सहयोग बढ़ाकर संस्थागत नेटवर्क मजबूत करना है।

छात्रों को दी साइबर क्राइम की जानकारी

अनंत ज्ञान, जुखाला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुखाला में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर पुलिस चौकी नमहोल के प्रभारी महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, कानून व्यवस्था, यातायात नियमों, नशे के दुष्प्रभाव तथा महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए इंटरनेट का प्रयोग सोच-समझकर करना चाहिए।

बीडीटीएस ने बांटे दिवाली के बंपर गिफ्ट

अनंत ज्ञान, स्वारघाट

एशिया की सबसे बड़ी ट्रक परिवहन सभा बरमाणा ट्रक ट्रांसपोर्ट सभा (बीडीटीएस) ने शनिवार को स्वारघाट से दीवाली उपहार वितरण की शुरुआत की। सभा ने पहले चरण में करीब डेढ़ करोड़ रुपए की राशि को 600 से अधिक ट्रांसपोर्टरों में पूरी पारदर्शिता के साथ वितरित किया। यह कदम न केवल बरमाणा क्षेत्र के परिवहन व्यवसाय के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है, बल्कि वर्षों से लंबित हाईक राशि के वितरण से ट्रांसपोर्टरों में खुशी और संतोष का माहौल है। इस अवसर पर बीडीटीएस के प्रधान नीलम चंदेल, महासचिव सुरेश चौधरी, कोषाध्यक्ष बालक राम कपिल, मुख्य संरक्षक ध्यान सिंह ठाकुर, गोसदन प्रधान राजेश ठाकुर और सह सचिव विकास भार्गव सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी ने ट्रांसपोर्टरों को उपहार देकर बधाई दी और भविष्य में इसी पारदर्शी परंपरा को जारी रखने का संकल्प लिया। सभा मुख्य संरक्षक ध्यान सिंह ठाकुर ने ट्रांसपोर्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रयास ट्रांसपोर्टरों की मेहनत और एकता का परिणाम है। महासचिव सुरेश चौधरी ने बताया कि ऑपरेटरों को मिलने वाली हाईक की परंपरा को पुनः शुरू किया गया है, जिससे सभी ट्रांसपोर्टरों में उत्साह का माहौल है। सभा के प्रधान नीलम चंदेल ने यह भी स्पष्ट किया कि जो ट्रांसपोर्टर किसी कारणवश स्वारघाट कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, वे दिवाली से पहले बरमाणा बीडीटीएस कार्यालय से अपने उपहार प्राप्त कर सकते हैं।

पेंशनर्स कल करेंगे विशाल धरना-प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला बिलासपुर के प्रधान जगदीश दिनेश एवं महासचिव नरोत्तम धीमान ने प्रेस को जारी एक संयुक्त वक्तव्य

में कहा है कि बार बार अनुरोध करने पर भी प्रदेश सरकार का रवैया पेंशनर्स के प्रति उपेक्षापूर्ण ही रहा है। पेंशनर्स की करोड़ों रुपए की देनदारियों पर सरकार ने कुंडली मार रखी है। जनवरी 2016 से जनवरी 2022 के मध्य सेवानिवृत्त पेंशनर्स तो अति पीड़ित, हताश और निराश हैं। उनके ग्रेज्युटी, लीव एनकैशमेंट और कम्युटेशन के कई कई लाख रूपए सरकार केपास देय हैं। भयंकर रोगों से पीड़ित वृद्ध पेंशनर्स लाखों रुपए के चिकित्सा बिलों के भुगतान की बाट जोह रहे हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम व विद्युत विभाग के सेवानिवृत्त पेंशनर्स को तो छठे वेतन आयोग के एरियर्स का भुगतान ही नहीं हुआ है। उपरोक्त कारणों से सरकार के प्रति पेंशनर्स में उत्पन्न हुए रोष को प्रकट करने के लिए खंड स्तर पर सफल धरना-प्रदर्शन कर संबंधित उपमंडलाधिकारी के माध्यम से सरकार के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपे गए । अब जिला कार्य कारिणी के निर्णय अनुसार पैन्सनर्ज के प्रति सुप्त सरकार को जागरूक करने के लिए 14 अक्तूबर को प्रातः 10.30 बजे जिला मुख्यालय बिलासपुर में शहीदी पार्क से थोड़ा आगे पार्किंग स्थल में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद एक रैली के रूप में उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर उपायुक्त के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को पैन्सनर्ज की चिरलंबित मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

शताब्दी वर्ष में सर्वव्यापी होना संघ का लक्ष्य

अनंत ज्ञान, झंडूता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कलोल खंड का शस्त्र पूजन और पथ संचलन का कार्यक्रम सिद्ध चानो मंदिर भड़ोलियां मैदान से बाजार से होता हुआ शनि

मंदिर भड़ोलियां तक संघ के घोष की धुनों के साथ निकाला गया, जिसमें लगभग 152 गणवेश धारी स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पथ संचालन में मातृ शक्ति और अन्य संस्थाओं ने संचलन का स्वागत पथ संचलन में चले स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर अपनी भावना प्रकट की। कार्यक्रम के अध्यक्ष आनंद गोपाल सेवानिवृत्त भारतीय सीमा सुरक्षा बल ने अपने संबोधन में कहा कि संघ आज राष्ट्र सेवा और मानव सेवा का पर्याय बन चुका है, व्यक्ति निर्माण की इस जटिल प्रक्रिया से जो स्वयंसेवक तैयार हो रहे हैं वह जीवन और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए राष्ट्र उत्थान में अमूल्य योगदान दे रहे हैं द्य उन्होंने सभी उपस्थित मातृ और सज्जन शक्ति से आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को अगर संस्कारवान और सामाजिक बुराइयों से दूर रखना चाहते हैं तो उन्हें निसंकोच संघ शाखा में भेजे।

एसआईवीटी का वार्षिक पुरस्कार उत्सव 31 को

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। आईटी क्षेत्र में अपना अहम किरदार निभा रही शिवम इंस्टीच्यूअ फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर यानी एसआईवीटी की वार्षिक बैठक मुख्य कार्यालय घुमारवीं में चेयरमैन दिनेश कुमार भुट्टो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक जहां बीते वित वर्ष की गतिविधियों और उपलब्धियों को लेकर चर्चा की गई, वहीं आगामी वर्ष की रणनीति भी तैयार की गई। प्रेस को जारी बयान में एसआईवीटी महासचिव विजय कुमार ने बताया कि बैठक में पिछले वित वर्ष का आय-व्यय ब्योरा रखा गया जिसे ध्वनिमत से पास किया गया। इस बार के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को लेकर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान तय किया गया कि इस बार 31 अक्तूबर को एसआईवीटी अपना वार्षिकोत्सव घुमारवीं में मनाएगी। बैठक में विभिन्न समितियों और उपसमितियों का गठन किया गया तथा एसआईवीटी के पदाधिकारियों को जिम्मेवारियां सौंपी गई। वहीं चेयरमैन दिनेश भुट्टो ने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर सभी पदाधिकारियों, स्टाफ और बच्चों में खासा उत्साह है। इस बार का कार्यक्रम अद्वितीय होगा। एसआईवीटी प्रबंध निदेशक सतीश शर्मा ने बताया कि आईटी के क्षेत्र में एसआईवीटी निरंतर उपलब्धियों को छू रही है। यह अभिभावकों का विश्वास तथा स्टाफ और बच्चों की मेहनत की बदौलत है। उन्होंने कहा कि अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए एसआईवीटी संस्था कभी पीछे नहीं हटती है।

दशरथ का तीर लगने से श्रवण की मृत्यु

अनंत ज्ञान, कुठेडा। सदर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोरसिंधी में भगवान गणेश, श्रीराम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की पूजा-अर्चना के साथ रामलीला का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन शंकर दास शर्मा (सेवानिवृत्त हैंड मस्टर) ने अपनी पत्नी सोमवती, रामलीला मंडल प्रधान राहुल चौहान और निदेशक सुनील चौहान सहित दीप प्रज्वलित कर किया। पहले दिन इंद्र दरबार और नारद मोह प्रसंग का मंचन हुआ, जिसमें भगवान विष्णु द्वारा नारद मुनि का अभिमान तोड़ने की कथा प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही श्रवण कुमार प्रसंग भी मंचित किया गया, जिसमें महाराज दशरथ के तीर से श्रवण कुमार की मृत्यु का दृश्य दिखाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। मंचन में अच्छर पाल, शुभम चौहान, अजय जसवाल, मनीष चौहान, विकास, अंकुश, अनुराग, दीपक, शशिपाल, आदित्य, मदन लाल, अभिषेक, देशराज, संतोष कुमार सहित कई कलाकारों ने भाग लिया।

साहित्य बिलासपुर लेखक संघ के स्थापना दिवस समारोह में 'वाग्धारा' काव्य संग्रह का विमोचन

साहित्यकारों ने मातृभाषा–बोली के संरक्षण पर दिया जोर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर लेखक संघ का स्थापना दिवस समारोह जिला भाषा अधिकारी कार्यालय के संस्कृति सदन में बड़ी ही गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध उपन्यासकार डॉ. गंगाराम राजी ने की, जबकि मंच संचालन रवींद्र कुमार शर्मा एवं शीला सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. करतार सिंह वर्मा, पूर्व उपकुलपति, कैरियर प्वाइंट विश्वविद्यालय हमीरपुर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. लेखराम शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ अनूप मस्ताना द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात बिलासपुर बस दुर्घटना तथा प्रदेश में हालिया प्राकृतिक आपदाओं में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया।

संघ के महासचिव रवींद्र कुमार शर्मा ने बताया कि बिलासपुर लेखक संघ की स्थापना वर्ष 1997 में कुछ साहित्यप्रेमी सदस्यों के सहयोग से की गई थी, जो अब बढ़कर लगभग 100 सदस्यों तक पहुंच चुकी है। संघ का उद्देश्य लोकसंस्कृति के संरक्षण और नए साहित्यकारों को प्रोत्साहन देना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि प्रो. वर्मा ने कहा कि आज के दौर में अपनी मातृभाषा और बोली के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सफलता केवल अंग्रेजी भाषा पर निर्भर नहीं, बल्कि समर्पण और मौलिकता पर आधारित होती है। इस अवसर पर बिलासपुर लेखक संघ द्वारा प्रकाशित साझा काव्य संग्रह 'वाग्धारा' का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में संघ से जुड़े 35 लेखकों की 145 पहाड़ी रचनाएं संकलित हैं। डॉ. लेखराम शर्मा ने कहा कि इस संग्रह की कविताएं समाज की वर्तमान विकृतियों और ज्वलंत समस्याओं पर जन–जागरूकता लाने का प्रयास करती हैं। समारोह के अंत में डॉ. गंगाराम राजी ने कहा कि बिलासपुर की धरती ने कई महान हस्तियों को जन्म दिया है, जिनमें जोरावर सिंह जैसी विभूतियां भी शामिल हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी साहित्यकारों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा उपस्थित जनों ने बिलसपुरी धाम का स्वाद लिया।

समारोह में उपस्थित मुख्यातिथि तथा बिलासपुर लेखक संघ के पदाधिकारी।

इन्हें किया सम्मानित

- व्यास साहित्य सम्मान - **रूप शर्मा**
- बिलासपुर गौरव सम्मान - **प्रणब चंदेल**
- व्यास जन सेवा सम्मान-**जिला परिषद सदस्य गौरव शर्मा**
- नवोदित लेखक सम्मान- **कुमारी प्रीति मधु शर्मा**
- मंजूषा उत्कृष्ट सेवा सम्मान-**सीमा शर्मा**
- हरिदास जनेऊ आदर्श अध्यापक सम्मान-**सुभाष शर्मा**
- स्वतंत्रता सेनानी ज्योति प्रकाश समाज सेवा सम्मान-**द्वारका प्रसाद शर्मा**
- सर्वाधिक उपस्थिति सम्मान-**रवींद्र कुमार शर्मा**

न्यूज ब्रीफ

सुक्खू सरकार ने प्रदेश को किया निराशः प्रताप सिंह

अनंत ज्ञान, मंडी। भाजपा जिला प्रवक्ता प्रताप ठाकुर ने प्रदेश की सुक्खू सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि यदि वर्तमान सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कार्यों को जारी रखा होता तो आज हिमाचल प्रदेश सुखी और समृद्ध होता। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश के गरीब, महिला, युवा और बुजुर्गों के हितों को सर्वोपरि रखा गया था, जबकि वर्तमान सरकार से जनता निराश और दुखी है। उन्होंने बताया कि जयराम सरकार ने मातृशक्ति योजना के तहत 4.63 लाख परिवारों को लाभ पहुंचाया, बेटी है अनमोल योजना से 1,36,920 बेटियों को आर्थिक सहायता मिली और हिम केयर योजना के माध्यम से 6.29 लाख परिवारों का पंजीकरण कर 3.22 लाख लोगों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 20,000 किमी से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ और लगभग 11,000 गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की उदासीनता और असंवेदनशीलता ने आम जनता को निराश किया है, जबकि जयराम के कार्यों से प्रदेश का हर वर्ग लाभान्वित था। प्रताप ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे सच्चे विकास के लिए भाजपा के साथ खड़े रहें।

सेवा संकल्प समिति ने 20 जरूरतमंदों को दी आर्थिक मदद

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सेवा संकल्प समिति की मासिक बैठक अध्यक्ष चंद्रमणि वर्मा की अध्यक्षता में समिति कार्यालय सरकाघाट में सम्पन्न हुई। बैठक में 18 सदस्य मौजूद थे और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इस दौरान 26 रोगियों के आवेदन जांचे गए, जिनमें से 20 मरीजों को आर्थिक सहायता देने के लिए योग्य पाया गया। कुल 2 लाख 8 हजार रुपये की सहायता उन परिवारों को प्रदान की गई जो दिमागी, हृदय, कैंसर, किडनी, ब्रेन स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों या प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह सहायता पूरी मानवता और मरीजों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए दी गई है, ताकि उन्हें उपचार और रोजमर्रा की जरूरतों में राहत मिल सके। इस बार की सहायता भोरंज, धर्मपुर, जोगिंद्रनगर, बलद्वाडा, थुनाग और सरकाघाट क्षेत्र के मरीजों को दी गई। सेवा संकल्प समिति ने कहा कि अब तक सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक और सामग्री सहायता दी जा चुकी है। साथ ही आम जनता से भी अपील की गई है कि वे इस सेवा अभियान से जुड़कर मानवता की मदद करें, ताकि कोई भी जरूरतमंद इलाज से वंचित न रहे।

'रन फॉर डीएवी' दौड़ में छात्रों ने दिखाया जोश

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। डीएवी पब्लिक स्कूल जोगिंद्रनगर में रविवार को 'रन फॉर डीएवी' नामक तीन किलोमीटर लंबी दौड़ का आयोजन किया गया। कक्षा 8वीं से 11वीं तक के विद्यार्थियों ने इस दौड़ में उत्साह और जोश के साथ भाग लेकर अपनी फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। दौड़ बालक रूपी गेट से शुरू होकर माउंट मौर्य विद्यालय तक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना, शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना था। सुबह 9 बजे निर्धारित ड्रेस कोड में सभी प्रतिभागी छात्र विद्यालय परिसर में एकत्र हुए और अनुशासन के साथ दौड़ पूरी की। विद्यालय प्रशासन ने आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष प्रबंध किए और शिक्षकों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। अभिभावकों ने भी इस आयोजन में पूरा सहयोग दिया, जिससे कार्यक्रम बिना किसी बाधा के संपन्न हुआ। दौड़ के अंत में, प्रथम स्थान पर रहे अक्षत को प्रधानाचार्य संजय ठाकुर ने मेडल, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। द्वितीय स्थान प्राप्त गौरव और तृतीय स्थान पर रहे आदित्य को भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ाते हैं। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के पूर्ण समर्थन से यह आयोजन सफल रहा और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिली।

वोट चोर वही, जिसने जनता से झूठ बोला : जय सिंह

कीड़ी गांव की नुक्कड़ सभा में कांग्रेस सरकार पर किया तीखा हमला

राहुल सहगल, अनंत ज्ञान

कीड़ी गांव की नुक्कड़ सभा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते जय सिंह व ग्रामीण।

चंबा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता जय सिंह ने जिला चंबा के कीड़ी गांव में कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक नुक्कड़ सभा आयोजित कर 'वोट चोर और गद्दी छोड़' अभियान के तहत कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

सभा में उपस्थित स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए जय सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में असली वोट चोर कांग्रेस पार्टी है, जिसने सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन आज तीन साल बीत जाने के बाद एक भी वादा पूरा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों से पहले घोषणा की थी कि राज्य में 5 लाख नौकरियां दी जाएंगी, जिनमें से पहले वर्ष में एक लाख नौकरियां देने का वादा किया गया था। साथ ही 28 लाख महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 100 रुपए प्रति लीटर दूध खरीद मूल्य, और 2 रुपए प्रति किलो गोबर खरीद योजना का ऐलान किया गया था।

बोले-बेरोजगारी, जुमले और जवाबहीनता ने जनता को किया निराश

उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार बताए कि इन तीन वर्षों में कितने वादे पूरे हुए? कितने युवाओं को रोजगार मिला? कितनी महिलाओं को आर्थिक लाभ मिला? उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को विकास और राहत के लिए लगातार आर्थिक सहयोग दिया है। साल 2023 में केंद्र ने प्रदेश को 5000 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की, वहीं 2025 में प्राकृतिक आपदा के समय 1500 करोड़ रुपए की मदद दी गई। लेकिन जनता को अब तक यह जवाब नहीं मिला कि इन पैसों का उपयोग आखिर हुआ कहां?

जय सिंह ने प्रदेश सरकार पर युवाओं को छलने और बेरोजगारी बढ़ाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश में 20 लाख से अधिक बेरोजगार युवा हैं, जो कांग्रेस की नीतियों से निराश और आक्रोशित हैं। जिन लोगों ने रोजगार और राहत के नाम पर जनता को धोखा दिया, वे अब जवाब देने से बच रहे हैं।

सभा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जवाब दो और वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी रखेगी। अंत में उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कांग्रेस के झूठे वादों के खिलाफ एकजुट हों और आने वाले चुनावों में सच्चाई का साथ दें ताकि हिमाचल में विकास और पारदर्शिता की सरकार स्थापित हो सके।

खड़ामुख-होली स्टेट हाईवे पाइप के सहारे टिकी सड़क

ओपी शर्मा, अनंत ज्ञान

भरमौर। खड़ामुख-होली स्टेट हाईवे पर शिव नगरी के पास हुए लैंडस्लाइड पर कभी भी कोई भी बड़ा हादसा घटित त हो सकता है। विभाग ने यहां पर पाइप के सहारे सड़क बहाल की है, जबकि सड़क के नीचे का हिस्सा पूरी तरह से खाली है, जबकि यहां से हर रोज दर्जनों बड़े वाहन इस क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजर रहे हैं।

गौरतलब है करीब एक सप्ताह पहले यहां पर जमीन धंसने के कारण सड़क का लगभग 20 मीटर हिस्सा पूरी तरह से टूट गया था। विभाग ने आनंद-फानन में यहां पर पाइप के ऊपर मिट्टी डालकर सड़क तो बहाल कर दी है, लेकिन सड़क के अंदर का हिस्सा पूरी तरह से खाली है, जबकि इसी हिस्से पर हर दिन दर्जनों बड़े बाहन गुजर रहे हैं।

विभाग की लापरवाही, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

स्थानीय लोगों को वहां चला कौन है कहा है कि इस हिस्से की तुरंत मुरम्मत नहीं की गई तो कभी भी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। यहां पर हर रोज करीब एक दर्जन से अधिक सरकारी व प्राइवेट बसें गुजरती है, तो वहीं पर की भारी गाड़ियां भी यहां से गुजर रही है।

भरुड़ी-ककीयन्ना पुल क्षतिग्रस्त, विधायक डीएस ठाकुर ने दिए वैकल्पिक मार्ग बनाने के निर्देश

अनंत ज्ञान, डलहौजी

लगातार हो रही भारी बारिश के चलते भरुड़ी-ककीयन्ना को जोड़ने वाला मुख्य पुल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इस पुल के टूटने से क्षेत्र की दर्जनों पंचायतों का संपर्क मार्ग बाधित हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और स्कूली छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर ने स्थिति पर तुरंत संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रशासन को भरुड़ी-ककीयन्ना के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर काम तेजी से चल रहा है और कुछ ही दिनों में वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा।

विधायक ठाकुर ने बताया कि गंढ़ियार-भरुड़ी-ककीयन्ना सड़क को उनकी विधायक प्राथमिकता योजनाओं में शामिल किया गया है। इस सड़क और पुल के स्थायी पुनर्निर्माण के लिए उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता को शीघ्र डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन आम जनता की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, ताकि क्षेत्र का संपर्क जल्द बहाल हो सके और लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न झेलनी पड़े।

डलहौजी में सड़क पर शावकों के साथ दिखी मादा भालू, लोगों में दहशत

अनंत ज्ञान, डलहौजी

पर्यटन नगरी डलहौजी में उस समय हड़कंप मच गया जब सुभाष चौक के पास एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ सड़क पर घूमती हुई दिखाई दी। भालू और उसके बच्चों को सड़क पर बेफिक्र टहलते देख स्थानीय लोगों और पर्यटकों में दहशत फैल गई। कई लोगों ने तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया, वहीं कुछ पर्यटकों ने इस नज़ारे को अपने मोबाइल कैमरों में कैद भी किया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों से अपील की कि वे शांत रहें और भालू के करीब जाने की कोशिश न करें। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जंगलों में ठंड बढ़ने के कारण जंगली जानवर अब अक्सर आबादी वाले इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं।

स्थानीय प्रशासन ने पर्यटकों और नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे सुभाष चौक और आसपास के क्षेत्रों में सतर्क रहें तथा किसी भी वन्यजीव की सूचना तुरंत विभाग को दें।

कभी भी टूट सकता है होली का त्यारी पुल

फाइल फोटो

अनंत ज्ञान, भरमौर

होली का त्यारी पुल कभी भी टूट सकता है। अगस्त महीने में हुई भारी बारिश के चलते रावी नदी का एकाएक जलस्तर बढ़ जाने के कारण इसके दोनों साइड के पिलर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। यह पुल क्षेत्र की एक पंचायत को जोड़ता है और हर रोज यहां से दर्जनों लोग वह वाहन गुजरते हैं।

पुल के पिलर क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण यहां पर कभी भी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द इस पुल की मुरम्मत की जाए ताकि कोई भी बड़ी अनहोनी घटना घटित ना हो सके। जानकारी के मुताबिक यह पुल हिमाचल प्रदेश लोग निर्माण विभाग के अधीन आता है और यह पुल एक दर्जन से अधिक गांव को आपस में जोड़ता है।

स्कूली बच्चे भी एक जगह से दूसरी जगह पढ़ने, लेकिन पुल की हालत इतनी भयानक हो गई है की कभी भी यह पुल गिरकर टूट सकता है। इसी पुल के चलते मणिमहेश यात्रा के दौरान सैकड़ो लोग बाया कलाह होकर मणिमहेश यात्रा पर भी निकलते हैं, लेकिन पिछले दिनों हुई भारी बारिश व रावी नदी का जलस्तर बढ़ जाने के कारण यह पुल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस पुल की मुरम्मत करने की मांग की है।

भटियात के आईपीएस अधिकारी लोकेश्वर जरयाल का अंतरराष्ट्रीय मंच पर चयन

बबलू पठानिया, अनंत ज्ञान

भटियात। भटियात उपमंडल के सिहुंता क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले आईपीएस अधिकारी लोकेश्वर सिंह जरयाल ने एक बार फिर क्षेत्र और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। वर्तमान में उत्तराखंड कैडर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), पौड़ी गढ़वाल के रूप में सेवाएं दे रहे लोकेश्वर सिंह का चयन संयुक्त राष्ट्र से जुड़े एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठन में किया गया है। यह चयन भारत और उत्तराखंड के लिए गौरव का क्षण माना जा रहा है।

विश्व मंच पर भारत का करेंगे नेतृत्व

जानकारी के अनुसार, उनका यह चयन प्रशासनिक दक्षता, नैतिक नेतृत्व और समाजसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए किया गया है। अब वे शांति स्थापना, संस्थागत अखंडता और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपना योगदान देंगे। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के सिहुंता निवासी लोकेश्वर सिंह ने अपनी मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से न केवल उत्तराखंड पुलिस में विशेष पहचान बनाई है, बल्कि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का मान बढ़ाया है। स्थानीय लोगों और परिजनों ने उनके इस चयन पर गर्व जताया और कहा कि वे युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

भारत सरकार और उत्तराखंड पुलिस विभाग ने भी उनके चयन पर शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि वे विश्व पटल पर भारत की शांति और विकास की प्रतिबद्धता को मजबूती देंगे।

आरएसएस शताब्दी वर्ष पर चंबा में भव्य शस्त्र पूजन

अनंत ज्ञान, धरवाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को चंबा के खंड मैहला में शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। यह आयोजन संघ की सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की परंपराओं को उजागर करने वाला प्रमुख अवसर रहा। कार्यक्रम में लगभग 120 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यातिथि नरेश महाजन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ की उपलब्धियों व राष्ट्रसेवा के महत्व को रेखांकित किया। वहीं डॉ. हेमंत ने संघ के शताब्दी वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि कैसे पिछले 100 वर्षों में संघ ने समाज और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शस्त्र पूजन और पथ संचलन के माध्यम से स्वयंसेवकों ने संघ की मूल भावना को आत्मसात किया। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा भावना का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने संघ के योगदान को सराहते हुए समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

किलाड़ में भाजपा की बैठक में चुनावी तैयारियों को मिला जोर

अनंत ज्ञान, किलाड़, पांगी

भाजपा पांगी मंडल की संगठनात्मक बैठक का आयोजन किलाड़ में किया गया, जिसमें पांगी-भरमौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. जनक राज ने विशेष रूप से शिरकत की। बैठक में भाजपा संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने भी उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी चुनावों की रणनीति तैयार करने और जनसंपर्क अभियानों को तेज़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक डॉ. जनक राज ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं, और हर कार्यकर्ता को जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि भाजपा एक विचार और सिद्धांतों पर आधारित पार्टी है, जो सेवा, संगठन और समर्पण के मूल मंत्र पर कार्य करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे जनता से सीधा संवाद बनाए रखें और संगठन को नई ऊर्जा दें। बैठक में मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी, मोर्चा प्रमुख और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डॉ. बीआर अंबेडकर रिटायर्ड इंप्लाई संघ 17 को सरकार के खिलाफ निकालेगा रोष रैली

अनंत ज्ञान, चंबा

डॉ. बीआर अंबेडकर रिटायर्ड इंप्लॉई संघ चंबा की मासिक बैठक अंबेडकर भवन में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता भीम राज वर्धन ने की। बैठक में संघ के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सदस्य आगामी 17 अक्तूबर को प्रस्तावित हिमाचल सरकार के खिलाफ रोष रैली में पूर्ण सक्रियता से हिस्सा लेंगे तथा पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा को समर्थन देंगे। संघ ने सरकार से पेंशन संशोधन के वित्तीय लाभों का एकमुश्त भुगतान करने, महंगाई भत्ते की 3 प्रतिशत किस्त की अधिसूचना शीघ्र जारी करने और लंबित मेडिकल बिलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने की मांग की। कई पेंशनर्स के लाखों रुपए के बिल वर्षों से भुगतान के इंतजार में हैं। बैठक में भीम राज वेर्धन, मनोहर लाल हितेषी, जितेंद्र चंद्रा, सूदन चंद्रा, गुरमीत चंद्रा, तरसेम चौहान, भीम राज चौहान, अमर लाल, कुलदीप अहीर, राकेश हितेषी, हरीशरण भट्ट, जीतेश्वर सूर्य, धर्मपाल चंद्रा तथा महासचिव एससी चंद्रा मौजूद थे। यह बैठक पेंशनर्स के अधिकारों और बेहतर सुविधाओं के लिए एक मजबूत और सशक्त आवाज साबित हुई।

जोगिंद्रनगर में 12 विभूतियां को मिला 'नेशनल बिल्डर अवार्ड'

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर में रोटरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित नेशनल बिल्डर अवार्ड कार्यक्रम में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 12 विभूतियों को सम्मानित किया गया। रविवार को ढेलू स्थित एक होटल में आयोजित इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. चंद्रभूषण शर्मा और सचिव अधिवक्ता रणजीत कटोच ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय सेवाएं देने वाले पांच शिक्षकों और समाज के प्रेरणास्रोत रहे सात वरिष्ठ नागरिकों को 'रोटरी अवार्ड' से नवाजा गया।

वरिष्ठ रोटेरियन अजय ठाकुर, विनोद राठौर व रोटरी के स्वास्थ्य सचिव रामलाल वालिया ने बताया कि सामाजिक सरोकारों में आगे रहने वाले वरिष्ठ नागरिक बीरबल राणा, सेवानिवृत्त कैप्टन मेघ सिंह कटोच, मस्त राम धीमान, रत्न चंद बरठा, सेवानिवृत्त शिक्षिका वीना कोशल और सुकन्या सूद को 'रोटरी अवार्ड' से सम्मानित किया गया।शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षिका अनामिका कानूनगो सूद, निशा देवी, सुरेंद्र सिंह, मंगत राम और रमेश कुमार को शाल, टोपी, मोमेंटो और अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के प्रशस्ति पत्र से अलंकृत किया गया। रोटरी क्लब जोगिंद्रनगर के अध्यक्ष डॉ. चंद्रभूषण शर्मा ने बताया कि 2015 में अस्तित्व में आए रोटरी क्लब ने अब तक सौ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों व शिक्षकों को सम्मानित किया है। सचिव अधिवक्ता रणजीत चौहान ने बताया कि इस वर्ष शिक्षा के विशेष शिक्षकों के अलावा धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय महिला वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया है। रोटेरियन मेजर ज्ञान चंद बरवाल, डा. भाग चंद और पीसी मंहत, राज ठाकुर, मुकेश एन आर बरवाल ने बताया कि रोटरी का यह अवार्ड सर्वोच्च अवार्डों में शामिल है, जो प्रत्येक वर्ष गणमान्य लोगों को ही दिया जाता है।

श्रद्धा | पांडवों के युग से जुड़ी है मंदिर की स्थापना, भक्तों की आस्था का बना हुआ है केंद्र

मां शिव शक्ति मंदिर में प्राचीन शक्ति व श्रद्धा का वास

देशराज कश्यप, अनंत ज्ञान

धरवाला। बहुत ही रमणीय व प्राचीन शिव शक्ति मंदिर जो एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है जहां पर बहुत दूर-दूर से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए आते हैं और मां उनकी हर मनोकामना पूर्ण करती है।

इस मंदिर की स्थापना का उल्लेख आज तक इतिहासकार भी नहीं जुटा पाए हैं मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना द्वापर युग में पांडवों द्वारा करवाई गई है। मंदिर के गर्भ गृह के अंदर शिवलिंग के ऊपर मां शिव शक्ति की आदिकाल की प्राचीन पत्थर की मूर्ति विराजमान है साथ में भगवान गणेश वह ब्रह्मा विष्णु महेश व मंदिर के ठीक सामने भगवान नंदी की मूर्ति विराजमान है।

तथा मंदिर के मुख्य द्वार पर भगवान सूर्य देव व चंद्रमा की मूर्ति विराजमान है मान्यता है कि मंदिर के अंदर महाकाल की मूर्ति भी विराजमान थी, जो पांचवी शताब्दी में चोरी हो चुकी है मंदिर के मुख्य पुजारी विजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सदियों पहले यहां 108 शिवलिंग स्थापित थे।

जो सैकड़ों साल पहले हुए जल प्रलय में लीन हो चुके हैं महज 10-12 शिवलिंग ही शेष बचे हैं जानकारी के अनुसार ओंकार नंद नामक महात्मा थे, जो माता रानी के बहुत बड़े उपासक थे, जिन्होंने सिद्धि करके मां को वश में करना चाहा। जब एक रात वह महात्मा पूजा में लीन थे माता स्वयं उठ खड़ी हुई वह इस दौरान मंदिर के गर्भगृह में इतनी तेज रोशनी हुई कि महात्मा वहां से भाग खड़े हुए वह फिर दोबारा कभी यहां नहीं आए। बता दें कि बाबा खुद शेर की सवारी करते थे वह पलक झपकते ही कहीं भी पहुंच जाते थे। उन्होंने कई देवी देवताओं की सिद्धि की हुई थी और बहुत से मंदिरों में उन्होंने बलि प्रथा को भी बंद करवाया था।

मां शिव शक्ति मंदिर का मूल स्थान राडी के भारुथा में स्थित है जहां से हर साल वैशाख महीने की 9 तारीख को यहां जातर पहुंचती है इस दौरान एक भव्य जातर का आयोजन मां के भक्तों द्वारा किया जाता है वह शाम 4 बजे मां शिव शक्ति अपने मूल स्थान भारुथा लौट जाती है।

मान्यता है कि जिला चंबा के राजा भी यहां पूजा के लिए आते थे जिन्हें पालकी में यहां लाया जाता था जो नंगे पांव मां के दरबार में पहुंचते थे मां शिव शक्ति का मंदिर जो हिमाचल प्रदेश जिला मुख्यालय चंबा से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

सपने वो नहीं होते जो सोते समय आते हैं, बल्कि सपने वो होते हैं जिन्हें पूरा करने से पहले हम सोते नहीं हैं। -एपीजे अब्दुल कलाम

संपादकीय

तंबाकू के खिलाफ अलख

नशा चाहे कोई भी हो, उसकी परिणति हमेशा विनाश ही होती है। तंबाकू भी उसी श्रेणी का एक घातक नशा है, जो धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला कर देता है। यह न केवल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का प्रमुख कारण बनता है, बल्कि हृदय रोग, फेफड़ों की समस्याएं और मुंह के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को भी जन्म देता है। हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है ताकि दुनिया भर में तंबाकू सेवन के बढ़ते खतरे और इसके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़े बताते हैं कि तंबाकू हर साल करीब 80 लाख लोगों की जान ले लेता है, जिनमें से लगभग 12 लाख लोग वे होते हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते, बल्कि दूसरों के धुएं का शिकार बनते हैं। स्वास्थ्य के बेहद घातक इस जहर से बचने के लिए भारत सहित कई देशों ने कानून बनाए हैं। हिमाचल की सुक्खू सरकार ने भी अब तंबाकू नियंत्रण कानून के सख्त पालन की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रदेश में हुक्का बार और ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा अब तंबाकू उत्पाद . बेचने के लिए लाइसेंस अनिवार्य होगा। यानी बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि हर स्कूल, कॉलेज और गांव को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए, ताकि युवाओं को इस लत से दूर रखा जा सके। जिलों में डीसी और एसपी को इस अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

हिमाचल पहले ही खुले में बिकने वाली सिगरेट और जर्दे पर प्रतिबंध लगा चुका है, लेकिन सच्चाई यह है कि आज भी यह उत्पाद चोरी-छिपे बिक रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि कानून केवल बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका पालन सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। जब तक तंबाकू नियंत्रण कानून को जमीन पर सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा, तब तक ये सारी योजनाएं केवल कागजों पर सिमटी रहेंगी। हिमाचल में प्लास्टिक पर भी वर्षों से प्रतिबंध है, लेकिन आज भी बाजारों में प्लास्टिक के बैग खुलेआम बिक रहे हैं। यही स्थिति तंबाकू की है -कानून है, पर पालन कमजोर है। इसलिए जरूरत है निरंतर स्क्वायड अभियानों की, ताकि दुकानदारों और विक्रेताओं पर शिकंजा कसा जा सके। यह भी जरूरी है कि स्थानीय निकाय, एनजीओ और युवाओं को इस मुहिम से जोड़ा जाए। जब तक जनता का सहयोग नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती। सरकार अपने स्तर पर नियम बना सकती है, छापेमारी करा सकती है, लेकिन अगर समाज के लोग स्वयं यह ठान लें कि वे तंबाकू या अन्य नशे का सेवन नहीं करेंगे और न ही दूसरों को करने देंगे, तब ही वास्तविक बदलाव आएगा।

हिमाचल जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में पहले ही एक अग्रणी राज्य रहा है। यहां साक्षरता दर और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता कई अन्य राज्यों से बेहतर है। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि तंबाकू नियंत्रण के क्षेत्र में भी प्रदेश एक आदर्श प्रस्तुत करेगा। यह कदम न केवल स्वास्थ्य सुधार की दिशा में, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को बचाने की दिशा में भी बेहद महत्वपूर्ण है। लोगों को यह समझना होगा कि कुछ मिनटों के आनंद के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगाना समझदारी नहीं है। तंबाकू का नशा धीरे-धीरे शरीर को जकड़ता है और जब तक व्यक्ति को इसका एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कई लोग इसे छोड़ना चाहते हैं , लेकिन लत उन्हें बांधे रखती है। ऐसे में काउंसलिंग और मानसिक सहयोग बेहद जरूरी है। सरकार को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से काउंसलिंग सेंटरों की संख्या बढ़ानी चाहिए और स्कूलों में तंबाकू-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से चलाने चाहिए।

नशा केवल तंबाकू तक सीमित नहीं है। हिमाचल में आजकल भांग और चिट्टा (हेरोइन) का प्रचलन भी तेजी से बढ़ा है। ये नशे न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को तबाह कर रहे हैं , बल्कि अपराध और सामाजिक अस्थिरता को भी जन्म दे रहे हैं। सुक्खू सरकार ने इस दिशा में हिमाचल प्रदेश संगठित अपराध निवारण और नियंत्रण विधेयक पारित किया है और एंटी चिट्टा सप्लायर योजना भी लागू की है, ताकि मादक पदार्थों के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की जा सके। ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन इन्हें निरंतर और प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है। बहरहाल, नशा किसी भी रूप में हो -तंबाकू, शराब, भांग या चिट्टा यह व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों को निगल जाता है। यह शरीर की नहीं, आत्मा की भी हत्या करता है। इसलिए हर नागरिक का यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह खुद भी नशे से दूर रहे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करे, क्योंकि जिंदगी एक बार मिलती है। ■

चिट्टा : देवभूमि हिमाचल की रगों में रिसता जहर

देवभूमि हिमाचल की शांत वादियों में आज एक ऐसा जहर घुल चुका है जो न केवल युवाओं की नसों में, बल्कि समाज के ताने-बाने तक में रिस गया है। यह जहर है-चिट्टा यानी हेरोइन। यूं तो हिमाचल अपने प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कार और सादगी के लिए जाना जाता रही है, लेकिन अब यह नशे के मामले में भी विख्यात होने लगे है। पिछले दो दशकों से हिमाचल की वादियां चिट्टे की गिरफ्त में आकर कराह रही हैं। पहाड़ों की पवित्र मिट्टी में अब ऐसी विकृति समा गई है जिसने अच्छे भले परिवारों को उजाड़कर रख दिया है। हिमाचल के पहाड़ी गबरू जवान बेटे अब जहां-तहां नशे में बेसुध पड़े दिखाई देने लगे हैं। यह वाकई बेहद चिंता का विषय है जिसने समाज के नैतिक मूल्यों को तार-तार कर डाला है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि हर जिले से कोई न कोई परिवार चिट्टे की त्रासदी का शिकार दिख जाता है।

शिमला के रामपुर में हाल ही में हुई एक दर्दनाक घटना इसका साक्षात उदाहरण है। विवाह के आठ वर्षों के भीतर एक युवक चिट्टे का ऐसा गुलाम बन गया कि उसने अपनी पत्नी के गहने तक बेच डाले। वह इंसान जिसने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का वचन दिया था, वही अपनी ही पत्नी को मारने-पीटने लगा, उसे घर से निकाल दिया और नशे की आग में अपने रिश्तों की राख उड़ा दी। न्यायालय ने आखिरकार पीड़िता को तलाक की अनुमति देकर उसके जीवन को नया रास्ता दिया, पर सवाल यह है कि ऐसे कितने घर बच पाते हैं? कितनी बेकसूर महिलाएं लोकलाज में सब कुछ सह जाती हैं और कितने बच्चे अपने पिता की लत के कारण मानसिक रूप से टूट जाते हैं?

निश्चित रूप से हिमाचल में चिट्टे का फैलाव अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक संकट बन चुका है। पुलिस रिकॉर्ड बताता है कि वर्ष 2015 से 2024 तक प्रदेश में नशे से जुड़ी करीब 18,000 से अधिक एफआईआर दर्ज हुईं, जिनमें से 5000 से ज्यादा मामले चिट्टा तस्करी से संबंधित थे। केवल वर्ष 2023 में ही 250 किलोग्राम से अधिक हेरोइन और चिट्टा जब्त किया गया। हिमाचल के छोटे-छोटे कस्बों में अब नशे का कारोबार खुलेआम चल रहा है। प्रदेश के कोने-कोने में चिट्टे का जाल फैल चुका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हिमाचल में प्रतिवर्ष 300 से अधिक मौतें सीधे तौर पर नशे के ओवरडोज या उससे संबंधित अपराधों से जुड़ी होती हैं, जिनमें अधिकांश युवा 18 से 35 वर्ष की आयु के हैं।

हैरात की बात यह है कि चिट्टे की एंट्री हिमाचल में बहुत योजनाबद्ध तरीके से हुई। पड़ोसी राज्य पंजाब में जब हेरोइन का जाल पुलिस कार्रवाई के कारण सिमटने लगा, तब तस्करों ने हिमाचल की पहाड़ियों की ओर रुख किया। यह तस्करों का सॉफ्ट टारगेट था, क्योंकि यहां के भोले-भाले हिमाचली आसानी से उनके चंगुल में फंसते गए। पहाड़ की दुर्गम भौगोलिक स्थितियां और सीमित निगरानी तंत्र ने तस्करों के लिए आसान रास्ता प्रदान किया। ऊना और कांगड़ा की सीमाओं से यह नशा घुसा और धीरे-धीरे सोलन, मंडी और शिमला तक फैल गया। अब हालत यह है कि गांव-गांव में चिट्टे के सप्लायर यानी छोटे एजेंट सक्रिय हैं, जो युवाओं को मुफ्त में चिट्टा उपलब्ध कराते हैं, ताकि वे लत में फंस जाएं और फिर उनका स्थायी ग्राहक बन जाएं। यह पूरा नेटर्क बेहद संगठित है, जिसके तार न केवल पाकिस्तान, नेपाल, बल्कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली तक जुड़े हैं।

नशे का यह कारोबार केवल बाहरी नहीं, आंतरिक रूप से भी भ्रष्टाचार से पोषित हो रहा है। कई मामलों में पुलिस कर्मियों की मिलीभगत सामने आई है। बीते कुछ वर्षों में हिमाचल पुलिस के दर्जनों जवान और अधिकारी खुद नशे के कारोबार में संलिप्त पाए गए। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो समाज किससे उम्मीद करे? यही सबसे बड़ा खतरा है, जिसे प्रणालीगत सड़ांध कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासनिक ढांचे के कुछ हिस्सों में जब यह जहर पहुंच जाता है तो अपराधियों को और बल मिलता है। यही कारण है कि राज्य में सुक्खू सरकार की ओर से अपनाई गई 'जीरो टॉलरेंस नीति' नशे खासकर चिट्टे के खिलाफ बेहद अहम और कारगर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट कहा है कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल पुलिस नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की लड़ाई है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने भी हाल ही में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नशामुक्ति जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। विपक्षी भाजपा ने भी अपने स्तर पर चिट्टे के खिलाफ अभियान छेड़ा हुआ है, सबका मकसद एक ही है हिमाचल को चिट्टा मुक्त बनाना।

यथार्थ

समरजीत

चिट्टे का असर केवल शारीरिक या आर्थिक नहीं है-यह एक गहरा मनोवैज्ञानिक और पारिवारिक संकट भी है। जब कोई युवा नशे की गिरफ्त में जाता है, तो वह न केवल अपना भविष्य नष्ट करता है, बल्कि अपने परिवार की आत्मा को भी घायल कर देता है। माता-पिता अपने ही बच्चों से डरने लगते हैं, बहनें भाइयों की आंखों में अजनबीपन देखती हैं और पत्नियां अपने पति के हाथों से अपमान सहती हैं। नशा इंसान को केवल नष्ट नहीं करता, वह उसे पशुता की गहराइयों तक ले जाता है। यही वजह है कि रामपुर की वह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि हिमाचल में चिट्टे की समस्या केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी से ही खत्म हो सकती है। नशामुक्ति केंद्रों की संख्या प्रदेश में 80 के करीब है, परंतु इनकी हालत चिंताजनक है। कई केंद्रों में प्रशिक्षित चिकित्सक नहीं हैं, कई जगह पुनर्वास के बजाय 'कैद' जैसी स्थिति बन जाती है। यदि सरकार और समाज मिलकर पुनर्वास को पुनर्जन्म का माध्यम बना दें, तो नशे की गर्त में जा चुके प्रदेश के हजारों युवाओं को नई जिंदगी दी जा सकती है। उन्हें नारकीय जीवन से बाहर निकाला जा सकता है। इसके साथ ही, शिक्षा संस्थानों में 'लाइफ स्किल एजुकेशन' को अनिवार्य करना, समुदाय आधारित निगरानी समूह बनाना और परिवारों को परामर्श देना—ये तीन उपाय बेहद कारगर हो सकते हैं।

सामाजिक वैज्ञानिकों का कहना है कि नशे के खिलाफ केवल सजा नहीं, बल्कि 'संवेदना आधारित रणनीति' जरूरी है। हर वह युवक जो चिट्टे के चंगुल में फंसा है, वह अपराधी नहीं, बल्कि वह एक पीड़ित है, जिसे समय रहते सही दिशा नहीं मिली। यदि हम समाज के तौर पर उसे हाथ थामकर बाहर निकालें, तो वही युवक किसी दिन किसी और की जान बचाने वाला बन सकता है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि हिमाचल में अब नशे को लेकर 'कलंक संस्कृति' विकसित हो गई है, जिसके कारण लोग अपने ही घर में मौजूद नशे के शिकार व्यक्ति को छिपाते हैं, उसका इलाज नहीं कराते। चिट्टे की गंभीर समस्या से निपटने के लिए इस नशे से बाहर निकल चुके लोगों को भी समाज के सामने प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करना श्रेयस्कर रहेगा। ऐसे लोग, जिन्होंने कभी नशे की गर्त में जीवन खो दिया था, लेकिन अब अपने आत्मबल, चिकित्सा और सामाजिक सहयोग से नशे से मुक्ति पाकर एक सामान्य, सुखद और सकारात्मक जीवन जी रहे हैं, वे नशे के आदी लोगों के लिए जीते-जागते उदाहरण बन सकते हैं। जब कोई व्यक्ति नशे की लत में होता है, तो वह अक्सर यह मान लेता है कि अब वापसी का कोई रास्ता नहीं है। वह निराशा, ग्लानि और सामाजिक तिरस्कार के कारण खुद को अकेला महसूस करता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति सामने आए जो उसी राह से होकर गुजरा हो, लेकिन अब स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जी रहा हो तो यह नशे की गिरफ्त में फंसे व्यक्ति के मन में उम्मीद की लौ जला सकता है। उसे लगेगा कि अगर वह बदल सकता है, तो मैं क्यों नहीं?

नशा छोड़ चुके व्यक्तियों की कहानी एक आम भाषण या चेतावनी से कहीं अधिक प्रभावशाली होती है। उनकी आंखों में भोगे गए दर्द की सच्चाई होती है, उनकी बातों में अनुभव की गर्मी होती है और उनकी उपलब्धि खुद एक प्रेरणा बन जाती है। ऐसे व्यक्तियों के अनुभव न केवल पीड़ित को राह दिखा सकते हैं, बल्कि समाज को भी यह समझा सकते हैं कि नशे के शिकार लोगों को दुत्कारने के बजाय समझने और सहारा देने की जरूरत है। सरकार और समाज को चाहिए कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें 'नशा मुक्त प्रेरक' के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और मोहल्लों में इनके अनुभव साझा किए जाएं। साथ ही, नशा पीड़ितों को व्यक्तिगत रूप से इनसे मिलवाने की पहल की जाए। इस प्रत्यक्ष संपर्क से कई युवाओं की सोच बदल सकती है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून या इलाज से नहीं जीती जा सकती, इसके लिए दिलों को छूने वाली कहानियों और जीवन के उदाहरणों की जरूरत है। जो खुद अंधेरे से उजाले में आए हैं, वे सबसे अच्छे दीपक बन सकते हैं दूसरों के जीवन में रोशनी फैलाने के लिए। ऐसे लोगों को मंच देने से न केवल वे खुद सशक्त बनेंगे, बल्कि अनगिनत जिंदगियों को नई राह भी मिल सकती है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि नशे के नेटवर्क को जड़ से तोड़ा जाए। पुलिस और खुफिया विभाग को पारदर्शी व जवाबदेह बनाया जाए। अदालतों को भी ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। इसके साथ ही, मीडिया और पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर पंचायत में 'नशा मुक्ति समिति' गठित होनी चाहिए जो युवा वर्ग के व्यवहार पर निगरानी रखे। स्कूल स्तर से ही बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि नशा शान नहीं, शर्म है। जब बच्चे यह बात बचपन में सीखेंगे, तो बड़े होकर उनका दिमाग किसी चिट्टे के सौदागर के बहकावे में नहीं आएगा। हिमाचल का हर जिला इस समय एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहां से एक रास्ता नशे की अंधेरी खाई की ओर जाता है और दूसरा रास्ता उम्मीद, साहस और पुनर्जागरण की ओर। सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन यह जंग केवल प्रशासन की नहीं, हर नागरिक की है। हमें तय करना होगा कि हम किस ओर हैं, जहर बेचने वालों की तरफ या जीवन बचाने वालों की तरफ। हर परिवार, हर स्कूल, हर समाजसेवी संगठन को इस मिशन का हिस्सा बनना होगा। अगर यह सामूहिक संकल्प जाग उठा, तो कोई ताकत नहीं जो इस देवभूमि को फिर से शुद्ध और निर्मल न बना सके।

आज समय है यह स्वीकार करने का कि चिट्टा केवल एक ड्रग नहीं, बल्कि हमारी आत्मा की परीक्षा है। जो समाज इस परीक्षा में सफल होगा, वही भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित रख सकेगा। दुनिया में कोई जहर ऐसा नहीं जिसे मनुष्य की इच्छाशक्ति हर न सके। बस जरूरत है हिम्मत की, जागरूकता की और उस करुणा की जो हमें इंसान बनाती है। हिमाचल की घाटियों में अब एक ही पुकार गूंजनी चाहिए-'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो।' तभी यह पर्वतीय प्रदेश फिर से अपने उस गौरवशाली रूप में लौट सकेगा, जहां देवता वास करते हैं और इंसानियत सांस लेती है।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारतीय सिनेमा के भीष्म पितामह

अशोक कुमार, जिनका असली नाम कुमुदलाल गांगुली था, का जन्म 13 अक्तूबर 1911 को भागलपुर, बिहार में हुआ था। वे भारतीय सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाते हैं और एंटी-हीरो की भूमिका निभाने वाले पहले अभिनेता भी थे। उन्होंने 1936 में फिल्मइ 'जीवन नैया' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें प्रसिद्धि 'अछूत कन्या' (1936) से मिली। अशोक कुमार ने अपने लंबे करियर में न सिर्फ नायक, बल्कि चरित्र अभिनेता, खलनायक और हास्य भूमिकाओं में भी बेहतरीन अभिनय किया। 1988 में उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उन्हें 1962 में पद्मश्री और 1999 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। वे सिनेमा की गांगुली परिवार के सदस्य थे और 10 दिसंबर 2001 को 90 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। ■

अशोक कुमार
जन्म :13 अक्तूबर, 1911
निधन : 10 दिसंबर, 2001

कविता

टूटते पहाड़ों का दर्द

उदयवीर भारद्वाज, मंदिर रोड कांगड़ा

कौन समझेगा टूटते पहाड़ों, जमींदोज होते घरों का दर्द
जंगल, जमीन, नदियां सह रहे चुपचाप दिया तेरा दर्द
इंसान तेरे घर जानवर घुस आए, लाठी-डंडा निकालता
जमीन पर तेरी कब्जा करे कोई, अदालत में जाता मचाता कलह
नशे में चूर अपनी अकल पर घमंड तुझे
सोचा ही नहीं पेड़ों का भी घर था
नदियों-नालों के अपने-अपने रास्ते, चुपचाप रहे तुझे पालते
काट डाले जंगल, खूब की तस्करी लकड़ी की
काट डाले पहाड़, कहता बहुत तरक्की की
सुरंगें बनाई, खूब बारूदी आफत मचाई
क्या प्रकृति को दर्द न हुआ होगा
कितना तुझे समझती, सहलाती, हद पार की तूने
तन कर खड़ा हुआ रास्ते में, क्या करती हो मजबूर
रौद्र रूप दिखाना पड़ा, ला अपने विज्ञान को
रोक के दिखा बांधों का टूटना, बादलों का फटना
प्रकृति की भीषण जलधारा को, जख्मी अंग पहाड़ों के
बन आपदा गिरेंगे ही सब धरा का धरा रह जाएगा
इतना लाचार बेबस होगा, खड़ा अपनी बर्बादी का तमाशा
देखने के सिवा कुछ ना कर पाएगा
अच्छा होता समझ लेता प्रकृति का दर्द
मंदिर धर्म स्थलों को धर्मस्थल ही रहने देता
पैसे की चमक ने बनाया अंधा, इनको भी पर्यटक स्थल बना डाला
देख मणिमहेश के सुंदर पहाड़ों को, खाली शराब की बोतलों
प्लास्टिक का कचरा फैलाया तूने, सिद्ध पीठों को गंदा किया
नवविवाहित जोड़े जाते, सेल्फी लेते मौज उड़ाते
जाने क्या-क्या कर जाते, बख्श दो देव स्थलों को
मत टकरा प्रकृति परमात्मा से, समूल नाश हो जाएगा
मिट जाएगा नामोनिशां इस जहां से, फितूर है तेरे दिमाग में
पुरानी परंपराओं को बदलने का
सजा ऐसी मिलेगी, न रहेगा कहीं का
देखकर भी अनदेखा मत कर प्रकृति परमात्मा की कदर कर
समझ जा वक्त रहते, टूटते पहाड़ों, टूटते घरों का दर्द।

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

राहत और पुनर्वास से पहले रोकथाम और तैयारी पर निवेश जरूरी

इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस आपदाओं के लिए नहीं, बल्कि लचीलेपन के लिए धन विषय पर केंद्रित है, जो एक निर्णायक संदेश देता है कि हमें आपदा आने के बाद भुगतान करने की बजाय पहले से तैयारी और लचीलेपन में निवेश करना चाहिए। बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं, जिनमें अधिकांश जलवायु परिवर्तन से प्रेरित हैं, आज बच्चों, युवाओं और समुदायों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। यूनिसेफ के अनुसार, दुनिया के लगभग एक अरब बच्चे जलवायु से जुड़ी आपदाओं के कारण अत्यधिक जोखिम में हैं। सेंडाई फ्रेमवर्क (2015-2030) में यह स्पष्ट कहा गया है कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण की किसी भी रणनीति में बच्चों और युवाओं की भागीदारी और उनकी सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाकर ही उन्हें अपने समुदायों में बदलाव के वाहक बनाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा है कि दुनियाभर में विकास सहायता का केवल 2 प्रतिशत और सरकारी बजट का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर खर्च किया जाता है। यह एक गंभीर असंतुलन है। इस वर्ष के आईडीडीआरआर-2025 के दो मुख्य लक्ष्य हैं - पहला, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सार्वजनिक और अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण को बढ़ाना और दूसरा यह सुनिश्चित करना कि सभी विकास और निजी निवेश जोखिम-संवेदनशील और लचीले हों। उत्तर भारत में इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भयंकर आपदाओं ने इन लक्ष्यों की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं ने भारी तबाही मचाई।

राजन कुमार शर्मा
आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ, ऊना

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस पर विशेष

हिमाचल प्रदेश में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 जून से 19 सितंबर के बीच 427 लोगों की मौत हुई, 47 लोग लापता हैं और राज्य को लगभग 5000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। लाहौल-स्पीति, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा और किन्नौर जिले सबसे अधिक प्रभावित रहे। यह स्थिति बताती है कि पहाड़ी राज्यों में लचीलेपन और आपदा पूर्व तैयारी पर निवेश कितना आवश्यक है। बच्चों और युवाओं की सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि स्कूल और शिक्षण संस्थान आपदा-प्रतिरोधी हों, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों से जुड़े हों और छात्रों को आयु-उपयुक्त शिक्षा के माध्यम से जोखिमों से निपटने के कौशल सिखाए जाएं। यूनेस्को और यूनिसेफ की अध्यक्षता में बनी व्यापक स्कूल सुरक्षा रूपरेखा 2022-2023 इस दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में लचीलापन बढ़ाना है। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण वर्ष 2011 से हर साल आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस वर्ष इसका 15वां संस्करण 1 से 31 अक्तूबर तक राज्य के सभी जिलों में मनाया जा रहा है। इस दौरान सुरक्षित भवन निर्माण कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, नुक्कड-नाटक, जागरूकता रैलियां, कला मंच, और श्रेष्ठ आपदा प्रबंधन योजनाओं को सम्मानित करने जैसी गतिविधियां की जा रही हैं। इसका उद्देश्य है कि आमजन में आपदा के प्रति जागरूकता बढ़े और समुदायों को आत्मनिर्भर एवं लचीला बनाया जा सके। युवा केवल पीड़ित नहीं, बल्कि परिवर्तन के अग्रदूत हैं। उन्हें आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु अनुकूलन प्रयासों में भागीदारी का अवसर दिया जाना चाहिए, ताकि वे भविष्य के लिए अधिक लचीले और सतत समाज का निर्माण कर सकें। यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि राहत और पुनर्वास से पहले रोकथाम और तैयारी पर निवेश करना ही स्थायी समाधान है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आरक्षण की लड़ाई में दलित समाज की आज भी क्यों हो रही है अनदेखी?

आजादी के सात दशक बीत जाने के बावजूद यदि ओबीसी और दलित समुदाय को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए सड़कों पर उतरना पड़े, तो यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना कही जाएगी। आरक्षण, जो सामाजिक न्याय का एक माध्यम था, अब राजनीतिक लाभ का साधन बन चुका है। सरकारों ने इसे वोट बैंक के रूप में प्रयोग किया और आज इसका सबसे बड़ा खामियाजा वही वर्ग भुगत रहा है, जिसके लिए यह व्यवस्था बनाई गई थी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने आरक्षण की व्यवस्था सिर्फ 10 वर्षों के लिए की थी, ताकि सदियों से शोषित दलित समाज को मुख्यधारा में लाया जा सके, लेकिन आज यह सुविधा कुछ वर्गों और परिवारों तक सीमित रह गई है। जो वास्तव में पात्र हैं, वे आज भी दर-दर भटक रहे हैं, जबकि साधन-संपन्न और शिक्षित लोग इसका लाभ उठाकर व्यवस्था पर हावी हो चुके हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि आरक्षण आज जाति के बजाय साधन और पैसे वालों को अधिक फायदा दे रहा है। गरीब दलित परिवारों के बच्चे आज भी नाम मात्र की छात्रवृत्ति और सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। सरकारी नौकरियों में बैकलॉग नहीं भरे जाते, फर्जी दस्तावेजों के जरिए अमीर लोग आरक्षण का लाभ उठाते हैं। परीक्षाओं में धांधली और प्रश्नपत्र लीक होने से गरीब वर्ग के छात्र हाशिए पर चले जाते हैं।

सुखदेव सिंह
स्वतंत्र लेखक, नूरपुर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज जरूरत है कि आरक्षण व्यवस्था की पुनर्समीक्षा की जाए। सुप्रीम कोर्ट पहले ही 'क्रीमी लेयर' की बात कर चुका है, जिसका अर्थ है कि जिन दलित परिवारों को एक बार आरक्षण का लाभ मिल चुका है, उन्हें आगे इसकी जरूरत नहीं होनी चाहिए। इससे वास्तव में जरूरतमंद गरीब लोगों को मौका मिल सकेगा।

आरक्षण का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है, जबकि देश में जातिवाद आज भी जिंदा है। जब तक जातिवाद की जड़ें खत्म नहीं होंगी, तब तक आरक्षण का वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता। विडंबना यह है कि हर चुनाव में जातीय समीकरणों के आधार पर टिकट बांटे जाते हैं, उम्मीदवार चुने जाते हैं और सरकारें बनती हैं।

आज दलित समुदाय से जुड़े कई लोग भी आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसका जवाब भी समाज में व्याप्त जातिवादी मानसिकता से जुड़ा है। यदि दलितों को आज भी मंदिरों में प्रवेश से रोका जाता है, उन्हें सामाजिक समानता नहीं दी जाती, तो आरक्षण को केवल आर्थिक मापदंड से तय करना न्यायसंगत नहीं होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में 'शिक्षा मेरा अधिकार' जैसी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनके तहत गरीब वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला मिलना चाहिए, लेकिन निजी स्कूल इन आदेशों को गंभीरता से नहीं लेते, जिससे वास्तविक लाभार्थी वंचित रह जाते हैं।

दलित समाज को अब अपने भीतर भी जागरूकता लानी होगी। उन्हें समझना होगा कि आरक्षण सिर्फ अधिकार नहीं, एक जिम्मेदारी भी है। समाज का शिक्षित तबका आगे आकर यह सुनिश्चित करे कि लाभ केवल उन्हीं को मिले जो वास्तव में इसके हकदार हैं। बहरहाल, आरक्षण को लेकर समाज में जो असंतुलन और भ्रम की स्थिति बनी है, उसे दूर करने के लिए ईमानदारी, पारदर्शिता और सामाजिक चेतना की आवश्यकता है। जब तक जातिवाद नहीं मिटेगा, तब तक आरक्षण को लेकर विवाद भी खत्म नहीं होंगे। आरक्षण को पुन: उसी उद्देश्य की ओर ले जाना होगा, जिस सोच के साथ इसे शुरू किया गया था-वास्तविक वंचितों को मुख्यधारा में लाना।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

धर्मपुर में दुग्ध उत्पादन 20 गुना बढ़ाने का लक्ष्य : चंद्रशेखर

धर्मपुर में सहकारिता सम्मेलन आयोजित, विधायक ने 'हिम गंगा' परियोजना के तहत दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में हिमाचल प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'हिम गंगा' परियोजना के अंतर्गत जिला सहकारी संघ मंडी और विकास खंड धर्मपुर की दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के सौजन्य से एक भव्य सहकारिता सम्मेलन का आयोजन लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह, बनेरहडी में किया गया।

इस कार्यक्रम में धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक माननीय चंद्रशेखर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि जिला मंडी के सहायक पंजीयक सहकारी सभाएं ओम चंद वर्मा, उप-निदेशक पशुपालन मंडी सहित अन्य अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर धर्मपुर विकास खंड की 14 नव गठित सहकारी समितियों (खाला क्षेत्र) ने भाग लिया।

विधायक चंद्रशेखर ने जाजर सोसायटी की सराहना करते हुए, बताया कि उनका दूध अब सीधे मंडी स्थित चक्कर मिल्क फेड को भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2015 से पहले धर्मपुर मुख्यालय मात्र पशु डिस्पेंसरी ही था जिसे पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा अपग्रेड कर सब वेटनरी ऑफिस का दर्जा प्रदान किया गया था। उन्होंने सहकारिता आंदोलन के इतिहास को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1904 में जिला ऊना से एक किसान ने बड़े जमींदारों के खिलाफ आवाज उठाकर सहकारिता की नींव रखी थी।

धर्मपुर में भव्य सहकारिता सम्मेलन में विधायक चंद्रशेखर को सम्मानित करते हुए।

विधायक ने जानकारी दी कि इस समय मंडी के चक्कर केंद्र में 70 हजार लीटर दूध पहुंच रहा है, जिसमें से मात्र 250 लीटर दूध धर्मपुर से जाता है। जिससे भविष्य में 20 गुणा बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने गाय के दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य 51 रुपए और भैंस के दूध का 61 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक बल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में चिलिंग प्लांट गीयून में लगाया गया था, जो आज तक बंद रहा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जो सोसायटी 150 लीटर प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करेगी, उसे संबंधित गांव में चिलिंग प्लांट स्थापित कर दिया जाएगा, और दूध परिवहन के लिए 3 प्रति लीटर प्रति किलोमीटर की दर से सहायता राशि दी जा रही है।

विधायक ने कहा कि धर्मपुर क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि योलग- पडगोह सड़क में नाबार्ड के अंतर्गत 5.32 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य चल रहा है। बनेरहडी स्कूल के भवन के लिए 17 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही आज 15 लाख रूपए की लागत से खेल मैदान का भी शिलान्यास किया गया। क्षेत्र के 65 स्कूलों को 14 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं ताकि बरसात में हुई क्षति की मरम्मत की जा सके।

अंत में सम्मेलन में भाग ले रही 14 सोसायटियों की महिलाओं को दुग्ध उत्पादन में सहायक 250 मवेशी किट भी वितरित किए गए। इस अवसर पर ओम चंद वर्मा सहायक पंजीयक सहकारी सभाएं, डॉ. मुकेश महाजन उप-निदेशक पशुपालन विभाग, डॉ. मृदु शर्मा, डॉ. अर्चना शर्मा, लाभ सिंह मिल्क फेड, योगेश कुमार सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बालम राम खंड विकास अधिकारी, एसएचओ विनोद सहित कई उपस्थित रहे।

हल्दी उत्पादन को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

विधायक ने बताया कि सरकार की किसान-हितैषी सोच के तहत अब प्राकृतिक रूप से उगाई गई हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रूपये प्रति किलो तय किया गया है। साथ ही, हमीरपुर में हल्दी पार्क की स्थापना की जा रही है, जहां किसान अपनी हल्दी बेच सकेंगे। धर्मपुर क्षेत्र में अब तक 100 किसानों को उन्नत किस्म का हल्दी बीज भी इस वर्ष वितरित किया गया है।

धर्मपुर के 7 हजार परिवारों को लाभ मिल रहा ओपीएस लाभ

विधायक ने कहा कि केंद्र सरकार की नकारात्मक सोच के बावजूद मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू जी की दूरदर्शी नेतृत्व में हिमाचल में पुरानी पेंशन योजना को बहाल किया गया है, जिससे धर्मपुर के लगभग 7 हजार परिवारों को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1100 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए कर दिया गया है।

सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मिला सम्मान: सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली दो प्रतिभाशाली बच्चियों को 5100-5100 रुपए की सम्मान राशि भी प्रदान की गई। इस सम्मान से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में सांस्कृतिक भागीदारी को बल मिलेगा।

रोपा ठाठर, हवानी, चलाह व बनलोहाड़ी गांव में आठ दिन से बंद पेयजल आपूर्ति

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। गांव रोपा ठाठर, हवानी, चलाह और बनलोहाड़ी में बीते 8 दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का मुख्य कारण पंप हाउस में बार-बार बिजली की सर्विस तार की चोरी होना है। पंप हाउस खड्ड के किनारे स्थित है और यहां रात्रि में न तो कोई चौकीदार है और न ही पंप ऑपरेटर की तैनाती, जिससे चोर आसानी से रात के समय तार काटकर ले जा रहे हैं। यह चौथी बार है जब सर्विस तार चोरी हुई है, जिससे लगातार जलापूर्ति बाधित हो रही है।

स्थानीय लोगों में रामलाल, जगदीश चंद, प्रदीप कुमार, नानक चंद, संजय कुमार, भूमि सिंह, चेत सिंह, बंटी, संतोष कुमार, लालू राम, बख्शी राम, रमेश कुमार वर्मा और हंस राज ने बताया कि जब भी तार चोरी होती है, 10 से 12 दिन तक पानी नहीं आता, और अधिकारियों से शिकायत करने पर सिर्फ इतना कहा जाता है कि तार नहीं आई है, तार आएगी तो सप्लाई चालू कर देंगे। ग्रामीणों ने सरकार और जलशक्ति विभाग से मांग की है कि पंप हाउस पर रात्रिकालीन चौकीदार या पंप ऑपरेटर की तुरंत नियुक्ति की जाए ताकि बार-बार हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। उनका कहना है कि केवल सीसीटीवी लगाने से इस समस्या का समाधान नहीं होगा।

चौकीदार की नियुक्ति व विभागीय लापरवाही पर जताई नाराजगी

बिजली की तार चोरी होने के कारण पंपिंग मशीनरी बंद : विवेक

इस विषय पर जन स्वास्थ्य एवं जलशक्ति विभाग सरकाघाट के अधिशासी अभियंता इंजीनियर विवेक हाजरी ने बताया कि बिजली की तार चोरी होने के कारण पंपिंग मशीनरी बंद हो गई है। इलेक्ट्रिसिटी विभाग को निर्देश दिया गया है कि सोमवार तक विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए, जिससे जलापूर्ति दोबारा शुरू की जा सके।

न्यूज ब्रीफ

7 माह से पेयजल संकट से जूझ रहा उहलधार गांव

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। छोटा भंगाल की मुल्थान पंचायत के उहलधार गांव में पिछले सात महीने से पेयजल संकट गहरा गया है। 28 फरवरी को आई भारी बारिश और बाढ़ से गांव की उठाऊ पेयजल योजना का पंप हाउस और जल भंडारण टैंक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वैकल्पिक जल आपूर्ति भी अपर्याप्त होने के कारण गांववासियों को पीने के पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व बीडीसी सदस्य हीरालाल, निगरू राम, हल्कू राम सहित अन्य ग्रामीणों ने जलशक्ति विभाग और विधायक किशोरी लाल से जल्द पुनर्निर्माण की मांग की है। जलशक्ति विभाग के सहायक अभियंता सरती शर्मा ने बताया कि समस्या की पूरी जानकारी है और डीपीआर तैयार कर जिला प्रशासन को भेजी जा चुकी है।

दुकान से अवैध सिगरेट बरामद, मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक दुकान से अवैध रूप से बेची जा रही खुली सिगरेट बरामद कर आरोपी प्रशांत कुमार के खिलाफ हिमाचल प्रदेश अवैकृत सिगरेट एवं तंबाकू उत्पाद बिक्री निषेध अधिनियम, 2016 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। उप निरीक्षक सुकेश कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान भड़ु गांव निवासी आरोपी की दुकान से एक डिब्बी में पांच खुली सिगरेट (गोल्ड फ्लेक सुपर स्टार) बरामद की गईं। बरामद सिगरेट को नियमानुसार सील कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आम लोगों से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी अवैध बिक्री की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

आठवें वेतन आयोग के गठन में देरी से रोष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन में हो रही देरी को लेकर हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों में गहरा रोष है। संयुक्त मोर्चा ऑफ एक्स सर्विसमैन ने रक्षा मंत्री को स्मरण पत्र भेजकर आयोग का गठन शीघ्र करने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन (सेवानिवृत्त) जगदीश वर्मा ने बताया कि जनवरी 2025 में आयोग को मंजूरी मिली थी, लेकिन एक वर्ष बीतने के बावजूद अभी तक अध्यक्ष या सदस्यों की घोषणा नहीं हुई है। इससे 1 जनवरी 2026 से प्रस्तावित लाभ मिलने में देरी हो सकती है, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को। उन्होंने एक रैंक एक पेंशन की विसंगतियों का मुद्दा भी उठाया। संगठन द्वारा पहले भी राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री को पत्र भेजे जा चुके हैं, जिनका अब तक कोई उत्तर नहीं मिला है।

पेंशनधारक धरना देने के लिए मजबूर

अनंत ज्ञान, नेरचौक। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बल्ह इकाई की बैठक भंगरोटू में प्रधान कुलदीप गुलेरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। संचालन खंड महासचिव नागेंद्र कपूर ने किया। बैठक में मंडी जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रधान व राज्य संयुक्त मोर्चा के संयोजक हरीश शर्मा ने कहा कि पेंशनरों के छठे वेतन आयोग से संबंधित आर्थिक लाभ अभी तक लंबित हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से कई बार मुलाकात के बावजूद केवल आश्वासन ही मिले हैं, ठोस कार्यवाही नहीं हुई। इसी कारण पेंशनर्स 14 अक्तूबर को जिला मुख्यालय में धरना देंगे। इस प्रदर्शन में पुलिस, बिजली बोर्ड व अन्य विभागों के पेंशनधारक शामिल होंगे।

श्रमदान से बहाल किया बड़ी झरवाड़-बरोट रास्ता

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। बरसात और भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई बड़ी झरवाड़-बरोट व निहार नाला की पैदल राहों को गांववासियों ने श्रमदान से फिर से चालू कर दिया। ग्राम सुधार कमेटी बड़ी झरवाड़ के प्रधान भागमल की अगुवाई में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से श्रमदान का निर्णय लिया गया। रविवार को महिला मंडल की अध्यक्ष ऊषा देवी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर दुर्गम मार्गों को पैदल चलने योग्य बना दिया। ग्रामीणों के इस कार्य से न केवल रास्ते बहाल हुए बल्कि चौहार घाटी में सामाजिक एकता, भाईचारे और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की मिसाल भी स्थापित हुई। ग्राम सुधार कमेटी और महिला मंडल ने इस कार्य की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयास गांवों को सशक्त बनाते हैं।

गुरुदेव बने मंडी जिला हैंडबाल संघ के अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। मंडी जिला हैंडबाल संघ के चुनाव करनोडी विश्रामगृह सुंदरनगर में संपन्न हुए, जिसमें गुरुदेव सिंह को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। चुनाव प्रक्रिया हिमाचल प्रदेश हैंडबाल संघ के पदाधिकारी विवेक पठानिया, जिला खेल विभाग के प्रशिक्षक सतेंद्र कुमार और अधिवक्ता करणवीर की देखरेख में पूरी हुई। सरकाघाट के विधायक दिलीप ठाकुर को संघ का मुख्य संरक्षक नियुक्त किया गया। वहीं उमेश गुप्ता को अध्यक्ष, राष्ट्रीय खिलाड़ी रोहित कुमार बोनी को तकनीकी समिति का अध्यक्ष और दीपक शर्मा को विवाद निवारण समिति का अध्यक्ष बनाया गया। अशोक कुमार गौतम महासचिव, अशोक भुट्टो कोषाध्यक्ष तथा कई अन्य उपाध्यक्ष, सचिव और कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए। यह नई टीम हैंडबाल को जिला में बढ़ावा देने के लिए कार्य करेगी।

शांति की तलाश बाहर नहीं, अपने भीतर करें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। मंडी के भीमा काली मंदिर परिसर में आयोजित गोविंद ध्यानम ज्ञान योग शिविर में डॉ. आर्चिका दीदी ने शांति और जीवन की कला पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि असली शांति और खुशी हमारे भीतर ही है, जिसे ध्यान के माध्यम से पाया जा सकता है। ध्यान से मानसिक शांति मिलती है और चेहरे पर चमक आती है। गुस्सा आने पर गहरी सांस लेकर शांत रहने की सलाह दी। उन्होंने तनाव, मोबाइल उपयोग और अनिद्रा से बचाव के लिए ध्यान साधना पर ज़ोर दिया। डॉ. आर्चिका ने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और भगवान का धन्यवाद करने की महत्ता भी बताई। शिविर में बड़ी संख्या में संगत शामिल हुई और कार्यक्रम का समापन आरती एवं भंडारे से हुआ।

नशे के खिलाफ कला जत्था बनाने का निर्णय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति की दो दिवसीय बैठक मंडी में संपन्न हुई, जिसमें सात जिलों से सदस्य शामिल हुए। बैठक में आगामी कार्यक्रमों के लिए संगठनात्मक कैलेंडर बनाया गया है। समिति प्रदेश के लगभग 50 खंडों की 500 पंचायतों, 5 शहरी इकाइयों और 100 शिक्षण संस्थानों तक विस्तार करेगी। नशे के खिलाफ जागरूकता के लिए नवंबर में कला जत्था तैयार किया जाएगा, जो पारंपरिक और डिजिटल माध्यमों से संदेश पहुंचाएगा। युवाओं और बच्चों को भी इस अभियान में जोड़ा जाएगा। समिति ने शिक्षा के केंद्रीयकरण पर चिंता जताई और स्थानीय संस्कृति को बचाने की आवश्यकता बताई। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। संगठन बिना सरकारी फंड के जन सहयोग से काम कर रहा है। अक्टूबर में भोपाल में राष्ट्रीय शिविर में कोर टीम भाग लेगी।

नगर कीर्तन निकालने के बाद सिंघ वीरों ने दिखाए करतब

भीम बसेड़ू राजपूत, अनंत ज्ञान

महादेव। गुरु नानक नंदन धन में तय धन बाबा श्रीचंद जी महाराज का 531वां प्रकाशोत्सव मुख्य स्थल गुरुद्वारा साहिब नौलखा में भारी साध संगत के बीच मनाया गया। 3 से लेकर 13 अक्तूबर को समापन अवसर पर क्रमश: लड़ीवार अखंड पाठ साहिब करने सहित नगर कीर्तन 11 बजे से और कीर्तन दरबार साढ़े नौ बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आकर्षण धनोटू मैदान में देखने को मिला जहां शोभायात्रा (नगर कीर्तन) पहुंची और सैकड़ों श्रद्धालु लोगों के बीच सिंघ वीरों ने कई करतब दिखाए। बाबा के सेवादार लक्ष्मण सिंह ने अपने मुखारबिंद से धन-धन श्री गुरुग्रंथ साहिब जी महाराज दी कृपा दा सदका जपते हुए अपनी जानकारी में बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी श्री चंद जी महाराज के प्रकाशोत्सव में यहां मिले महामंडलेश्वर स्वामी शान्तानंद उदासीन जालंधर वाले, स्वामी दयानंद जी महाराज गदौरी साहिब शमशी (कुल्लू), बाबा सुरजीत सिंघ ऊना वाले, बाबा गड़गाज सिंघ जी पौंटा साहिब वाले, बाबा लवप्रीत सिंघ जी गुरुद्वारा श्री नानक जोत कांगड़ा वाले, भाई अर्जुन सिंघ जी बठिंडा वाले, भाई परमजीत सिंघ खालसा जी नेरचौक वाले, भाई गुरमीत सिंह जी ऊना साहिब वाले, तथा बाबा शीतल दास के शुभाशीर्वाद से सेवक निहाल हुए जिनके मार्गदर्शन से गुरुओं की शिक्षा को अपने जीवन में ढालने का संकल्प दोहराया गया तदोपरांत नौलखा स्थित गुरुद्वारा साहिब के प्रांगण में गुरु का लंगर भी लगाया गया।

मिड-डे मील वर्करों का शोषण कर रही सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। सीटू से संबंधित मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की ज़िला कमेटी की बैठक आज मंडी में कॉमरेड तारा चंद भवन में जिला प्रधान बिमला देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सीटू के ज़िला प्रधान भपेंद्र सिंह, उपप्रधान गुरदास वर्मा, महासचिव राजेश शर्मा सहित 30 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में मिड-डे मील वर्करों को साल में केवल दस महीने वेतन देने और किसी भी प्रकार की छुट्टियां न देने की हिमाचल सरकार की नीति का विरोध किया गया। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले 15 वर्षों से वर्करों की मानदेय में कोई वृद्धि नहीं कर रही है और मात्र एक हजार रुपए दे रही है, जबकि हिमाचल सरकार से उन्हें चार हज़ार रुपये मिलते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा 25 बच्चों की न्यूनतम संख्या तय कर छंटनी को भी गलत ठहराया। यूनियन ने मांग की कि हर स्कूल में कम से कम दो वर्कर नियुक्त किए जाएं और छंटनी पर रोक लगाई जाए। यूनियन ने वेतन कटौती, पे-स्लिप न मिलने, स्कूलों के मर्जर पर वर्करों को कम वेतन मिलने और विभागीय कर्मचारी का दर्जा देने की मांग उठाई। बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि वर्करों को चपरासी, मल्टीटास्क वर्कर आदि के पदों पर समायोजित किया जाए। बैठक में राणो देवी, रीना देवी, निशा देवी, बक्सी राम, चंद्रावती, अंजना, सोमा, देवेंद्र, आशा, पदमा, उर्मिला, गोमती, विजय कुमारी, चिंता देवी, जमना, सलोचना, पवना, व्यासा, ललिता, अनुराधा, लालमन, दुनी चंद सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। यूनियन 26 नवंबर को उपमंडल स्तर पर धरना प्रदर्शन करेगी।

इनायत व आयुषी की टीम अव्वल

भारतीय संस्कृति प्रश्नोत्तरी में 13 स्कूलों ने लिया भाग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

देश की संस्कृति और विरासत के संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा स्कूली छात्रों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति निधि (इंटक) मंडी चैप्टर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय धरोहर और संस्कृति प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय विजय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंडी में किया गया, जिसमें स्थानीय 13 विद्यालयों के लगभग 110 छात्रों ने भाग लिया। कक्षा 7 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल की इनायत और आयुषी की टीम ने प्राप्त किया।

डीएवी नेरचौक के सक्षम और सौम्या, सरस्वती विद्या मंदिर की निहारिका और अनन्या तथा स्वामी विवेकानंद स्कूल की ही प्रेषिता, आराध्या, वंशिका और हरप्रीत की टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के अंतिम राउंड तक पहुँचने में सफलता प्राप्त की। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र मंडी नगर निगम की उपमहापौर श्रीमती माधुरी कपूर द्वारा प्रदान किए गए। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों से आह्वान किया कि वे देश की सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए एक आंदोलन के रूप में आगे आएं। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति निधि मंडी चैप्टर के संयोजक नरेश मल्होत्रा ने अपने वक्तव्य में हाल ही में प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए प्राकृतिक धरोहर और संसाधनों की रक्षा के लिए सजगता और ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अन्य संयोजक अनिल शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे विरासत संरक्षण से जुड़ी हर गतिविधि में सक्रिय भूमिका निभाएं। समारोह में कर्नल केके मल्होत्रा, इंदु शर्मा, सोनिया बहल, हितेश वैद्य, महेश पुरी, राजीव कुमार और अजय सहगल ने भी सहभागिता की तथा कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

राजीव कुमार अध्यक्ष, संजीव बने उपाध्यक्ष

सरकाघाट कॉलेज में पीटीए जनरल हाउस की वार्षिक बैठक आयोजित

रितेश चौहान, अनंत ज्ञान

सरकाघाट। रविंद्रनाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में रविवार को अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) की वार्षिक जनरल हाउस बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें गत वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया।

बैठक में सचिव प्रो. सुनील कुमार द्वारा वर्ष 2024-25 की लेखा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा स्वीकार किया गया। इसके पश्चात पुरानी कार्यकारिणी को औपचारिक रूप से भंग कर नई कार्यकारिणी (सत्र 2025-26) का लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत चुनाव संपन्न हुआ। इस चुनाव में राजीव कुमार को अध्यक्ष, संजीव कुमार को उपाध्यक्ष, नंदलाल को कोषाध्यक्ष, प्रो. सुनील कुमार को सचिव, रवि पराशर को सह सचिव व बेसरिया और अरुणा को सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया से नई कार्यकारिणी गठित

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरआर कौंडल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकाघाट महाविद्यालय में पीटीए का गठन वर्ष 1990 में हुआ था और तब से यह संस्था निरंतर सक्रिय रूप से महाविद्यालय की शैक्षणिक और भौतिक प्रगति में सहयोग प्रदान कर रही है।

उन्होंने बताया कि नई कार्यकारिणी का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के समग्र विकास में भागीदारी निभाना और शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग देना है। प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में पीटीए की जिम्मेदारियों और महत्व को रेखांकित करते हुए सभी निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि यह कार्यकारिणी कॉलेज की आवश्यकताओं और छात्रों की बेहतरी के लिए ईमानदारी से कार्य करेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवन व अनुशासन के संदेश के साथ दौड़े विद्यार्थी और शिक्षक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, मंडी द्वारा रविवार सुबह रन फॉर डीएवी मैराथन का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना को प्रोत्साहित करना रहा। इस आयोजन में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 170 विद्यार्थियों सहित शिक्षकों ने भी पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:30 बजे हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडी, सचिन हीरेमठ (आईपीएस, बैच 2020) ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उनके प्रेरणादायक उद्बोधन ने विद्यार्थियों को शारीरिक तंदुरुस्ती को जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। दौड़ की शुरुआत विद्यालय के खलियार स्थित मुख्य भवन से हुई, जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई भ्यूली में संपन्न हुई। मार्ग भर शिक्षकगण प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते रहे और विद्यार्थियों ने पूर्ण समर्पण व दृढ़ता के साथ पांच किलोमीटर की दूरी तय की।

डीएवी मंडी में रन फॉर डीएवी मैराथन के विजेताओं को सम्मानित करने के दौरान।

छात्र वर्ग में अथर्व (12वीं सी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुजल शर्मा (11वीं बी) द्वितीय और तनिश ठाकुर (9वीं सी) तृतीय स्थान पर रहे। छात्रा वर्ग में महक (10वीं बी) ने प्रथम, अग्रिया (9वीं डी) ने द्वितीय और जागृति (9वीं सी) ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया ने कहा कि विद्यार्थियों की सहभागिता और जोश सराहनीय रहा। इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास व एकजुटता की भावना का विकास होता है।

उन्होंने मुख्य अतिथि श्री सचिन हीरेमठ का विशेष आभार व्यक्त किया और सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मैराथन का समापन एकता, टीमवर्क और समर्पण के भाव के साथ हुआ, जिसने डीएवी संस्थान की मूल विचारधारा समग्र विकास और उत्कृष्टता को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित किया।

आत्मनिर्भर सरकारी योजनाओं से मिली दिशा, नवाचार व उद्यमशीलता से खेती को दी नई पहचान

प्राकृतिक खेती से सरवन कुमार की सफल यात्रा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध करवाना ही नहीं है, बल्कि नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना भी है। इसी सोच को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। रसायन-मुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और कम लागत वाली तकनीक के रूप में प्राकृतिक खेती आज किसानों की जिंदगी में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। इस बदलाव का प्रेरक उदाहरण हैं सुंदरनगर विकास खंड धनोटू के द्रमण गांव के किसान सरवन कुमार।

वर्षों पूर्व सरवन कुमार ने जब प्राकृतिक खेती की राह चुनी तो यह यात्रा आसान नहीं थी, क्योंकि शुरुआत में कई कठिनाइयां सामने आईं। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। आत्मा परियोजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग बंद कर दिया और केवल देसी गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार खाद एवं जैविक घोल का प्रयोग शुरू किया। सरवन कुमार की मेहनत को गति मिली जब वे राज्य परियोजना कार्यान्वयन इकाई प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना कृषि विभाग के सुंदरनगर नैचुरल्स किसान उत्पादक कंपनी से जुड़े। आज वे न केवल धनोटू स्थित प्राकृतिक खेती उत्पाद बिक्री केंद्र के निदेशक हैं, बल्कि प्रबंधक की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। यही नहीं, वे आत्मा परियोजना में मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य कर रहे हैं और अन्य किसानों को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहे हैं।

सरवन कुमार ने खेती तक सीमित न रहते हुए नवाचार और उद्यमशीलता को भी अपनाया। वे स्थानीय उत्पादों से मूल्य संवर्द्धित वस्तुएँ तैयार करते हैं। उन्होंने धुआं रहित कोयला भी विकसित किया है, जो पर्यावरण-अनुकूल और सस्ता ईंधन विकल्प है। इन उत्पादों को वे घर पर बनाकर बिक्री केंद्र तक पहुंचाते हैं।

बिक्री केंद्र से किसानों को मिल रहा लाभ

धनोटू स्थित बिक्री केंद्र से आज लगभग 150 किसान जुड़े हैं। इनमें से 40 से अधिक किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है। इस केंद्र के माध्यम से हर माह लगभग 60 से 70 हजार रुपए की आय हो रही है। इस बिक्री केंद्र में प्राकृतिक खेती विधि से उत्पादित हल्दी, अचार, मोटा अनाज, मोटे अनाज का आटा, विभिन्न किस्म के गेहूं का आटा, शरबत, आंवला कैंडी, प्राकृतिक घटक, एप्पल चिप्स, एप्पल साइडर विनेगर, सिरा, बड़ियां जैसे अनेकों उत्पाद उपलब्ध हैं। किसानों के उत्पाद केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बिक रहे, बल्कि नौणी विश्वविद्यालय आउटलेट, नम्होल कामधेनु आउटलेट, दिल्ली और धर्मशाला के जैविक हाटों तक पहुंच रहे हैं। इससे किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिली है और उन्हें अपने उत्पादों का उचित मूल्य भी प्राप्त हो रहा है।

किसानों के जीवन में बदलाव

सरकारी योजनाओं से किसानों का खर्च घटा है और आय लगातार बढ़ रही है। प्राकृतिक खेती ने भूमि की उर्वरता सुरक्षित रखी है और स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचाया है। शरबन कुमार आज लगभग 50-60 उत्पाद स्वयं तैयार करते हैं। इस आय से उन्होंने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाई है।

अन्य किसानों की राय

ग्राम पंचायत बृखमणी के बीआरसी प्रकाश चंद बताते हैं कि धनोटू में बिक्री केंद्र खुलने से किसानों को घर बैठे रोजगार मिल रहा है और उनके उत्पाद बाजार तक आसानी से पहुंच रहे हैं। वे भी अपनी पंचायत में प्राकृतिक विधि से खाद बनाने और खेती करने के तरीके सिखा रहे हैं।

हम जॉर्जियन हैं, देश सेवा व अनुशासन हमारे रक्त में है : किशोर कुमार ठाकुर

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल चैल, जो इस वर्ष अपना स्थापना का शताब्दी समारोह मना रहा है, पर पूर्व छात्र किशोर कुमार ठाकुर ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि वे स्वयं को इस ऐतिहासिक संस्थान का विद्यार्थी होने पर गर्वित महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि चैल स्थित यह प्रतिष्ठित स्कूल पांच राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूलों में सबसे पुराना है, जिसकी स्थापना सन 1925 में ब्रिटिश सम्राट किंग जॉर्ज पंचम द्वारा की गई थी। उस समय इस संस्थान का नाम किंग जॉर्ज रॉयल इंडियन मिलिट्री कॉलेज रखा गया था। किशोर कुमार ठाकुर ने बताया कि उन्होंने 1974 से 1982 तक इसी विद्यालय से कक्षा बाहरवीं तक की शिक्षा प्राप्त की और विश्व के सबसे ऊंचाई पर स्थित खेल मैदान में प्रशिक्षण लेकर अपनी शारीरिक क्षमता और अनुशासन को निखारने का अमूल्य अवसर प्राप्त किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह संस्थान अब तक देश को परम् वीर चक्र, परम विशिष्ट सेवा मेडल और अन्य विशिष्ट सैन्य सम्मान प्राप्त अनेक जांबाज अधिकारी, प्रशासनिक सेवा के उच्चाधिकारी, राजनीति एवं अन्य क्षेत्रों में प्रतिष्ठित व्यक्तित्व प्रदान कर चुका है। उन्होंने शताब्दी समारोह के अवसर पर सभी जॉर्जियनस (राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के पूर्व विद्यार्थी) को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमें उन आदर्शों और मूल्यों पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए, जो इस महान संस्था ने हमें सिखाए देशभक्ति, सेवा भाव, और कर्तव्यनिष्ठा। उन्होंने यह भी बताया कि इस ऐतिहासिक समारोह में भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे समारोह की महत्ता और बढ़ गई। किशोर कुमार ठाकुर ने अंत में आशा व्यक्त की कि सभी जॉर्जियन भविष्य में भी अपने कर्म और चरित्र से देश और समाज को गौरवांवित करते रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

संतोषगढ़ में चालीस लाख बिजली बिल बकाया

अनंत ज्ञान, संतोषगढ़। संतोषगढ़ बिजली बोर्ड के सहायक अभियंता हरि मोहिंद्र मोहन ने जानकारी देते हुए बताया कि संतोषगढ़ बिजली उपमंडल के बिजली उपभोक्ताओं ने पिछले काफी अरसे से बिजली के बिल के लगभग 40 लाख रुपए तक के बिल जमा नहीं करवाए हैं। सहायक अभियंता ने इन उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिन उपभोक्ताओं ने अपने पुराने बिजली के बिल सहित इस माह के बिजली के बिल जमा नहीं करवाए हैं, वे शीघ्रता से 15 अक्तू बर 2025 तक अपने वकाया बिजली के बिल जमा करवाएं।

बड़ी माली नीरू व छोटी लखविंदर ने जीती

अनंत ज्ञान, बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के स्वास्थ्य सामुदायिक भवन के पास छिंज बरड़ा में हुए 40वें दंगल का आयोजन हुआ। जानकारी देते हुए आयोजक सुनील शर्मा ने बताया कि हिमाचल, पंजाब ,जम्मू आदि राज्यों के पहलवानों ने अपना जोहर दिखाया। इस दंगल में क्षेत्र वासियों ने दंगल का आनंद लिया। दंगल के दो दिन के आयोजन में छोटी माली ऊना के पहलवान लखविंदर ने जीती, जोकि बीएसएफ में कार्यरत हैं, जिन्हें 11000 व बड़ी माली जीतने के लिए तारतारण से पहलवान नीरू को 15100 रुपए ईनाम रूप भेंट किए गए। इस अवसर पर अनिल शर्मा, राकेश शर्मा, मास्टर रमेश शर्मा, विजय शर्मा, रामसरा शर्मा, पंचायत प्रधान विजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भटकी महिला को घर पहुंचाकर मानवता की मिसाल पेश की

अनंत ज्ञान, संतोषगढ़। एक बुजुर्ग महिला जिनका नाम संध्या देवी है शनिवार की सुबह 10 बजे अपने रिश्तेदारों के घर से अपने घर नंगल खुर्द के लिए निकली थी। महिला महज एक घंटे के सफर में कई घंटों के बाद भी अपने घर नहीं पहुंची। अजौली में इनके बच्चे उनका इंतजार कर कर रहे थे, लेकिन भूल से महिला किसी अन्य स्थान पर जा पहुंचीं। वह देर शाम तक इधर-उधर भटक रही थीं। रात के करीब 9 बजे इस महिला पर संतोषगढ़ के सोहन लाल, जो कि कांगड़ा बैंक में मैनेजर हैं उनकी नजर पड़ी, जब महिला से पूछा तो उन्होंने अपना पता बता दिया। सोहन लाल ने तुरंत उनको गंतव्य तक पहुंचाकर मानवता की मिसाल पेश की।

माता चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं की लगी भीड़

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। माता चिंतपूर्णी मंदिर में रविवार को 10 हजार श्रद्धालुओं ने शीश नवाया। लंबी लाइनें नदारद रहीं। दोपहर के समय मंदिर बंद होता है, तो उस दौरान लाइनें पुराने बस स्टैंड पर पहुंचीं, लेकिन कुछ ही समय में लोग दर्शन कर घरों को लौट गया। बताया जा रहा है कि त्योहारी सीजन के चलते चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट दर्ज की जा रही है । स्थानीय लोगों रजनीश कुमार, मदन लाल, रमन, संजीव, राजेश कुमार ने बताया कि त्योहारी सीजन के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट दर्ज की जा रही है। बाजार में दुकानदार भी श्रद्धालुओं की कमी के चलते खाली बैठने को मजबूर हैं। मंदिर अधिकारी अजय मंडियाल ने बताया कि त्योहार सीजन के चलते चिंतपूर्णी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या कम हुई है और रविवार को 10 हजार श्रद्धालुओं ने शीश नवाया।

अहोई अष्टमी व्रत पर 80 रुपए प्रति किलो बिकी मूली

अनंत ज्ञान, ऊना। संतान की सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए रविवार को क्षेत्र में सैकड़ों माताओं ने अहोई अष्टमी व्रत रखा। व्रत में शामिल होने वाली मूली के दामों में रविवार को उछाल देखने को मिला। बाजार में मूली 80 रुपए प्रति किलो की दर से बिकी। कई जगह लोगों को सब्जी विक्रेताओं के पास मूली मिली ही नहीं। ऐसे में उन्हें महंगे दाम पर खरीदनी पड़ी। मूली और गन्ने को इस व्रत में पूजा के समय विशेष रूप से शामिल किया जाता है। यही कारण है कि मूली के दामों में इतना उछाल देखा गया। सब्जी विक्रेता राहुल ने बताया कि मंडी में मूली के भाव 70 से 75 पर प्रति किलो रहे, जिसके चलते परचून में मूली 80 रुपये प्रति किलो तक बिकी है। सब्जी विक्रेता सुरेश कुमार ने बताया कि इस बार करवाचौथ व्रत पर गोभी के दाम 80 से 100 रुपये प्रति किलो तक रहे, जबकि अहोई व्रत पर मूली पहली बार 80 रुपये प्रति किलो तक बिकी। जिला परिषद सदस्य पंकज सहोड़, भाजपा नेता सुमित शर्मा, ट्रक यूनियन मैहतपुर के प्रधान शिव कुमार ने कहा कि हिंदुओं के पवित्र त्योहार पर जरूरी वस्तुओं के दाम में अचानक उछाल आ जाता है। बड़े व्यापारी इन्हें स्टॉक कर लेते हैं और बाद में महंगे दामों पर बेचते हैं। इन पर प्रदेश सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

देश में बेटियां हवाई जहाज से लेकर पहुंचीं चंद्रयान तक, आज बेटियां किसी से कम नहीं: विवेक शर्मा

अनंत ज्ञान, ऊना

खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ पर पहुंचे विधायक और उनकी धर्मपत्नी को सम्मानित करते आयोजक।

खेल भावना, उत्साह और जोश से भरे माहौल में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने राजकीय महाविद्यालय लाल सिंगी (छात्रा) में आयोजित हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह में छात्राओं के बीच गूंजते नारों और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके उत्साहवर्धन के लिए प्रेरक संबोधन दिया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि आज के समय में बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां पायलट से लेकर चंद्रयान तक पहुंच चुकी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि अगर अवसर मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में इतिहास रच सकती हैं। उन्होंने महिला खिलाड़ियों के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक रूप से व्यक्ति को मजबूत बनाते हैं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास भी सिखाते हैं। विवेक शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का है और इसमें बेटियों की भूमिका बहुत अहम हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के साथ-साथ 'बेटी खिलाओ' की दिशा में काम कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की बेटियां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर रही हैं। महाविद्यालय प्राचार्य ने विधायक का स्वागत करते हुए कहा कि कुटलैहड़ जैसे क्षेत्र में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों की दर्जनों टीमें भाग ले रही हैं। पहले दिन का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों की वाहवाही लूटी। इस अवसर पर विधायक विवेक शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलों में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। उन्होंने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। स्टेडियमों का निर्माण, खेल सामग्री की उपलब्धता और खेल छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं युवाओं को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में कुटलैहड़ क्षेत्र में खेल गतिविधियों को और गति दी जाएगी ताकि यहां के युवा और छात्राएं राज्य स्तर पर अपना परचम लहरा सकें। विधायक ने छात्राओं को अनुशासन और मेहनत को जीवन का मंत्र बताया और कहा कि शिक्षा और खेल का संतुलन ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में खिलाड़ियों ने विधायक को स्मृति चिन्ह भेंट किया और धन्यवाद ज्ञापन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान छात्राओं में उत्साह का माहौल रहा। महाविद्यालय प्रांगण में खेल भावना, उल्लास और नारी शक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस प्रकार राजकीय महाविद्यालय लाल सिंगी में आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल खेलों के प्रति छात्राओं में जोश जगाने वाली रही बल्कि बेटियों के सशक्तिकरण का सशक्त संदेश भी दे गई। विधायक विवेक शर्मा का संदेश गूंजता रहा, कि बेटियां अब किसी से कम नहीं हैं वे जहां चाहें, वहां तक पहुंच सकती हैं। इस मौके पर पार्टी के गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

शहीद लांस नायक विशन दास की धर्मपत्नी ने पेश की मिसाल, स्कूल मार्ग के लिए दान की जमीन

कमलेश देवी की ओर से दान दी गई भूमि का हिस्सा।

अनंत ज्ञान, बड़ूही

देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद लांस नायक विशन दास (15 डोगरा) की धर्मपत्नी कमलेश देवी ने एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने अपने पांच कनाल खेत में से एक हिस्सा दियाड़ा स्कूल को जाने वाले रास्ते को चौड़ा करने के लिए स्वेच्छा से दान कर दिया।

कमलेश देवी न केवल जमीन दान की, बल्कि रास्ते को चौड़ा करने का सारा खर्च स्वयं वहन किया। उनके इस जनहित कार्य की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि शहीद परिवार की यह भावना समाज के लिए एक प्रेरणा है। गौरतलब है कि शहीद लांस नायक विशन दास, निवासी गांव दियाड़ा, तहसील अंब, जिला ऊना (हिमाचल प्रदेश), ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में वीरता से देश सेवा की थी।

बाद में 1971 के भारत-पाक युद्ध में 10 दिसंबर को मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। इस नेक कार्य का पूरा करने में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील ठाकुर, अध्यापक अशोक कुमार तथा सरवन सिंह ने विशेष सहयोग दिया। स्थानीय लोगों और संगठन के सदस्यों ने कमलेश देवी को शत-शत नमन करते हुए कहा कि शहीद के परिवार द्वारा किया गया यह कार्य समाज में देशभक्ति और जनसेवा की भावना को और प्रबल करेगा।

प्रदेशभर के 10 कॉलेजों के छात्रों ने दिखाई शास्त्र ज्ञान की प्रतिभा

अनंत ज्ञान, बंगाणा

संस्कृत भारती द्वारा ग्राम पंचायत अंबेहड़ा के सुंदर नारायण गुरुकुलम अटया में दो दिवसीय राज्य स्तरीय श्लोक स्पर्धा परीक्षा का समापन हुआ। इसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से कुल 10 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समापन कार्यक्रम में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव व संकाय अध्यक्ष प्रो. प्रेम कुमार शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। वहीं, श्रीगोपाल गोधाम गोशाला के अध्यक्ष व पौरोहित्य कर्मकांड के विद्वान रमेश शर्मा शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित थे, जबकि संस्कृत भारती हिमाचल प्रांत के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस स्पर्धा में कुल 9 विषयों को लेकर एक बड़ी ही कठिन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 7100 रुपए राशि से सम्मानित किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 5100 तथा तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 3100 रुपए की राशि से सम्मानित किया गया। रमेश ने कहा कि इस सुंदर नारायण गुरुकुलम के अध्यक्ष भागवत कथावक्ता शिव कुमार शास्त्री ने इस क्षेत्र में संस्कृत और शास्त्र की गंगा बहाकर क्षेत्र को पुण्यान्वित किया है। शिव शास्त्री के अनेक प्रयासों ने समाज के बड़े वर्ग को सनातन संस्कृति के साथ जोड़ा है। सुंदर नारायण गुरुकुलम के माध्यम से भविष्य में आगे भी इसी प्रकार से शास्त्र और संस्कृति के रक्षण के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे।

विक्रमजीत फिर बने हिमकैप्स बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन

अनंत ज्ञान, ऊना। हिमकैप्स कॉलेज निदेशक मंडल के चुनावों के बाद बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का चुनाव भी संपन्न हो गया। उपमुख्यमंत्री के करीबी विक्रमजीत सिंह को फिर से आम सहमति से बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का चेयरमैन बनाया गया है। रविवार को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की पहली मीटिंग हुई जिसमें हिमकेप्स के चेयरमैन वाइस चेयरमैन एवं पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से दोबारा विक्रमजीत सिंह हिमकैप्स के चेयरमैन चुने गए एवं सोमनाथ और अश्विनी कुमार वाइस चेयरमैन चुने गए। इसके अतिरिक्त सुरेंद्र कश्यप, बलजीत सिंह, सोमनाथ लठ, जनक राज, मुकेश कुमार, जगदीश सिंह, अनिल कुमार, दिलावर सिंह, आत्माराम, कश्मीर सिंह, शिव शशी कंवर, सुरेंद्र सिंह, ओंकारनाथ, कमलजीत सिंह, बृजमोहन, यशपाल भी निदेशक मंडल के सदस्य चुने गए।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उर्वरक उपयोग कीट नियंत्रण व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

चुरुडू में इफको के फसल विचार गोष्ठी कार्यक्रम में उपस्थित किसान व स्थानीय लोग

अंब। उपमंडल अंब के तहत गाव चुरुडू में फसल विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में इफको के राज्य विपणन प्रबंधक सुधीर सिंह कटियार, उपनिदेशक कृषि ऊना कुलभूषण धीमान, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक डॉ. संजय शर्मा व दी चुरुडू कृषि सेवा सहकारी समिति के प्रधान गुरदेव सिंह, उपप्रधान देवराज, सचिव अरुण कुमार, विक्रेता शशि पाल व सभा सदस्य मौजूद रहे। क्षेत्रीय अधिकारी इफको ऊना मशोक अहमद यहा द्वारा सभी का स्वागत किया व इफको के बारे में सामान्य जानकारी प्रदान की। डॉ. सुधीर सिंह कटियार द्वारा विश्व प्रथम निर्मित इफको नैनो यूरिया प्लस व इफको नैनो डीएपी तरल, नैनो जिंक कॉपर बारे विस्तार से जानकारी दी। इफको नैनो यूरिया प्लस पारम्परिक यूरिया के विकल्प के रूप में बेहतरीन उत्पाद है। इसमें बीस प्रतिशत नाइट्रोजन मौजूद है। यह किसी भी प्रकार से हमारे जल मिट्टी व वायु को नुकसान नहीं पहुंचाता। इफको नैनो यूरिया प्लस का इस्तेमाल स्प्रे के माध्यम से फसल पर किया जाता है व फसल की ग्रहण करने की क्षमता नब्बे प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इफको नैनो डीएपी तरल एनपीके के विकल्प के रूप में एक बेहतरीन उत्पाद है, जिसका इस्तेमाल बीजोपचार से व फसल के चालीस दिन बाद स्प्रे के माध्यम से किया जाता है। इससे फसल की पैदावार में वृद्धि होती है। मशोक अहमद द्वारा पानी में घुलनशील उर्वरकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. कुलभूषण धीमान द्वारा कृषि विभाग द्वारा दी जाने वाली स्कीम के बारे किसानों को अवगत करवाया व इफको नैनो यूरिया प्लस का ज्यादा इस्तेमाल बारे बताया। डॉ. संजय शर्मा फसल में लगने वाले वाले कीटों व उसके समाधान बारे बताया। सभा प्रधान द्वारा सभी किसानों से ज्यादा से ज्यादा नैनो उर्वरकों के इस्तेमाल करने के बारे में समझाया। कार्यक्रम में इफको के विशेष उर्वरक कार्यकर्ता गौरव चौधरी व पारुल भलवाल व इफको से कमल राणा व ड्रोन चालक परवीन भी उपस्थित रहे।

रायपुर मैदान में एनएसएस का शिविर बना सामाजिक चेतना का सशक्त मंच

विनोद शर्मा, अनंत ज्ञान

लठियानी। रायपुर मैदान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर के तहत आयोजित प्रभात फेरी ने ग्रामीणों में सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी की मिसाल पेश की। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कन्या भ्रूण हत्या उन्मूलन और %बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ% जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनजागरूकता का संदेश ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाया।

प्रभात फेरी के दौरान स्वयंसेवक तरसेम, मोहिंद्र एवं रविंद्र ढिल्लो के घर पहुंचे, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। ढिल्लो परिवार ने नाश्ते की व्यवस्था कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा भजन-कीर्तन भी प्रस्तुत किया गया, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। इससे प्रभावित होकर कई ग्रामीण भी आयोजन में शामिल हुए। ढिल्लो परिवार ने एनएसएस के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं का यह समर्पण और सक्रियता ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली प्रेरणा है। कमलप्रीत और हरविंदर ने कहा कि यह शिविर युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अक्षरा, नैना एवं श्रुति ने बताया कि इस शिविर ने उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक भागीदारी की भावना को बढ़ावा दिया है। पवन ने स्थानीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने मार्च पास्ट प्रशिक्षण को मानसिक एवं भावनात्मक अनुशासन का उदाहरण बताया। शोभा ने इस शिविर को एक सामाजिक आंदोलन बताते हुए कहा कि यह स्थानीय समुदाय और विद्यार्थियों के बीच सेतु बनकर सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में काम कर रहा है।

ऊना व मलांगड़ टीम के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कबड्डी प्रतियोगिता के समापन पर मुख्यातिथि के साथ खिलाड़ी और गणमान्य।

खेल भावना, उत्साह और भाईचारे से सराबोर वातावरण में मां कपिला यूथ क्लब मलांगड़ द्वारा आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ।

इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने भाग लिया और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांच से भर दिया। फाइनल मुकाबला ऊना और मलांगड़ की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। खिलाड़ियों ने फुर्ती, ताकत और रणनीति का शानदार प्रदर्शन किया। अंतिम क्षणों तक रोमांचक बने रहे मुकाबले में दर्शकों ने खिलाड़ियों का तालियों से उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश कुश्ती फेडरेशन की प्रदेशाध्यक्ष डिंपल ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अनुशासन, परिश्रम और टीम भावना को विकसित करता है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर आयोजित ऐसे आयोजन युवा प्रतिभाओं को आगे आने का मंच प्रदान करते हैं। मुख्यातिथि ने आयोजन की सराहना करते हुए क्लब को इक्कीस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की, ताकि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन जारी रह सकें। मुख्यातिथि के साथ मंच पर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रभारी सुमित शर्मा, भाजपा मंडलाध्यक्ष राजेंद्र मलांगड़, जिला परिषद सदस्य कृष्ण पाल शर्मा, थ्रोबाल एसोसिएशन महासचिव जोगिंद्र देव आर्य, सुदर्शन शर्मा, सुभाष शास्त्री, अजय शर्मा, रूपलाल, ज्योति शर्मा, साहिल शर्मा, केवल कृष्ण, प्रीतम ठाकुर, कुलदीप शर्मा, संजय, सूबेदार प्रीतम, विक्कू शर्मा, गौरव शर्मा, अमनदीप, तथा आशु पंडित सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की प्रशंसा की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं, और खेलों के माध्यम से वे अनुशासन, संयम और टीम भावना जैसे गुण सीखते हैं।

हिंडोला गांव में भंडारे का आयोजन

अनंत ज्ञान, बंगाणा। जय भवानी ड्रामाटिक क्लब हिंडोला की ओर से रविवार को विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लेकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कि तथा प्रभु श्रीराम जी के भजन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। क्लब के चेयरमैन दिलवर सिंह ने बताया कि गांव चंगर हिंडोला में प्रतिवर्ष रामलीला का आयोजन किया जाता है और इस भव्य व सफल आयोजन के उपरांत समस्त गांववासियों मिलकर भंडारे का आयोजन करवाते हैं तथा इस मौके पर स्थानीय लोगों की ओर से क्षेत्र में सुख-शांति व समृद्धि के लिए ब्रह्मौती मंदिर में भगवान ब्रह्मा जी की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर चेयरमैन दिलवर सिंह के अलावा विक्रम सिंह, जसवंत सिंह, सुरेंद्र सिंह, विपिन कुमार, अशोक कुमार, विक्रम सिंह, सागर, संजय कुमार, राकेश कुमार, लखवीर सिंह, रणवीर सिंह, अजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

78 वर्षों बाद भी होमगार्ड जवानों को नहीं मिला स्थायी दर्जा: जोगिंदर सिंह

अनंत ज्ञान, ऊना

आजादी के 78 वर्षों बाद भी होमगार्ड्स को हक दिलाने का तंत्र नहीं बना है, जो देश और प्रदेश के होमगार्ड जवानों के हितों की रक्षा कर सकें। यह बात जोगिंदर सिंह राज्य अध्यक्ष, होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश ने जारी प्रेस व्यक्तव्य जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र के चारों स्तंभ भी उपेक्षित वर्ग को लंबे अरसे न्याय नहीं दिला पाए। विभागीय अधिकारियों से लेकर जिला एवं राज्य प्रशासन तक, और जिला, राज्य व केंद्र की मीडिया तथा सरकारों तक सभी ने इस संगठन की निरंतर उपेक्षा की है। परिणामस्वरूप, वह होमगार्ड जवान जिसने आज़ादी की लड़ाई में आजाद हिंद फौज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपने प्राणों का बलिदान दिया, आज स्वतंत्र भारत में ही शोषण और उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। देश के इन चारों स्तंभों ने आजादी के बाद अपने लिए अनेकों सुधार और सुविधाएं सुनिश्चित कीं, किंतु आज भी होमगार्ड जवान को न तो स्थायी दर्जा प्राप्त है, न नियमित वेतनमान, और न ही संविधान द्वारा प्रदत्त समान अधिकार दिए गए है ।न्याय मिलने में देर होना भी एक प्रकार का अन्याय है। इस अन्याय से बचने के लिए तारीख पर तारीख की प्रवृत्ति को रोकना होगा। आज होमगार्ड जवान अपनी मेहनत की कमाई, यहां तक कि अपनी संपत्ति बेचकर भी न्याय पाने के लिए दर-दर भटकने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार, न्यायपालिका, मीडिया और प्रशासन सभी मिलकर इस संगठन पर भी स्वतंत्र भारत का संविधान समान रूप से लागू करें, ताकि होमगार्ड जवानों को अन्य सरकारी कर्मचारियों एवं अद्र्धसैनिक बलों के समान संवैधानिक अधिकार, वेतनमान और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम मैहतपुर नगर में उत्साह और अनुशासन से निकला पथ संचलन

राष्ट्र निर्माण में आरएसएस की अग्रणी भूमिका: शिवेंद्र

अनंत ज्ञान, मैहतपुर

अनुशासन व उत्साह के साथ सैकड़ों स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर मैहतपुर नगर में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। अनुशासन व उत्साह के साथ सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिनका लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। पथ संचलन कार्यक्रम नगर परिषद मैहतपुर-बसदेहड़ा के वार्ड नंबर छह स्थित महाराणा प्रताप पार्क से शुरू होकर, ट्रक यूनियन व मुख्य बाजार से होते हुए एमसी पार्क में समाप्त हुआ।

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कुंवर शिवेंद्र पाल कुटलैहड़ उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता दीपक शर्मा ने संघ के उद्देश्य और शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर जिला भर में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक अनुशासन में पथ संचलन निकाला। घोष की धुन पर पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए सैकड़ों स्वयंसेवकों ने करीब तीन किमी के पथ संचलन में भाग लिया तथा बड़ी संख्या स्वयंसेवक इसकी व्यवस्था में लगे। पथ संचलन को देखने के लिए लोग सड़कों के किनारे उमड़े हुए थे। कॉलोनियों में गली किनारे तथा छतों से पुष्प वर्षा कर पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। पथ संचलन में बाल से लेकर प्रौढ़ स्वयंसेवक शामिल रहे। 86 वर्षीय वयोवृद्ध राम गोपाल स्वयंसेवक का उत्साह देखते ही बन रहा था। पथ संचलन कार्यक्रम में सबसे कम उम्र के स्वयंसेवक रिहान प्रभाकर के उत्साह को देखकर हर कोई हतप्रभ रह गया। शताब्दी वर्ष की अनुभूति हर स्वयंसेवक में नई ऊर्जा व दायित्व का बोध करा रही है। विजयदशमी पर वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। मैहतपुर नगर कार्यवाह अंकुश ठाकुर व नगर संघचालक चंद्रशेखर आयोजित विजयदशमी उत्सव व पथ संचलन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जबकि स्वदेशी जागरण मंच के जिला पूर्णकालिक प्रशिक्षक सत्यदेव शर्मा नगर परिषद मैहतपुर बसदेहड़ा के वार्ड नंबर छह स्थित महाराणा प्रताप पार्क में आयोजित कार्यक्रम में रहना हुआ। शिवेंद्र पाल कुटलैहड़ ने संघ की स्थापना की आवश्यकता, उद्देश्य व उसकी 100 वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज व स्वयंसेवकों से अपने जीवन में पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के परम वैभव के लिए पंच परिवर्तन के अंतर्गत हम सब अपने दैनिक जीवन में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली एवं स्वदेशी को अपनाएं तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन करें। विजयदशमी उत्सव के साथ ही संघ शताब्दी वर्ष प्रारंभ हो गया जिसके अंतर्गत वर्षपर्यंत समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वृहद गृह संपर्क व हिंदू सम्मेलन प्रमुख है।

दुलेहड़ में धार्मिक सप्ताह समागम की शोभायात्रा 23 को

अनंत ज्ञान, हरोली। हरोली क्षेत्र के गांव दुलेहड़ के गोविंद धाम गौशाला में स्थापित श्री राधे कृष्ण मंदिर में 23 अक्तूबर को शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। 24 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक सप्ताह भर धार्मिक समागम चलेगा। गोशाला के सेवादार पंडित किशोरी लाल ने बताया समागम में श्री मद्भागवत कथा सप्ताह के शुभारंभ पर 23 अक्तूबर को हरे कृष्णा की महिमा का गुणगान करते हुए शोभायात्रा निकाली जाएगी। धार्मिक समागम की कलश यात्रा गोविंद धाम गौशाला स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर दुलेहड़ से सुबह 11 बजे शुरू होगी। यात्रा के दौरान भगवान की महिमा का गुणगान गांव क्षेत्र में किया जाएगा। पंडित किशोरी लाल ने बताया कि श्री राधे-कृष्ण मंदिर दुलेहड़ में 24 से 30 अक्तूबर तक आचार्य तरुण डोगरा श्री मद्भागवत साप्ताहिक कथा का गुणगान करेंगे। कथा रोजाना स्मय सुबह 11 से दोपहर 2:30 बजे तक होगी। कथा उपरांत हर रोज लंगर की व्यवस्था होगी। 30 अक्तूबर को कथा सप्ताह समाप्ति पर विशाल भंडारे का अयोजन भी होगा। उन्होंने धार्मिक समागम का लाभ उठाने के लिए श्रद्धालुओ को निमंत्रण दिया है।

संगठन का संदेश लेकर निकले सैकड़ों स्वयंसेवक

विवेक शर्मा, अनंत ज्ञान

ठठल में जुटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता।

अंब। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा रविवार को संघ के शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में चौकीमन्यार खंड में एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अनुशासित पंक्तियों में कदमताल करते हुए नगरवासियों को देशभक्ति, अनुशासन और संगठन की भावना का संदेश दिया।

पथ संचलन की शुरुआत रामलीला मैदान ठठल से हुई, जहां श्री हनुमान मंदिर सभा के सदस्य ब्रह्म दास ने बतौर मुख्य अतिथि तथा प्रांत संपर्क प्रमुख बलराम जी ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। संचलन रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर नंदपुर बाजार से होते हुए पुन: मैदान में समाप्त हुआ। इस अवसर पर नगर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। मार्ग के दोनों ओर खड़े नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। गलियों और सड़कों को भगवा ध्वजों और पुष्प सजावट से सजाया गया था। घोष वादन, संघ गीतों और देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। मुख्य वक्ता बलराम जी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ की स्थापना 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा की गई थी और अब यह संगठन अपने 100 वर्षों के गौरवपूर्ण इतिहास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन निर्माण नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना है। बलराम जी ने संघ द्वारा चलाए जा रहे पंच परिवर्तन अभियानों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक सद्भाव पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि शताब्दी वर्ष के अंतर्गत पूरे प्रदेश में गृह संपर्क अभियान, हिंदू सम्मेलन, युवा संवाद, और सामाजिक सद्भाव बैठकों जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक जहां भी जाता है, वहां समाज में एकता, अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना का संचार करता है। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों की अनुशासित पंक्तियां, घोष वादन और सामूहिक कदमताल ने उपस्थित नागरिकों को प्रभावित किया। कई स्थानों पर लोगों ने घरों की छतों से तिरंगा और भगवा ध्वज लहराकर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर खंड संघचालक निर्मल सिंह, जिला कुटुंब प्रबोधन प्रमुख जगदीश धीमान, जिला सेवा प्रमुख विजय, गौ सेवा प्रमुख रमेश राणा, खंड कार्यवाह पुष्पेंद्र, सह कार्यवाह कर्ण सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, मातृशक्ति, बच्चे और बुजुर्ग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं ने भोजन मंत्र के उच्चारण के साथ सामूहिक भोजन ग्रहण किया। भोजन की व्यवस्था स्थानीय स्वयंसेवकों और मंदिर कमेटी द्वारा की गई थी। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता की भावना को प्रबल करते हैं। संघ के स्वयंसेवकों का अनुशासन और संगठनात्मक भाव भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

कुल्लू में व्यापारिक मेले की धूम, खूब चांदी कूट रहे व्यापारी

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुल्लू। कुल्लू में देवमहाकुंभ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव तो खत्म हो गया है, लेकिन व्यापारिक उत्सव की खूब धूम मची हुई है। जिला सहित बाहरी जिलों व राज्यों से आए लोगों ने जहां सात दिनों तक महानगर में तबदील कुल्लू दशहरा उत्सव में आकर खूब मौज-मस्ती की और सैकड़ों देवी-देवताओं के दर्शन कर उनसे सुख-समृद्धि का आर्शीवाद लिया। वहीं, देव समागम समाप्त होने के बाद से लोग खरीदारी करने में मशगूल हो गए हैं।

रविवार को ढालपुर मैदान सहित अन्य मैदानों, मीना बाजार में खरीदारों की भारी भीड़ रही। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में विभिन्न राज्यों से आए व्यापारियों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ढालपुर सहित अन्य मैदानों में डेरा जमाया हुआ है। यहां पर जहां पुराने व नए कपड़ों की भारी मात्रा में खरीद-फरोख्त हो रही है। वहीं, अन्य सामान के स्टॉल में भी खूब बिक्री के चलते व्यापार में इजाफा आया है और व्यापारी खूब चांदी कूट रहे हैं। कबाड़ी मार्केट, मीना बाजार, डोम, बर्तन मार्केट, रजाई मार्केट हो या अन्य सजी सभी अस्थायी दुकानें हर जगह शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोग खूब खरीदारी कर रहे हैं। कारोबार की दृष्टि से एशिया का सबसे बड़ा व्यापारिक मेला माना जाने वाला अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव को लेकर सजी मार्केट में हर वर्ष करोड़ों रुपए का कारोबार होता है। कुल्लू जिले के शहरी व खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के अलावा जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति सहित पांगी व कुल्लू के साथ सटे मंडी जिला के लोग हर वर्ष इस उत्सव में सालभर की खरीददारी करते हैं। देव समागम के दौरान भी जहां खरीदारी होती है। वहीं, देवी देवताओं के वापस अपने-अपने देवालय लौटने के बाद यहां पर व्यापारिक मेला शुरू होता है और दीवाली तक हर दिन खरीदारों का खूब जमावड़ा उमड़ा रहता है। इस बार उत्सव समिति की ओर से व्यापारियों को दुकानें सजाने के लिए 32 दिन का समय दिया है इस वर्ष जहां रेडिमेड कपड़ों की दुकानों, स्वेटर-जैकेटे सहित आर्टिफिशियल ज्वेलरी सहित अन्य दुकानों में लोगों की भीड़ लगी हुई है। वहीं उत्सव में विभिन्न कंपनियों की ओर से अपने उत्पादों के साथ आकर्षक उपहार भी दिए जा रहे हैं जिस कारण खरीददार आकर्षक इनामों वाले उत्पादों की खरीददारी में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। रविवार को खेल मैदान में लगे सभी डोम में लोगों की खासी भीड़ रही और लोग सुई से लेकर जरूरत की हर चीज की खरीददारी करते दिखाई दिए। वहीं, मीना बाजार,जूता मार्केट सहित सभी मैदानों में सजी अस्थाई दुकानों में खूब खरीदारी हो रही है। लिहाजा, अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव पांच दिन पहले समाप्त हो गया है और जिलाभर से आए देवी देवता भी अपने अपने देवालयों पहुंच गए हैं। वहीं, अब कुल्लू में सजे अस्थायी बाजार में खरीदारी का दौर शुरू हो गया है, जो कि इस बार दिवाली के बाद तक चलेगा।

अंतरराष्ट्रीय दशहरा कुल्लू के बाद सजे व्यापारिक मेले में खरीदारी करते लोग।

करोड़ों का होता है कारोबार

दशहरा उत्सव जहां सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वहीं, व्यापारिक दृष्टि से भी खास माना जाता है। इस उत्सव में हर साल डोम, कबाड़ मार्केट, जूता मार्केट, मीना बाजार, झूला मार्केट, मौत का कुंआ, मुख्य आकर्षण तंबोला, विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी, कुल्लवी व्यंजन सिड्डू, आर्टिफिशियल आभूषण व बर्तनों का करोडों रूपयों का कारोबार होता है। मिठाई की दुकानों में भी खूब जमावड़ा होता है।

धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक व आर्थिक जरूरतों से जुड़ा कुल्लू दशहरा

धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक व आर्थिक जरूरतों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के आर्थिक पक्ष पर यदि गौर करें तो देखा जा सकता है कि देश के विभिन्न हिस्सों से छोटे-बड़े व्यापारी नई-नई चीजें लेकर यहां आते थे। यही नहीं पहाड़ों पर बसे दूरदराज के गांवों के लोग भी दशहरा में दुकानें लगाकर पहाड़ी व्यंजन, हस्तशिल्प सहित अन्य सामान की मिली अच्छी कीमत से यहां के कई लोगों के गांव के लोगों का सालभर घर चलता है।

उत्सव का बेसब्री से इंतजार करते हैं लोग

सालभर खेतों व बगीचों में मेहनत करने के बाद फसलें व सेब सहित अन्य उत्पाद बेचकर एक-एक पैसा जोड़ते हैं और इस उत्सव का बेसब्री से दशहरा उत्सव का इंतजार करते हैं ताकि सस्ते दामों में सालभर के लिए जरूरत का हर सामान एक ही जगह आसानी से खरीद सकें। हालांकि, इस बार आपदा के कारण जिला के लोगों को काफी नुकसान हुआ है लेकिन फिर भी लोग जरूरत का थोड़ा थोड़ा सामान खरीदने पहुंच रहे हैं।

अब नहीं आते विदेशी व्यापारी

सनद रहे कि कुल्लू दशहरा आजादी से पहले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला हुआ करता था और विदेशी व्यापारी सीधे तौर पर उत्सव में शरीक होकर व्यापार करते थे। आज भले ही इस उत्सव में विभिन्न तरह की चीजें बिकने के लिए आती हो लेकिन बाहरी देशों के व्यापारी प्रत्यक्ष व्यापार के लिए नहीं आते हैं। पहले चीन, रूस, तुर्कीस्तान सहित यूरोपीय देशों के व्यापारियों यहां व्यापार करने आते थे।

कुल्लू जिला आबकारी टीम ने पकड़ी 22 पेटी अवैध शराब की खेप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू आबकारी टीम ने भुंतर क्षेत्र में एक वाहन से 22 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जानकारी देते हुए मनोज डोगरा उपायुक्त (आबकारी) ने बताया कि जिला कुल्लू आबकारी टीम द्वारा हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम, 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत कुल्लू-भुंतर क्षेत्र में एक विशेष सूचना के आधार पर एक स्कॉर्पियो वाहन से कुल 22 पेटी अवैध शराब/बियर बरामद की गई, जिसमें एक पेटी रॉयल स्टैग, एक पेटी एपिसोड व्हिस्की, चार पेटी वीआरवी संतरा, एक पेटी सॉन्फी, तथा 15 पेटी टुबर्ग बियर शामिल है। उन्होंने बताया कि वाहन चालक से उक्त शराब के वैध आबकारी पास एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा। टीम ने बरामद अवैध शराब को मौके पर जब्त करते हुए हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम, 2011 की धारा 39 के अंतर्गत संबंधित मामला दर्ज किया गया है। निरीक्षण दल में फूल चंद राणा राज्य आबकारी अधिकारी, पंकज राणा सहायक राज्य आबकारी अधिकारी (बंजार वत्त) राकेश कुमार सहायक राज्य आबकारी अधिकारी (कुल्लू वृत्त), आरक्षी राम, आरक्षी अशोक कुमार तथा चूड़ामणि, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल रहे।

मनाली से लेह और जांस्कर रवाना हुए 780 छोटे-बड़े वाहन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। खिली धूप के बीच मनाली लेह मार्ग सहित जांस्कर के लिए वाहनों की आवाजाही सुचारु रही। रविवार को मनाली से लेह व जांस्कर की ओर 780 छोटे बड़े वाहन रवाना हुए।

सोमवार को लेह से वाहन मनाली की ओर आएंगे बारालाचा दर्रे में दो से ढाई फीट बर्फ के ढेर लगे हैं इसे में फिलहाल इस मार्ग पर वाहनों आवाजाही वनवे ही रहेगी। गत दिनों हुए भारी हिमपात से दर्रे बर्फ से ढक गए हैं। इस बार समय से पहले ही हुए भारी हिमपात से सभी की दिक्कत बढ़ी है। हालांकि बीआरओ ने शिंकुला सहित बारालाचा दर्रे से बर्फ हटाकर लेह सहित जांस्कर मार्ग पर यातायात सुचारु कर दिया है लेकिन हिमपात के समय वाहनों चालकों को छह दिन तक एक ही जगह इंतजार करना पड़ा है। गौर हो कि इन दिनों लेह लद्दाख के लिए रसद सहित सर्दियों के लिए जरूरत का समान बारालाचा दर्रा मनाली से लेह जा रहा है। उपायुक्त लाहुल स्पीति किरण भंडाना ने कहा कि बारालाचा दर्रे के दोनों ओर बर्फ के ढेर लगे है। उन्होंने कहा कि दर्रे में हालात सामान्य होने तक यातायात एक तरफा ही रहेगा।

जन्नत से नजारों का आनंद लेना है तो चले आओ मनाली-लाहौल

अनंत ज्ञान केलांग/मनाली

जन्नत से नजारों का आनंद लेना है तो कुल्लू मनाली व लाहौल घाटी चले आएं।

यहां पहाड़ों पर चारों ओर बिछी बर्फ की सफेद चादर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कुल्लू मनाली के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल 13050 फीट ऊंचे रोहतांग दर्रे में ढाई फुट मोटी बर्फ की सफेद चादर बिछी हुई है। वहीं, लाहौल घाटी में भी बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। बीआरओ के जवान बर्फ हटाते हुए रोहतांग दर्रे में पहुंचा गए हैं। यह दर्रा पर्यटकों के लिए जल्द ही बहाल हो जाएगा। हालांकि इस दर्रे से शीघ्र बर्फ हटाने का मुख्य कारण लेह जाने वाले डीजल व पेट्रोल के टैंकर हैं, लेकिन दर्रे के बहाल होने से कुल्लू मनाली आने वाले पर्यटकों को भी आसानी से रोहतांग दर्रे के दीदार हो सकेंगे।

अटल टनल के उस पार बिछी बर्फ की सफेद चादर, लाहौल घाटी में भी बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है।

> **रोहतांग** दर्रे में हिमपात होने के कारण डीजल पेट्रोल लेकर लेह लद्दाख जा रहे वाहन मढ़ी में फंसे हुए है। यातायात सुचारु रखने को लेकर युद्धस्तर पर रोहतांग बहाली की का रही है। मशीनें दर्रे में पहुंच गई है। सोमवार शाम तक रोहतांग बहाल होने की उम्मीद है।
> **कर्नल गौरव कमांडर बीआरओ।**

बर्फबारी से बिछी है ढाई फुट बर्फ

देश व दुनिया के पर्यटकों की पहली पसंद रहने वाले रोहतांग दर्रे में ढाई फीट बर्फ की मोटी परत बिछी है। कुल्लू मनाली आने वाले पर्यटक आसानी से रोहतांग दर्रे में बर्फ के दीदार कर सकेंगे। एनजीटी के आदेशानुसार हर रोज परमिंट लेकर 1200 पर्यटक वाहन रोहतांग जा सकेंगे। प्रशासन ने पर्यटकों को आन लाइन परमिंट की सुविधा दी है। रोहतांग परमिंट नामक साइट में जाकर पर्यटक रोहतांग के लिए परमिंट बुक कर सकते है।

मचेगी साहसिक खेलों की धूम

रोहतांग दर्रे में जल्द ही सैलानी बर्फ की खेलों का आनंद ले सकेंगे। इससे जहां पर्यटक साहसिक खेलों से रूबरू हो सकेंगे वहीं स्थानीय लोगों का भी रोजगार चल सकेगा। सैलानी रोहतांग दर्रे में स्नो स्कीइंग, स्नो स्कूटर, स्नो ट्यूब, घुड़सवारी, माउंटेन बाइक सहित मढ़ी में पैराग्लाइडिंग का आनंद ले सकेंगे।

होटलों में दी जा रही 30 से 35 प्रतिशत की छूट

कुल्लू मनाली के होटलों में पर्यटकों को 30 से 35 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। लंबे समय से मंदी की मार झेल रहे पर्यटन कारोबारियों को जल्द ही पर्यटन कारोबार बेहतर रहने की उम्मीद है। होटल एसोसिएशन के निवर्तमान उपाध्यक्ष रोशन ठाकुर ने कहा कि आने वाले दिनों में मनाली में पर्यटकों का मेला लगेगा। उन्होंने कहा कि रोहतांग दर्रे के बहाल होते ही मनाली में पर्यटन कारोबार गति पकड़ेगा।

बीआरओ बर्फ हटाते हुए रोहतांग दर्रे में पहुंचा

बीआरओ बर्फ हटाते हुए रोहतांग दर्रे में पहुंच गया है। गत पांच अक्टूबर से बर्फबारी होने से रोहतांग दर्रा सैलानियों के लिए बंद हो गया था। सैलानी हालांकि मढ़ी तक जा रहे है लेकिन दर्रा अभी बंद है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि बीआरओ द्वारा रोहतांग दर्रा बहाल करने के बाद जल्द ही दर्रे का दौरा किया जाएगा और हालात सहित पार्किंग व्यवस्था होते ही पर्यटकों के लिए रोहतांग बहाल कर दिया जाएगा।

सोलंगनाला में स्काई अल्ट्रा दौड़ का आगाज

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली के सोलंग में सबसे कठिन हाई-एल्टीट्यूड ट्रेल रनिंग दौड़ सोलंग स्काईअल्ट्रा प्रतियोगिता चल रही है। इस स्पर्धा में 300 के लगभग धावक हिमालय की खड़ी चढ़ाई और टूटे रास्ते पार कर अपने को अव्वल साबित करने में जुटे हुए हैं। इस दौड़ में चार अलग-अलग और बेहद चुनौतीपूर्ण श्रेणियां हैं, जो हर स्तर के धावक को अपनी सीमाओं को परखने का अवसर देती हैं। इनमें बड़ी चुनौती 14 किमी की माउंट पतालसू तक की दौड़ के अलावा 30 किमी, 60 किमी और सबसे कठिन 100 किमी की दौड़ शामिल है। 100 किमी की मुख्य श्रेणी में धावकों को लगभग 24,114 फीट से अधिक की कुल चढ़ाई करनी पड़ती है, जो इसे शारीरिक और मानसिक रूप से देश की सबसे कठिन दौड़ों में से एक बनाती है। अल्ट्रा दौड़ के निदेशक विश्वास सिंधु ने कहा कि सोलंग स्काईअल्ट्रा 10वी बार आयोजित हो रही है। इस संस्करण तक पहुंचना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस प्रतियोगिता का सोमवार को समापन समारोह होगा जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

निरमंड खंड पहली बार बना ओवरऑल चैंपियन

जितेंद्र गुप्ता, अनंत ज्ञान

आनी। कुल्लू जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला काईस में आयोजित अंडर-14 छात्र वर्ग की जिला स्तरीय माइनर गेम्स खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। जिसमें निरमंड खंड ने 59 खिलाड़ियों जिनमें 31 छात्राओं और 28 छात्रों ने भाग लेकर के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की।

प्रतियोगिता में कुल्लू जिला के 6 खंडों के लगभग 495 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वॉलीबाल में निरमंड खंड की गर्ल्स टीम प्रथम और ब्वॉयज टीम द्वितीय रही। खो-खो में निरमंड गर्ल्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं बैडमिंटन ब्वॉयज टीम ने भी द्वितीय स्थान हासिल किया। मार्च पास्ट में निरमंड की टीम ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों वर्गों में पहले स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का नेतृत्व खंड खेल प्रभारी मान सिंह ने किया। कोच रवि ठाकुर (वॉलीबाल) के साथ पवन नेगी, बिहारी लाल, उत्तम वर्मा, दिनेश बिष्ट, जगमोहन सिंह,बलदेव ठाकुर, लता देवी, अरुणा ठाकुर, धनीराम आदि ने खिलाड़ियों को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अब निरमंड खंड के चयनित खिलाड़ी आगामी 26 अक्तूबर से जुबल में होने वाले राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

ओवरऑल चैंपियनशिप बनी निरमंड खंड की टीम व अन्य गणमान्य।

मां की तलाश में दर-दर भटक रहा नेपाल का युवक

अनंत ज्ञान, मनाली। 40 साल पहले नेपाल को छोड़कर भारत आई मां को तलाशने उसका बेटा मनाली पहुंचा है। बेटे को दूर के रिश्ते में लगे मामा ने 20 साल पहले बताया था कि उसे कुल्लू मनाली में उसकी मां मिली थी जिसने नेपाली मूल के व्यक्ति से शादी की है और उसके तीन बच्चे भी हुए हैं।

मां को तलाशने नेपाल से कुल्लू मनाली पहुंचे पदम गुरुड ने बताया कि 20 साल पहले जिस रिश्तेदार ने उनकी मां के मनाली होने की जानकारी दी थी उसका भी देहांत हो गया है। उसने बताया कि वह जल पोखरी सैनिक राधापुर बांके नेपालगंज नेपाल का निवासी है। पदम गुरुड ने बताया कि उसके रिश्तेदार ने इतना ही बताया था कि उसकी मां कुल्लू मनाली में मिली थी और उसकी मां ने नेपाल मूल के व्यक्ति से दूसरी शादी कर ली है। वह गांव में अपने पति व तीन बच्चों के साथ गांव में रहती है। बेटे ने बताया कि वह कुल्लू, मनाली के हर एक गांव में जाकर तलाश कर रहा है, लेकिन कोई मां के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही। उसने बताया कि किसी को भी इस प्रकार की जानकारी मिलती है तो वह 977, 9868028984 व्हाट्स ऐप में जानकारी दें। उन्होंने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि वह 40 साल पहले बिछड़े अपनी मां से जरूर मिलेंगे।

सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों का किया विरोध

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सीटू का 12वां कुल्लू जिला सम्मेलन रविवार को शहीद अशोक भवन सीटू कार्यालय लोअर ढालपुर में संपन्न हुआ।

यह सम्मेलन 11 अक्तूबर को शुरू हुआ था, जिसका उद्घाटन सीटू के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर ठाकुर ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों की कड़े शब्दों में निंदा की और आने वाले समय में इन नीतियों के खिलाफ मजदूर वर्ग को मजबूती से विरोध करने का आह्वान किया। सम्मेलन में महासचिव राजेश ठाकुर द्वारा पिछले तीन वर्षों की संगठित रिपोर्ट पेश की और सम्मेलन में आए हुए जिले की विभिन्न यूनियनों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने इस रिपोर्ट पर चर्चा की और भविष्य में संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए। सम्मेलन में भवन एवं सड़क निर्माण कामगारों को मिलने वाली सुविधाओं को रोकने के विरोध में, चार श्रम संहिताओं के विरोध में, स्कीम वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी घोषित न करने के विरोध में और सांप्रदायिकता और जातिवाद की बढ़ती घटनाओं के विरोध में प्रस्ताव पास किए गए। वहीं, रविवार को सम्मेलन के समापन अवसर पर सीटू की अगले तीन वर्षों के लिए नई जिला कार्यकारिणी के गठन के पथ सम्मेलन का समापन हुआ। नई कार्यकारिणी में सीटू के जिला अध्यक्ष चमन ठाकुर, जिला महासचिव राजेश ठाकुर व कोषाध्यक्ष भूप सिंह भण्डारी और उपाध्यक्ष राम चंद, रवि कुमार, शशि किरण, ललित कुमार, श्यामा शर्मा व प्चिव पदम प्रभाकर, मिलाप चन्द, प्रिता, धर्मपाल, नोख सिंह को चुना गया।

सम्मेलन में 35 प्दस्य जिला कमेटी का गठन किया गया। इस मौके पर सीटू के राज्य सम्मेलन जोकि सोलन जिला में 26 से 28 अक्तूबर को होने जा रहा है के लिए 30 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का प्रस्ताव पास किया गया, जो राज्य सम्मेलन में भाग लेंगे।

सीटू का कुल्लू जिला सम्मेलन शहीद अशोक भवन सीटू कार्यालय लोअर ढालपुर में संपन्न हुआ।

पंचायत चौकीदारों की सेवानिवृत्ति 58 से बढ़ाकर की जाए 60 वर्ष: प्रेम वर्धन

मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी मांगें रखते हुए पंचायत चौकीदार यूनियन के प्रतिनिधि।

अनंत ज्ञान, भुंतर

हिमाचल प्रदेश पंचायत चौकीदार यूनियन एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से सचिवालय शिमला में मिले। यूनियन के अध्यक्ष भुंतर निवासी प्रेम वर्धन ने कहा कि इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने अपना मांग पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जो पंचायत चौकीदारों से रिकवरी ली जा रही है उस पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के समक्ष यह भी मांग रखी है कि जिन पंचायत चौकीदारों को 12 साल से ऊपर सेवा में हो चुके हैं जिस पर सरकार ने रोक लगाई है इस रोक को हटाकर तुरंत पंचायत चौकीदारों को दैनिक होगी बनाया जाए। साथ में यह भी मांग रखी है कि जो पंचायत चौकीदारों की ड्यूटी विकास खंडों में लगाई जा रही है उसके बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत करवाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पंचायत चौकीदारों को 58 वर्ष की आयु में रिटायर किया जा रहे हैं वह भी सरासर गलत है। जब अन्य विभागों में 60 साल में सेवानिवृत्त किया जा रहा है तो पंचायत चौकीदारों को 58 वर्षों में क्यों। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को विश्वास दिया है कि उनकी सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

संकल्प पतलीकूहल में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का किया भव्य आयोजन

कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा के लिए किया प्रेरित

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में रविवार को पतलीकूहल में विजयादशमी एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और संगठन के पंच परिवर्तन के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। विजयादशमी उत्सव में संघ के कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने लायक था। इस कार्यक्रम में 7 मंडलों और 23 पंचायतों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त डीआईजी एसएसबी शेर सिंह ने की, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिमाचल प्रांत के कृष्ण मोहन रहे, जबकि संघ कार्यवाह अशोक ठाकुर ने कार्यक्रम से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सभी स्वयंसेवकों ने संघ के 100वें वर्ष के संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाने और एक सशक्त व समरस राष्ट्र के निर्माण के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करने का प्रण लिया।इस मौके पर संघ के बौद्धिक प्रमुख और मुख्य वक्ता ने समाज में बड़े बदलाव लाने के लिए पंच परिवर्तन की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जोर दिया कि इन पांच सूत्रों को सुचारू रूप से लागू करके ही समाज में अपेक्षित परिवर्तन लाया जा सकता है। संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि पंच परिवर्तन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए संगठन के शताब्दी वर्ष का एक मुख्य एजेंडा है। वक्ताओं ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि सामाजिक समरसता के मार्ग में समाज में नशा-विक्रय जैसी बुराइयां एक बड़ी बाधा हैं, जिन पर काम करने की सख्त जरूरत है।

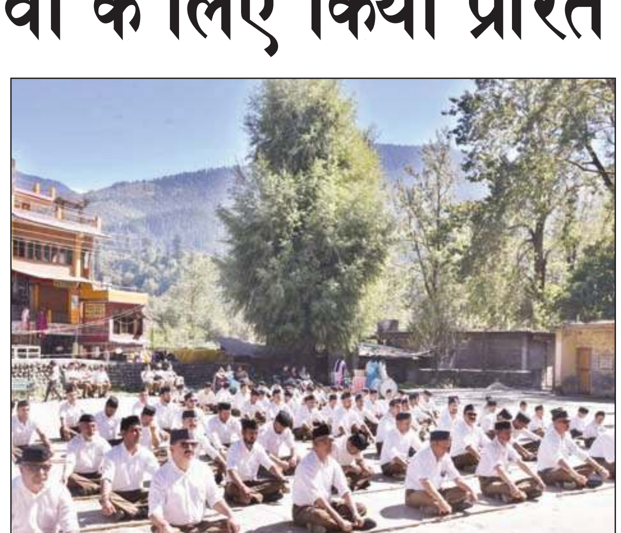
पतलीकूहल में शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक।

पांच बिंदुओं पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया

सामाजिक समरसता (समाज में एकता और सद्भाव), कुटुंब प्रबोधन (परिवारों में अच्छे संस्कारों का संचार), स्वदेशी एवं स्व-आधारित जीवन (स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग और आत्मनिर्भरता),पर्यावरण संरक्षण (प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा), नागरिक कर्तव्य (अपने दायित्वों के प्रति सजगता)।

प्रदेश में बढ़ रहीं महिला यौन उत्पीड़न की घटनाएं: ममता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति हिमाचल प्रदेश जिला कमेटी कुल्लू की अध्यक्ष ममता नेगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। जारी एक प्रेस बयान में उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिला यौन उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो कि चिंताजनक विषय है।

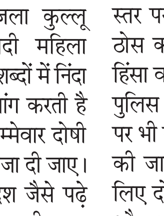

उन्होंने कहा कि सोलन में एक डॉक्टर, जो कि भाजपा पार्टी से संबंधित पदाधिकारी के भाई बताए जा रहे हैं उनके द्वारा एक युवती जो इलाज करवाने गई थी, उनके साथ यौन उत्पीड़न व दुष्कर्म करने की शर्मनाक घटना सामने आई है। उन्होंने कहा कि जिला कुल्लू अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है तथा पुलिस से मांग करती है कि इस घटना के लिए जिम्मेवार दोषी को कानून के तहत सख्त सजा दी जाए। ये न केवल हिमाचल प्रदेश जैसे पढ़े लिखे राज्य में शर्मसार करने वाली घटना है, बल्कि इलाज के बहाने किसी डॉक्टर के द्वारा मरीज के साथ यौन उत्पीड़न जैसे घिनौने कृतज्ञ को कभी भी जायज नहीं ठहराया जा सकता है और इनके द्वारा जो भी इलाज के नाम पर धंधा चलाया जा रहा है उस पर भी तुरंत रोक लगाई जाए, ताकि डॉक्टर जैसे नेक पेशा बदनाम न हो। वहीं, उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से प्रदेश में महिला व दलित उत्पीड़न के मामले में तेजी से बढ़ रहे हैं। हाल ही में कुल्लू जिले के सैंज में एक दलित महिला के साथ गैंग रेप के बाद उसकी हत्या कर उसका शव जंगल में फैंक दिया गया था। प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़, हिंसा व उनके उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि का मुख्य कारण है कि सरकार महिला हिंसा को लेकर बात तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर इस पर रोक को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। महिला हिंसा व उत्पीड़न को लेकर जो मुकदमे पुलिस में दर्ज किए भी जाते हैं तो उन पर भी समय रहते उचित कार्यवाही नहीं की जाती है। इससे महिला हिंसा के लिए दोषी को सजा नहीं मिल पाती है और इससे अपराध और अधिक बढ़ते हैं, ऐसे में आरोपियों के हौंसले बुलंद होते हैं और इन पर रोक लगाना संभव नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

कृषि में आत्मनिर्भरता व उद्यमिता का प्रशिक्षण

अनंत ज्ञान, डाडलाघाट। डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी व वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन के खाद्य एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आरकेवीवाई रफ्तार परियोजना के तहत 2 दिन का प्रशिक्षण शिविर दसेरन पंचायत (भराड़ीघाट) में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में लगभग 30 किसान बागवानों को खाद्य प्रसंस्करण द्वारा कृषि में आत्मनिर्भरता व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किसान, बागवानों को प्रशिक्षित किया गया। इस शिविर में विभाग से डॉक्टर मनीषा कौशल, डॉ. अनिल कुमार वर्मा व दीवान चंद उपस्थित रहे। दो दिन के कार्यक्रम में किसानों द्वारा जैम, फल आधारित पेय पदार्थ, आचार व चटनी आदि बनाए गए। विश्वविद्यालय से आए प्रशिक्षकों ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए सही पोषण व प्राकृतिक उत्पादों का उपयोग जरूरी है। इसके अतिरिक्त स्थानीय उत्पादों का उपयोग कर ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार, मौसम आधारित उत्पादों का सही उपयोग, खाद्य सुरक्षा व न्यूट्रिशन सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। फल प्रसंस्करण को आमदनी बढ़ाने व स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बढ़ावा देने की आवश्यकता है। भारत में फल व सब्जियों के कुल उत्पादन का केवल दो प्रतिशत ही प्रोसेस होता है, जबकि अन्य देशों जैसे फिलीपीन ब्राजील मलेशिया आदि में 70 से 80 प्रतिशत फल सब्जियों के उत्पाद को प्रसंस्करण के लिए उपयोग किया जाता है।

समिति ने महिला हिंसा पर गंभीर चिंता जताई

अनंत ज्ञान, नाहन। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने देश और प्रदेश में बढ़ रहे महिला हिंसा के मामलों पर गंभीर चिंता जताई है। हाल ही में कुल्लू के सैंज में तथा सोलन में हुए युवती के साथ यौन हिंसा ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। देश व प्रदेश में आज महिलाएं तथा युवतियां खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बहुत ही ज्यादा दुःखद और चिंताजनक बात तब हो जाती है, जब वृद्धावस्था पर आरोप लगते हैं। इतनी घटिया हरकतों पर उतारू होना बहुत ही ज्यादा दुखद, चिंताजनक है। ये कैसी संस्कृति को आगे बढ़ाया जा रहा है वैद और समृद्ध लोग अपनी उम्र को ताक पर रख कर इस तरह की हरकत को अंजाम देते हैं। इसके उदाहरण हम यौन हिंसा के मामलों में संलिप्त तथाकथित आसाराम बापू, राम-रहीम व अन्यों के मामलों व राजनेताओं के मामले इस बात के उदाहरण हैं। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति हिमाचल प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग करती है तथा पीड़िता व उसके परिजनों को सुरक्षा देने की भी मांग करती है क्योंकि यह एक नामी गिरामी परिवार से जुड़ा हुआ मामला है। इसमें हर तरह के प्रयास केस को खत्म करने, वापस लेने और अन्य प्रयास किए जा सकते हैं। पुलिस प्रशासन पर भी हर तरफ से दबाव बनाया जा सकता है इसलिए मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू का ध्यान रखा जाए। इस तरह की अपराधिक घटनाओं को दबाने के कारण ही आज महिलाएं व बेटियां तरह-तरह की हिंसाओं का शिकार हो रही हैं और अपराधियों के मनोबल बढ़ते जा रहे हैं। महिला समिति उक्त घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

रेणुका मेले में देसी घी के दीये होंगे प्रज्वलित

अनंत ज्ञान, नाहन। अंतरराष्ट्रीय रेणुका जी मेले के दौरान श्री रेणुका माता मंदिर परिसर में पहली बार रोजाना हवन व पूजा पाठ किया जाएगा। यह जानकारी रेणुका विकास बोर्ड के सदस्य सचिव एसडीएम नाहन राजीव ने देते हुए बताया कि मेले के रोजाना शाम को माता रेणुका की आरती की जाएगी, जिसमें प्रतिदिन मां रेणुका झील में देसी घी के दीये प्रवाहित किए जाएंगे। एसडीएम ने क्षेत्रवासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग दें। सभी धनी सज्जन अपना योगदान देना चाहते हैं, वे रेणुका विकास बोर्ड के कार्यालय में यथाशक्ति, यथाइच्छा देसी घी दान करें और मां रेणुका का आशीर्वाद प्राप्त करें।

पीजी कॉलेज में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू

अनंत ज्ञान, नाहन। डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहन ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ी और अनूठी पहल की शुरुआत की है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेट्स ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है, जिसके तहत कॉलेज परिसर में एक विशिष्ट एनएसएस वाटिका का निर्माण किया जाएगा। इस अभियान का आगाज महाविद्यालय के प्राचार्य विभव शुक्ला ने स्वयं एक औषधीय पौधा लगाकर किया। यह अभियान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि स्वयंसेवकों ने न केवल एक हरा-भरा उपवन तैयार करने का बीड़ा उठाया है, बल्कि उसके दीर्घकालिक संरक्षण को भी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। एनएसएस के नोडल ऑफिसर डॉ. पंकज चांडक ने बताया कि एनएसएस वाटिका बनाने का विचार स्थानीय विधायक अजय सोलंकी द्वारा दिया गया था। विधायक सोलंकी ने इस वाटिका में एक पेड़ मां के नाम लगाकर इसे समाज के संस्कारों में शामिल करने का आह्वान किया था। एनएसएस हेड बॉय हर्ष, बीपीए हेड गर्ल मीनाक्षी ने जानकारी दी कि इस वाटिका में औषधीय पौधों के साथ-साथ छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे। कैडेट्स का कहना है कि बाद में इन पौधों को महाविद्यालय के छात्रों को वितरित किया जाएगा, ताकि वे अपने घर और आस-पास के क्षेत्रों में 'एक पौधा मां के नाम' लगाकर इस अभियान को एक महाअभियान का रूप दे सकें। एनएसएस के द्वितीय कार्यक्रम अधिकारी ट्विंकल का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल एक दिन पेड़ लगाकर औपचारिकता निभाना नहीं है, बल्कि पेड़ लगाने को संस्कारों में शामिल करते हुए इसे एक स्थायी रिवाज का दर्जा देना है।

विक्रमादित्य को भेंट किया स्व. वीरभद्र का सराहनीय आलेख

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। जिला सिरमौर के स्वतंत्र लेखक हेमराज राणा ने स्व. राजा वीरभद्र सिंह की शिमला के रिज मैदान में स्थापित प्रतिमा अनावरण के एक दिन पूर्व स्व. राजा वीरभद्र सिंह की हिमाचल प्रदेश के रूप में सराहनीय सेवाओं और प्रदेश की जनता के दिलों में राज करने वाले स्व वीरभद्र सिंह पर आधारित सुंदर लेख स्वरूप छायाचित्र को उनके सुपुत्र और हिमाचल प्रदेश में लोकनिर्माण और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह को भेंट किया, जिस सुंदर व महत्वपूर्ण लेख की मंत्री विक्रमादित्य ने भी सराहना की और इस प्रकार भविष्य में समय-समय पर देवभूमि हिमाचल की खास शख्सियतों के जीवन पर आधारित उपलब्धियों व संघर्ष को लिखने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। वहीं, वर्षों से सिरमौर के हेमराज राणा समय-समय पर राजनीति से ऊपर उठकर जनहित में जनता की समस्याओं और विशेषताओं को उठाने का प्रयास कर रहे हैं।

कंडाघाट-चायल सड़क बंद, लोग परेशान

प्रेम कुमार, अनंत ज्ञान, कंडाघाट। चायल-कंडाघाट सड़क मार्ग साधुपुल के पास ट्रक खराब होने के कारण पांच घंटे बंद रहा। इसके कारण पर्यटकों और लोगों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ा। साधुपुल के पास सुबह करीब 12बजे एक ट्रक का एक्सल टूट गया। वहीं सड़क इतनी तंग थी कि दोपहिया वाहन भी क्रास न हो सके। सड़क बंद होने के कारण आवाजाही ठप्प हो गई। सड़क पर दोनों तरफ बहुत लंबा जाम लग गया। जाम न खुला तो रूट की दोनों तरफ फंसी सवारियों की अदला बदली करनी पड़ी। कुछ छोटी गाड़ियां वाया जुब्बा चायल पहुंची। समाचार लिखे जाने तक सड़क बंद है और लोग परेशान हो रहे हैं। इस बीच साधुपुल में मेले में जाने वाले वाहन और लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ा।

तीन युवकों से 503 ग्राम चूरापोस्त व चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान, सोलन। पुलिस चौकी शहर सोलन की टीम जब शनिवार रात्रि को न्यू मॉडर्न ढाबा के पास नाकाबंदी पर मौजूद थी तो उसी दौरान चंडीगढ़ की तरफ से एक आल्टो कार आई जिसे चेकिंग हेतु रोका जिसमे 3 युवक बैठे थे। चेकिंग के दौरान उक्त आल्टो कार में बैठे युवकों जिनके नाम रोहित पुत्र भूप चांद निवासी गांव साईं डाकखाना बलेरा तहसील अर्की जिला सोलन उम्र 23 वर्ष, तरुण पुत्र प्रताप सिंह निवासी गांव साईं डाकखाना बलेरा तहसील अर्की जिला सोलन उम्र 27 वर्ष व कैलाश चन्द पुत्र रूप राम निवासी गांव साईं डाकखाना बलेरा तहसील अर्की जिला सोलन उम्र 29 वर्ष मालूम हुए के कब्जा से 503 ग्राम चूरापोस्त व 4.43 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया, जिस पर पुलिस थाना सदर सोलन में उपरोक्त अभियोग पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान मामले में संलिप्त आल्टो कार को जब्त करके कब्जा पुलिस में लिया गया। तीनों आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। मामले में जांच जारी है।

संघ शताब्दी वर्ष पर शस्त्र पूजन व पथ संचलन

कृष्ण रघुवंशी, अनंत ज्ञान, अर्की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को अर्की के चौगान मैदान में संघ शताब्दी वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने एकत्र होकर शस्त्र पूजन के उपरांत पथ संचलन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका मयूराक्षी सिंह और मुख्य वक्ता के रूप में शिमला विभाग प्रचारक महेश्वर उपस्थित रहे। मुख्यातिथि मयूराक्षी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक परिवार में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और माता बच्चे की प्रथम गुरु होती है। माता ही बच्चों में संस्कार,संस्कृति और देशसेवा की भावना जागृत करती है। उन्होंने कहा कि संघ अनुशासन, संगठन और सेवा की भावना का प्रतीक है। यह देखकर गर्व होता है कि स्वयंसेवक समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। शताब्दी वर्ष हमारे लिए प्रेरणा का अवसर है, जिससे नई पीढ़ी राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना लेकर आगे बढ़ेगी।

डाइट सोलन की शिक्षा की दिशा में सशक्त पहल

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा और छात्रवृत्ति परीक्षा की मिलेगी मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान सोलन ने हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। ये पहल विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। डाइट में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा 6वीं) हेतु ऑनलाइन कोचिंग शुरू की है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ शिक्षक दिवस के अवसर पर किया गया था। इसका उद्देश्य नवोदय विद्यालय में प्रवेश की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को निशुल्क मार्गदर्शन प्रदान करना है। जिसमें शिक्षक सशक्त भूमिका निभा रहे हैं।

इसकी समय सारिणी के मुताबिक पहला बैच शाम 6 से 7 बजे, दूसरा बैच शाम 7 से 8 बजे सोमवार से शुक्रवार तक नियमित कक्षाएं चलती हैं, जबकि शनिवार एवं रविवार को सप्ताह भर पढ़ाए गए विषयों पर आधारित ऑनलाइन क्विज का आयोजन होता है। योजना के तहत अब तक 200 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। प्रतिदिन लगभग 130 विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट सोलन के प्रधानाचार्य शिव कुमार शर्मा द्वारा की जा रही है। संपूर्ण पर्यवेक्षण संदीप चंदेल द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा शिक्षक सुनील, मोहित जेबीटी प्राइमरी स्कूल डिग्गल, सुनील प्राइमरी स्कूल सुबाथू, कुलदीप प्राइमरी लूणा, तेजिंदर टीजीटी दाड़लाघाट स्कूल, समन टीजीटी जडली स्कूल, ज्योति महाजन टीजीटी सेरा स्कूल, सुश्री भागीरथी जेबीटी प्राइमरी स्कूल कुमारहट्टी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

> डाइट सोलन के प्रधानाचार्य शिव कुमार शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और विषयगत समझ को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हो रहा है। इसी तरह डाइट विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए भी आवश्यक विषयों में दक्षता प्रदान कर रहा है, जिससे वे आगे की शिक्षा के लिए आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इच्छुक अभ्यर्थी डाइट सोलन में संपर्क कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति परीक्षा की कोचिंग भी

राष्ट्रीय आय व मेरिट मीन्स छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी के लिए डाइट सोलन द्वारा एक अन्य निशुल्क ऑनलाइन कोचिंग कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इसकी क्लास प्रतिदिन शाम 5:30 से 6:30 बजे तक होती है, अब तक 150 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। प्रतिदिन लगभग 50 विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। इसका संचालन अजय कुमार टीजीटी और राजेंद्र कुमार, टीजीटी रामपुर गुजरां स्कूल संभाल रहे हैं।

हरिपुर मस्जिद में तथाकथित हुए चुनाव जनरल हाउस ने किए खारिज

एसपी जैरथ, अनंत ज्ञान

नाहन। मस्जिद हरिपुर के नाम पर कराये तथाकथित चुनाव को खारिज कर दिया गया। हरिपुर मस्जिद के जनरल हाउस में यह फैसला सर्व सम्मति से किया गया। हाउस में हरिपुर मोहल्ले के 65 लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता इंतजामिया कमेटी अध्यक्ष शाकिर खान ने की बैठक में मस्जिद के कार्यों की रिपोर्ट पेश की गई।

उन्होंने वर्तमान में अंजुमन इस्लामिया द्वारा कराए गए तथाकथित फर्जी चुनाव के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केवल 8-10 लोगों ने मिलकर एक व्यक्ति को कथित रूप से अध्यक्ष घोषित कर दिया, यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि मस्जिद हरिपुर का हिसाब-किताब देने से बचने के लिए यह फर्जी चुनाव कराया गया है, जबकि वर्तमान इंतजामिया कमेटी को मोहल्ले के लोगों द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से चुना गया है और यह कमेटी समाज व मस्जिद की भलाई के लिए पारदर्शी रूप से कार्य कर रही है। बैठक को, फिरोज खान और साकिब खान ने भी संबोधित किया। उन्होंने अंजुमन इस्लामिया द्वारा कराए गए इस फर्जी चुनाव का बहिष्कार करते हुए यह सुझाव दिया कि भविष्य में मस्जिद हरिपुर का निजाम (प्रबंधन) केवल हरिपुर मोहल्ला के लोगों द्वारा ही किया जाना चाहिए, जैसे चलता आ रहा है। न कि अंजुमन इस्लामिया या किसी बाहरी संस्था द्वारा। इस्लाम अली उपाध्यक्ष, इंतजामिया कमेटी) ने जनरल हाउस को संबोधित करते हुए मस्जिद के बैंक विवरण और वित्तीय स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इंतजामिया कमेटी मस्जिद मोहल्ला हरिपुर, नाहन द्वारा गत वर्ष 9,20,368 की आय हुई, जिसमें से 26,28,300 मस्जिद के धार्मिक कार्यों, रखरखाव एवं जिर्णोद्धार पर व्यय किए गए। उन्होंने मस्जिद के मुख्य निर्माण कार्य की भी जानकारी दी तथा आगामी वर्ष में मस्जिद की बेहतरी के लिए प्रस्तावित योजनाओं का विवरण भी मोहल्ले के सभी लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मस्जिद हरिपुर के नाम पर कराए गए तथाकथित चुनाव को सभी ने सर्वसम्मति से अस्वीकार और निंदा करते हैं। यह चुनाव पूर्णतः फर्जी, गैरकानूनी और अवैध है, जो हरिपुर मोहल्ला के लोगों की इच्छा व सहमति के बिना करवाया गया और यह फर्जी चुनाव इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि मस्जिद हरिपुर का हिसाब-किताब देने से बचने के लिए कराया गया है। उपस्थित मोहल्ला निवासियों ने एकमत होकर कहा- हम इस फर्जी चुनाव का बहिष्कार करते हैं।

बाल श्रम कानून का उल्लंघन दंडनीय अपराध : डॉ. अनुराग

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

मेरा गांव मेरा देश-एक सहारा संस्था के निदेशक डॉ. अनुराग गुप्ता (एडवोकेट) ने बताया कि बच्चों से सफाई कार्य या किसी भी प्रकार का श्रम करवाना कानून पूरी तरह प्रतिबंधित है।

उन्होंने कहा कि यह न केवल बाल श्रम निषेध कानून 1986 (संशोधित 2016) का उल्लंघन है, बल्कि यह बच्चों के मूल अधिकारों का भी हनन है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य करवाना- चाहे वह सफाई, होटल, दुकान, निर्माण कार्य या कचरा उठाने से संबंधित हो पूरी तरह अवैध है। यह कार्य खतरनाक श्रेणी में आते हैं और ऐसे में नाबालिगों को लगाना दंडनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों को भी केवल गैर-खतरनाक कार्यों में ही सीमित समय और सुरक्षा के साथ लगाया जा सकता है। इनके लिए भी सख्त नियम निर्धारित हैं कार्य समय अधिकतम 6 घंटे प्रतिदिन, रात 7 बजे से सुबह 8 बजे तक कार्य नहीं कराया जा सकता और लगातार 3 घंटे से अधिक बिना विश्राम के काम देना वर्जित है। डॉ. अनुराग गुप्ता ने आगे बताया कि बाल श्रम पाए जाने पर संबंधित संस्था, पंचायत या व्यक्ति के खिलाफ 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा या 20,000 से 50,000 तक का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने कहा कि सफाई या कचरा उठाने जैसे कार्यों में बच्चों को लगाना मानवाधिकार का उल्लंघन है और यह सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन माना जाएगा। उन्होंने संस्थाओं व पंचायतों से अपील की कि यदि 15-18 वर्ष के किशोर किसी कार्य में संलग्न हों, तो उन्हें केवल सुरक्षित व हल्के कार्यों जैसे फाइल व्यवस्था, पौधरोपण या कार्यालय परिसर की स्वच्छता निरीक्षण कार्य तक सीमित रखा जाए।

पाइनग्रोव स्कूल ने राहत कोष में 11 लाख रुपए दिए

अनंत ज्ञान, सोलन। पाइनग्रोव स्कूल ने हिमाचल प्रदेश में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 लाख रुपए दान किए हैं। स्कूल के निदेशक कैप्टन एजे सिंह ने राजधानी शिमला में सीएम को यह चेक सौंपा और बाढ़ से प्रभावित सैकड़ों परिवारों की मदद की। प्रदेश में बाढ़ ने अपना सबसे भयानक प्रकोप फैलाया है और अनगिनत लोगों को प्रभावित किया है। कैप्टन ए.जे सिंह ने कहा कि सभी को आगे आकर अपनी क्षमतानुसार योगदान देना चाहिए, क्योंकि केवल राहत कार्य ही पर्याप्त नहीं हैं।

प्रमुख कृषि योजनाओं के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा

अनंत ज्ञान, सोलन

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी तथा इसके अंतर्गत आने वाले पांच कृषि विज्ञान केंद्रों में 560 से अधिक किसानों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों ने नई दिल्ली के पूसा से प्रसारित प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना तथा आत्मनिर्भरता ऑन पल्सेज मिशन सहित कई अन्य प्रमुख कृषि योजनाओं के राष्ट्रीय शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा।

कृषि योजनाओं के राष्ट्रीय शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 35,440 करोड़ की कुल लागत वाली इन ऐतिहासिक योजनाओं का शुभारंभ करते हुए किसानों से घरेलू एवं वैश्विक खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और लाभकारी बनाना है। यह योजना विशेष रूप से उन 100 पिछड़े जिलों पर केंद्रित है, जहां कम उत्पादकता, जल की कमी और संसाधनों के अभाव जैसी चुनौतियां हैं। नौणी में यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया। इसमें नौणी, शमरोड, कोटला पंजोला और धर्मपुर ब्लॉक के 260 से अधिक किसान, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और विद्यार्थी शामिल हुए तथा उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नई योजनाओं के उद्देश्यों की जानकारी दी और विश्वविद्यालय की विभिन्न विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने किसानों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें और इनमें सक्रिय रूप से भाग लेकर अधिकतम लाभ उठाएं।

किसानों ने भी अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के चंबा, सोलन, शिमला, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों में भी कुल 306 किसानों ने इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

111 श्रद्धालुओं का जत्था वृंदावन के लिए रवाना

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट

हरिशील फाउंडेशन व अर्की विकास समिति द्वारा संचालित निशुल्क वृंदावन धार्मिक यात्रा निरंतर उत्साह और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ रही है। यात्रा के 14वें चरण में ग्राम पंचायत दाड़लाघाट के 111 श्रद्धालुओं को भावपूर्ण विदाई के साथ वृंदावन के लिए रवाना किया गया।

विदाई समारोह के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। राधा-कृष्ण के भजनों की मधुर धुनों पर महिलाओं ने नृत्य करते हुए अपनी श्रद्धा और आनंद की अभिव्यक्ति की। श्रद्धालुओं ने इस पवित्र पहल के लिए यात्रा संयोजक राजेंद्र ठाकुर और उनकी टीम का गीतों के माध्यम से आभार जताया।

यात्रा से पूर्व श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा मीठा मुंह करवाने के बाद नाश्ता परोसा गया। दो बसों में रवाना हुए श्रद्धालु पहले पवित्र ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र में स्नान व दर्शन करेंगे, जिसके पश्चात वे रात्रि तक वृंदावन पहुंचेंगे। अर्की विकास समिति के संयोजक राजेंद्र ठाकुर ने बताया कि हरिशील फाउंडेशन व समिति के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को आध्यात्मिक अनुभव से जोड़ना है। उन्होंने कहा यह सब भगवान श्रीकृष्ण व राधारानी के आशीर्वाद से संभव हुआ है, जब तक राधारानी का आशीर्वाद बना रहेगा, तब तक अर्की उपमंडल की प्रत्येक ग्राम पंचायत की महिलाओं को चरणबद्ध तरीके से यह निशुल्क वृंदावन यात्रा करवाई जाएगी। श्रद्धा व भक्ति से ओतप्रोत इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी देखते ही बनती है। पूरे क्षेत्र में हरिशील फाउंडेशन और राजेंद्र ठाकुर के इस जनसेवी एवं धार्मिक प्रयास की सराहना की जा रही है।

हरिशील फाउंडेशन व अर्की विकास समिति द्वारा संचालित निशुल्क वृंदावन धार्मिक यात्रा निरंतर उत्साह व श्रद्धा के साथ आगे बढ़ रही।

सुनील बने राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ के अध्यक्ष

शिक्षा खंड राजगढ़ में राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ के चुनावों में चुने हुए सदस्य।

अनंत ज्ञान, राजगढ़

शिक्षा खंड राजगढ़ में आम सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता मनोज कुमार महासचिव जिला सिरमौर द्वारा की गई।

आम सभा में पर्यवेक्षक के रूप में विजेश अत्री, अध्यक्ष जिला सिरमौर ने शिरकत की, उनकी देख रेख में खंड की नई राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ का गठन किया गया। इस दौरान सुनील दत्त शर्मा को सर्व सम्मति से प्रधान पद के लिए चुना गया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर मोहन लाल को चुना गया, महासचिव के पद पर शीतल कुमार को चुना गया तथा कोषाध्यक्ष पद पर सतीश ठाकुर को सर्व सम्मति से चुना गया। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए नव निर्वाचित सदस्यों का चयन किया गया। सभी चयनित सदस्यों ने उपस्थित जन सभा का धन्यवाद किया और संघ को मजबूत बनाने के लिए शपथ ली। जिला प्रतिनिधि के रूप में मनोज कुमार व अन्य सदस्यों ने कार्यकारिणी विस्तार का अधिकार नवनिर्वाचित सदस्यों को दिया।

पांवटा मर्डर केस में कुछ घंटों में दबोचा फरार कातिल

अनंत ज्ञान, पांवटा/नाहन। पांवटा साहिब की हिमुडा कॉलोनी में हुए मर्डर को गुत्थी पुलिस ने रात में ही सुलझाते हुए सनसनीखेज वारदात के बाद मौके से फरार हुए कातिल को धर दबोचा। डीएसपी पांवटा मानवेंद्र ठाकुर ने बताया कि कॉलोनी के एक निर्माणाधीन मकान में काम करने वाले 2 प्रवासी मजदूरों के बीच किसी बात को लेकर आपस में लड़ाई होने लगी। इस दौरान एक मजदूर रघुवीर निवासी बुढ़नपुर माजरी मौलीजागरा पंचकूला ने अपने साथी रामरख निवासी दहार लक्ष्मीगंज तहसील पटेना जिला कुशीनगर की लोहे के सरिए से मार मार कर हत्या कर दी। डीएसपी ने बताया कि मर्डर करने के बाद आरोपी कातिल मौके से फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि कातिल को पुलिस टीम ने रातों रात गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पांवटा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। मामले में पूछताछ जारी है।

निर्देश उद्योग मंत्री ने एनएच-707 और चिलोन-मृगवाल सड़क का किया निरीक्षण

कार्य में लाएं तेजी, गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान

अनंत ज्ञान, नाहन

उद्योग, संसदीय मामले व श्रम रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने अपने प्रवास कार्यक्रम के दौरान एनएच 707 तथा चिलौन-चोकी मृगवाल सड़क पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उद्योग मंत्री ने एनएच 707 पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धीमी गति से चल रहे कार्य में तेजी लाई जाए साथ ही गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि जल्द निर्माण उपरांत लोगों को अच्छी सड़क उपलब्ध हो सके। उन्होंने चिलोन-चोकी मृगवाल सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया।

चिलोन-चोकी मृगवाल सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे उद्योग मंत्री।

चिलोन-चोकी मृगवाल निर्माण कार्य आरंभ होने पर क्षेत्रवासियों ने एकत्रित होकर उद्योग मंत्री का धन्यवाद किया। चिलोन-चौकी-मिरगवाल सड़क मार्ग के निर्माण से टिक्कर, कुनैर, तीलचोंकी, बाग, तीलवाड़ी आदि गांव के लगभग 1200 लोग लाभान्वित होंगे। इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह रोड वरदान सिद्ध होगा। इसके माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों की बहुत सी कठिनाइयां दूर हो जाएंगी। वहीं, सड़क मार्ग से जुड़ने पर इस क्षेत्र के किसानों की नकदी फसलों को मंडी तक पहुंचाना आसान होगा साथ ही स्वास्थ्य तथा अन्य सुविधाओं से यह क्षेत्र जुड़ जाएगा। उद्योग मंत्री ने इस दौरान शिलाई, कफोटा तथा सतौन में क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय लोगों ने सामूहिक समस्याओं सहित व्यक्तिगत समस्याएं भी उनके समक्ष रखीं। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडलों ने उद्योग मंत्री के समक्ष उनके क्षेत्र से संबंधित मांगें भी रखीं। उद्योग मंत्री ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर समाधान किया और शेष मांगे व समस्याएं जो स्थानीय स्तर की थीं, उन्हें अधिकारियों को सौंप कर उनका समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा रखी गई मांगो को भी शीघ्र-अतिशीघ्र पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासी जब अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखते हैं, तो उनका निवारण करने में उन्हें अत्यंत खुशी की अनुभूति होती है।

उन्होंने कहा कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र के लोगों से उन्हें हमेशा असीम स्नेह मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की हर समस्या का समाधान वह पूर्ण निष्ठा व तत्परता के साथ करने की भरपूर कोशिश करते हैं, जिसके मद्देनजर वह समय-समय पर अपने विधानसभा क्षेत्र में आते हैं तथा क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनते हैं, ताकि उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जा सके। इस दौरान अध्यक्ष मार्केटिंग कमेटी सीता राम शर्मा, एसडीएम कफोटा ओम प्रकाश ठाकुर, बीएमओ केएल भगत, ओएसडी अत्तर राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व पंचायतों के चुने हुए प्रतिनिधि तथा स्थानीय लोग मौजूद रहे।

परवाणू में प्रो-कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

ओम आर्या ने खेल भावना को बताया जीवन का संस्कार

प्रो-कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ में पहुंचे मुख्यातिथि ओम आर्या।

अनंत ज्ञान, सोलन

परवाणू क्षेत्र के तीड़ो युवा क्लब की तरफ से आयोजित प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी और भाजपा नेता ओम आर्या ने बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होकर किया। उन्होंने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए क्लब के सदस्यों की सराहना की।

उन्होंने युवा क्लब को अपनी ओर से 11000/ की राशि अनुदान की। ओम आर्या ने इस अवसर पर कहा कि कबड्डी, भारत का पारंपरिक खेल है और इसका इतिहास 4000 साल पुराना है। हमारे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि अभी तक चाहे वह एशियन गेम्स हो या कबड्डी का विश्व कप भारत अब तक अभी तक सभी में विजय रहा है।

हिमाचल के सभी युवा खिलाड़ियों के लिए अजय ठाकुर एक प्रेरणा स्रोत हैं, जो भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान हैं, उन्हें 2019 में पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ओम आर्या ने युवाओं से कहा कबड्डी सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक संस्कार है। यह हमें सिखाता है कि कैसे एक टीम के रूप में लड़ना है, कैसे चुनौतियों का सामना करना है और कैसे बिना रुके आगे बढ़ना है। कबड्डी के मैदान में, हम अपनी ताकत व रणनीति का उपयोग करते हैं और यह हमें जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए तैयार करता है।

न्यूज ब्रीफ

11 लाख खर्च के बावजूद 5.5 लाख का लाभ

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हिमाचल महासभा चंडीगढ़ की जनरल हाउस बैठक रविवार को सैक्टर 23 स्थित मूनी जी मंदिर प्रांगण में अध्यक्ष श्री पृथ्वी सिंह प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मंच संचालन प्रचार सचिव सुरेंद्र शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया। महासचिव श्री भागीरथ शर्मा ने महासभा द्वारा गत छह महीनों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस अवधि में लगभग 11 लाख रुपए का व्यय किए जाने के बावजूद, दानी सज्जनों के सहयोग से महासभा लगभग साढ़े पांच लाख रुपए के लाभ में चल रही है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि महासभा ने प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के लिए उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया। बैठक के दौरान महासभा के प्रति समर्पित, कर्मठ व जुझारू सदस्यों को उनके योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र व पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही महासभा के संविधान में कुछ आवश्यक संशोधन भी किए गए। समयाभाव के कारण कुछ पदाधिकारियों को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया गया, और रिक्त हुए पदों पर महासभा के प्रति समर्पित व सक्रिय सदस्यों को दायित्व सौंपे जाने का निर्णय लिया गया। जनरल हाउस में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रस्तुत विषयों पर गंभीरता से चर्चा की और अपने सुझाव तथा आपत्तियां रखीं। सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से ध्वनिमत द्वारा पारित किया गया।

चित्रों के माध्यम से दिया सत्यनिष्ठा का संदेश

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-20 ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर आदर्श पब्लिक स्मार्ट स्कूल (एपीएस) सेक्टर-20बी, चंडीगढ़ में एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। छात्रों ने सुंदर चित्र बनाए और सतर्कता, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता का संदेश दिया। बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-20, चंडीगढ़ के मुख्य प्रबंधक विवेक कुमार त्रिपाठी और प्रबंधक प्रशासन राजेश कश्यप ने छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। प्रधानाचार्य सुनीता ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और इस चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन के लिए बैंक कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

नीतू ने ऑल इंडिया पुलिस गेम में जीता गोल्ड

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। पानीपत के गांव नौल्था निवासी नीतू जागलान को ऑल इंडिया पुलिस गेम में गोल्ड मेडल मिला है। आईटीबीपी में तैनात नीतू ने इसी साल अमेरिका में हुई प्रतियोगिता में भी दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया था। पानीपत के नौल्था गांव की बेटी नीतू जागलान ने श्रीनगर में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस गेम कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। आईटीबीपी पंचकूला में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात नीतू इससे पहले भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। जुलाई 2025 में अमेरिका में हुए 21वें पुलिस एंड फायर वर्ल्ड कप में भी नीतू ने सिंगल और डबल कराटे प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। इससे पहले 2019 में नीतू ने चीन में स्वर्ण और नीदरलैंड्स में रजत पदक जीता था। नीतू के पिता समरजीत जागलान ने बताया कि बेटी को बचपन से ही कराटे का शौक था। परिवार ने उसकी रुचि को देखते हुए पूरा सहयोग किया। नीतू पांच साल पहले आईटीबीपी में कांस्टेबल भर्ती हुई थी। आईटीबीपी में उनके कोच आरमारी मुत्तू के मार्गदर्शन में इस मुकाम तक पहुंची है।

प्रदेश स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। हरियाणा के जींद में रविवार को तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज हुआ। इसमें अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की लड़कियों की हैंडबाल और खो-खो प्रतियोगिताएं हो रही हैं। हैंडबाल मुकाबले अर्जुन स्टेडियम में और खो-खो हिंदू कन्या कॉलेज के मैदान पर आयोजित हो रहे हैं। पहले दिन हुए मुकाबलों में हैंडबाल अंडर 19 लड़कियों में पंचकूला व करनाल का मुकाबला हुआ। जिसमें करनाल ने 0-12 के अंतर से जीत हासिल की। वहीं अंडर 17 आयु वर्ग में फतेहाबाद और गुरुग्राम के मुकाबले में फतेहाबाद ने 20-3 के अंतर से बाजी मारी। कुरुक्षेत्र और पानीपत के साथ हुए मुकाबले में कुरुक्षेत्र ने 7-5 के अंतर से मैच जीता। सिरसा और पंचकूला के साथ हुए मुकाबले में सिरसाने पंचकूला की टीम को 10-3 के अंतर से मात दी। यमुनानगर और सोनीपत के साथ हुए मुकाबले में सोनीपत ने 20-3 के बड़े अंतर से यमुनानगर को हराया।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने एचआईवी/एड्स नियम को दी मंजूरी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 की धारा 49 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य नियमों के निर्माण को मंजूरी दी गई। नए नियमों को हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम नियम, 2025 कहा जाएगा।

इन नियमों के अंतर्गत, राज्य सरकार अपने छह प्रशासनिक प्रभागों के आयुक्तों को लोकपाल के रूप में कार्य करने के लिए नामित करेगी। अधिनियम की धारा 23 में उल्लिखित उनकी भूमिका एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों की शिकायतों का निपटारा करना है। प्रत्येक लोकपाल अपने-अपने प्रभागों—रोहतक, हिसार, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और अंबाला में कार्य करेगा और संबंधित जिले के सिविल सर्जन द्वारा समर्थित होगा। राज्य सरकार नैदानिक सुविधाओं को मजबूत करने और संक्रमणों, अर्थात ऐसे संक्रमण जो प्रतिरक्षा को कम कर सकते हैं, के प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करेगी (यह उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, नागरिक अस्पतालों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क नैदानिक सेवाएं प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार, एआरटी केंद्रों, सुविधा-एकीकृत एआरटी (एफआईएआरटी) केंद्रों और लिंक एआरटी (एलएआरटी) केंद्रों पर सभी एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को निःशुल्क एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को नैदानिक और उपचार सेवाएँ प्रदान करने में निजी चिकित्सा क्षेत्र को भी सक्रिय रूप से शामिल करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेवाएं बिना किसी भेदभाव के प्रदान की जाएं।

निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया जाएगा कि वे सभी एचआईवी पॉजिटिव मामलों की सूचना निकटतम एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र या सरकारी अस्पताल को आगे के प्रबंधन और उपचार के लिए दें, साथ ही निजता के अधिकार सहित व्यक्तियों के मानवाधिकारों का भी कड़ाई से पालन करें। इसके अतिरिक्त, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप, सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में संक्रमणों के निदान और उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया जाएगा। ये नियम लोकपाल के कार्यों और जिम्मेदारियों को भी परिभाषित करते हैं, जिनका उद्देश्य एचआईवी से प्रभावित बच्चों, एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों और एचआईवी से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और हकों की रक्षा करना है। हरियाणा जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अध्यादेश, 2025 को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह पहल भारत सरकार के विभिन्न क्षेत्रों में अनुपालन बोझ को कम करने और छोटे अपराधों को अपराध मुक्त करने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। हरियाणा जन विश्वास अध्यादेश, 2025, 17 विभागों द्वारा प्रशासित 42 राज्य अधिनियमों में निहित 164 प्रावधानों को अपराध मुक्त करने का प्रयास करता है। यह अध्यादेश छोटी तकनीकी और प्रक्रियात्मक चूकों के लिए आपराधिक दंडों के स्थान पर दीवानी दंड और प्रशासनिक कार्रवाई का प्रावधान करता है। यह अप्रचलित और अनावश्यक धाराओं को भी हटाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कानूनी ढांचा अधिक पारदर्शी, कुशल और सुविधाजनक हो।

हरियाणा कारागार (संशोधन) नियम को हरी झंडी

मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा कारागार नियम, 2022 में 'आदतन अपराधी' की परिभाषा को शामिल करने के लिए संशोधन को मंजूरी दी गई। संशोधित नियमों को हरियाणा कारागार (संशोधन) नियम, 2025 कहा जाएगा। संशोधित नियमों के तहत, हरियाणा कारागार नियम, 2022 के नियम 2, उप-नियम (1), खंड में आदतन अपराधी की परिभाषा को निम्नानुसार संशोधित किया गया है। आदतन अपराधी से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसे पांच वर्ष की किसी भी लगातार अवधि के दौरान, विभिन्न अवसरों पर किए गए किसी एक या अधिक अपराधों के लिए दो बार से अधिक अवसरों पर दोष सिद्ध ठहराया गया हो और कारावास की सजा सुनाई गई हो और उसी कार्यवाही का भाग नहीं हो, ऐसा दंडादेश को अपील या पुनरीक्षण में उलट नहीं किया गया हो। बशर्ते कि ऊपर उल्लिखित पांच वर्ष की निरंतर अवधि की गणना करते समय, कारावास की सजा के तहत या डिटेंशन के तहत जेल में बिताई गई किसी भी अवधि को हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

एचएसवीपी के विलय को मंत्रिमंडल की मंजूरी

हरियाणा हाउसिंग बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप को मंजूरी प्रदान की गई। इस संशोधन का उद्देश्य हरियाणा हाउसिंग बोर्ड का हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के साथ विलय सुनिश्चित करना है। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य शहरी विकास और आवास संबंधी कार्यों को सुव्यवस्थित करना, प्रशासनिक दोहराव को समाप्त करना तथा नागरिकों को सेवाओं की आपूर्ति में दक्षता बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के अपने बजट भाषण में हाउसिंग बोर्ड हरियाणा को भंग कर उसके कार्य एचएसवीपी में समाहित करने की घोषणा की थी, ताकि शहरी विकास एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके। इस संशोधन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि इस विलय से संबंधित संचालनात्मक कार्य मौजूदा प्रशासनिक ढांचे के माध्यम से ही संपादित किए जाएंगे।

दिवाली से पूर्व प्राइवेट स्कूलों पर जुर्माना लगाना अनुचित : कुलभूषण

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

दिवाली जैसे राष्ट्रीय त्योहार के अवसर पर, जब पूरा देश उत्साह और उमंग के साथ खुशियां मनाने की तैयारी कर रहा है, ऐसे समय में हरियाणा के निजी विद्यालयों पर शिक्षा विभाग द्वारा 30,000 से 70,000 रुपए तक का आर्थिक दंड लगाने की योजना ने सभी स्कूल संचालकों में निराशा और तनाव का माहौल बना दिया है।

फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा ने कहा कि दिवाली का पर्व उत्साह, समृद्धि और लक्ष्मी के स्वागत का प्रतीक है। जब सरकारें और कंपनियां बोनस और वस्तुओं पर विशेष छूट देकर लोगों के हर्षोल्लास में वृद्धि करती हैं, वहीं शिक्षा विभाग द्वारा छोटे और मंझोले स्कूलों पर भारी भरकम जुर्माने लगाने की कार्रवाई उनके उत्सव पर पानी फेरने जैसा कदम है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई विशेषकर उन स्कूलों पर की जा रही है जो सीमित फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार का दंड न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाता है, बल्कि शिक्षा जगत में हताशा भी पैदा करता है। शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षा मंत्री महिपाल डांडा से अपील की है कि वे इस संवेदनशील विषय पर हस्तक्षेप करें और विभाग को इस दंडात्मक कार्रवाई से रोकें। फेडरेशन हमेशा संवाद के पक्ष में रहा है और सरकार से वार्ता कर यह सिद्ध करने को तैयार है कि स्कूलों पर लगाए जा रहे ये जुर्माने अनुचित और एकतरफा हैं।

डॉक्टर विनोद कुमार अध्यक्ष व मनसाराम महासचिव चुने गए

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। चंडीगढ़ एमेच्योर कराटे एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सह चुनाव बैठक मेमोरियल हॉल, आर्य समाज, सेक्टर-7, चंडीगढ़ में आयोजित की गई। इस बैठक में चंडीगढ़ भर से कुल 13 क्लबों ने भाग लिया। 2025- 2029 के लिए कार्यकारिणी के चुनाव भी आयोजित किए गए। संबंधित पदों पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गए। इसमें डॉ. विनोद कुमार को अध्यक्ष, मनसा राम मौर्य को महासचिव, हरबिंदर सिंह को कोषाध्यक्ष, विक्रम सैनी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संगीता राठौड़ , गुरदीप खोखर, अश्वनी शर्मा को उपाध्यक्ष, अवनीश कुमार और संदीप राज को संयुक्त सचिव चुना गया है। चुनाव एनएसडीसी-2011 में उल्लिखित आदर्श चुनाव दिशानिर्देशों और राष्ट्रीय महासंघ के नियमों के अनुसार आयोजित किए गए।

सड़क सुरक्षा के लिए छात्राओं की अनोखी पहल

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों ने चंडीगढ़ यातायात पुलिस के सहयोग से डोंट टेक्स्ट, जस्ट ड्राइव नामक यातायात जागरूकता अभियान का आयोजन किया। एनएसएस स्वयंसेवियों ने सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विचारोत्तेजक संदेशों के साथ हस्तनिर्मित बुकमार्क, डैशबोर्ड टैग और विभिन्न स्मृति चिन्ह वितरित किए। इनमें से प्रत्येक रचनात्मक टोकन में छोटे लेकिन शक्तिशाली संदेश थे, जो ड्राइवरों को सड़क पर अपना ध्यान केंद्रित करने और ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन के घातक परिणामों से बचने के बारे में जागरूक करते हैं।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ स्वयंसेवकों ने ट्रैफिक सिग्नल और व्यस्त जंक्शनों पर मोटरसाइकिल चालकों, कार चालकों और बस चालकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और उनसे यातायात सुरक्षा मानदंडों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि एक लापरवाह कृत्य भी है जो यात्रियों, पैदल चलने वालों और अन्य यात्रियों के जीवन को खतरे में डालता है। जागरूकता अभियान एक प्रभावशाली अनुस्मारक के साथ समाप्त हुआ कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती नीना शर्मा ने एनएसएस स्वयंसेवियों और चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के प्रयासों की एवं महत्वपूर्ण संदेशों के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने जैसे छोटे-छोटे लेकिन सजग प्रयास दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं और अनगिनत निर्दोष लोगों की जान बचा सकते हैं।

देश-विदेश

चीनी तटरक्षक बल ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के जहाज को किया क्षतिग्रस्त

एजेंसी, मनीला

चीनी तट रक्षक के एक जहाज ने रविवार को विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपीनी निवासियों के एक द्वीप के पास लंगर डाले फिलीपीन सरकार के एक जहाज पर पहले तो जोरदार पानी की बौछार की और फिर उसे टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। फिलीपीन के तट रक्षक बल ने यह जानकारी दी।हालांकि इस घटना में फिलीपीन के मछुआरों को सहायता प्रदान करने वाले मत्स्य बेड़े का हिस्सा रहे 'बीआरपी दातु पगबुया' जहाज के फिलीपीनी चालक दल के सदस्यों में से किसी को भी चोट नहीं आई। मनीला, बीजिंग और चार अन्य देशों के बीच लंबे समय से जारी क्षेत्रीय विवादों के बीच ताजा घटना में चीन के तट रक्षक बल ने फिलीपीन के कब्जे वाले थिटू द्वीप के पास पगबुया को निशाना बनाया।

चीन ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। फिलीपीन तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टैरिएला ने एक बयान में कहा कि इस तरह की आक्रामकता फिलीपीन को ''किसी भी विदेशी ताकत को अपनी जमीन का एक इंच भी सौंपने'' के लिए मजबूर नहीं करेगी।

मेडागास्कर में तख्तापलट की हो रही कोशिश : राष्ट्रपति

एजेंसी, एंटानानारिवो (मेडागास्कर)। हिंद महासागर में स्थित द्वीप मेडागास्कर में तख्तापलट की कोशिश की जा रही है। देश के राष्ट्रपति ने रविवार को यह दावा किया। राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि वह ''राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करना चाहते हैं कि अवैध रूप से और बलपूर्वक सत्ता हथियाने का प्रयास'' शुरू किया गया है।बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास कौन कर रहा है, लेकिन सशस्त्र बलों के सदस्य शनिवार को राजोएलिना के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व वाले प्रदर्शन में शामिल हुए। देश में कथित सरकारी भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ प्रदर्शन 25 सितंबर से जारी है।

भारत का व्यापार घाटा 2 .5 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली

देश का व्यापार घाटा सितंबर में करीब 13 हजार करोड़ रुपए बढ़ सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 28.0 बिलियन डॉलर (2.48 लाख करोड़) तक पहुंचने का का अनुमान है। यह आंकड़ा अगस्त के 26.5 बिलियन डॉलर (2.35 लाख करोड़) से 1.5 बिलियन डॉलर ज्यादा है। इस भारी उछाल का सबसे बड़ा कारण देश में सोने का आयात बढ़ना है। सितंबर में दाम बढ़ने के बावजूद सोने का आयात लगभग दुगना होने की उम्मीद है।

इस साल सोने की कीमत 45,363 रुपए बढ़ी है लेकिन लोगों ने खरीदारी कम नहीं की। सितंबर में सोने का आयात अगस्त के मुकाबले लगभग दुगना होने की उम्मीद है। इस मांग के पीछे मुख्य कारण त्योहारी सीजन और शादियों का मौसम है, जिसके शुरू होते ही भारतीय बाजारों में सोने की खरीददारी बढ़ जाती है। अमेरिका भारत के कुल माल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा खरीदता है। अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार की गति धीमी होने से भारतीय निर्यात पर सीधा असर पड़ा है। हालांकि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पुष्टि की है कि अमेरिका के साथ पहले चरण के व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है, जिसके नवंबर 2025 तक जारी रहने की उम्मीद है।

'द डेविल वियर्स प्राडा-2' में नजर आएंगी लेडी गागा

एजेंसी, लॉस एंजिलिस। मशहूर गायिका-अभिनेत्री लेडी गागा डिज्नी की 2006 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल में अभिनय के जलवे बिखेरती नजर आएंगी। मनोरंजन समाचार मंच 'वैरायटी' के मुताबिक, लेडी गागा 'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं। यह खबर शूटिंग स्थल पर गागा की मौजूदगी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होने के बाद आई है। फिल्म में गागा के किरदार से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी जा रही है।'द डेविल वियर्स प्राडा-2' की शूटिंग इस साल जून में शुरू हुई थी। फिल्म में लेडी गागा के अलावा मेरिल स्ट्रीप, ऐनी हैथवे, एमिली ब्लंट और स्टेनली टुकी भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे। 'द डेविल वियर्स प्राडा' के सीक्वल के निर्देशन की जिम्मेदारी भी डेविड फ्रैंकेल संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में गोलीबारी में चार लोगों की मौत

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना के सेंट हेलेना आइलैंड पर विलीज बार एंड ग्रिल में रविवार सुबह गोलीबारी की घटना हुई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। शेरिफ ऑफिस के मुताबिक, जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां कई लोग गोली लगने से घायल थे। कई लोग गोलीबारी से बचने के लिए पास की दुकानों और घरों में छिप गए। वहीं, ब्यूफोर्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोशल मीडिया पर कहा- यह बहुत दुखद घटना है। हम इसकी जांच कर रहे हैं और सभी से शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में से चार की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। मरने वालों के नाम अभी पता नहीं चले हैं।

एमपी में युवक से पैर धुलवाए, वही पानी पिलाया

एजेंसी, भोपाल। मध्य प्रदेश के दमोह में मीम पोस्ट को लेकर हुए विवाद में एक युवक से दूसरे युवक के पैर धुलवाए गए और उसे वही पानी पिलाया गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। मामला दमोह के सतरिया गांव का है। यहां पंचायत ने शराबबंदी लागू की है। कुछ दिन पहले गांव का अनुज उर्फ अन्नू पांडे शराब बेचते और पीते पकड़ा गया था। गांव के ही दूसरे युवक ने अन्नू का एआई जेनरेटेड वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो जूते की माला पहना नजर आ रहा था। इस पर गांव के कुछ लोग आक्रोशित हो गए। विवाद बढ़ता देख युवक ने पोस्ट डिलीट कर दी। सार्वजनिक रूप से माफी भी मांग ली, लेकिन बात नहीं बनी। 10 अक्टूबर को पंचायत बुलाई गई। वीडियो शेयर करने वाले युवक से सवाल-जवाब हुए। उसे शराब बेचने वाले युवक अन्नू के पैर धोकर, वही पानी पीने की सजा सुनाई गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने भरी सभा में अन्नू के पैर धोए, फिर वही पानी पिया था। पैर धोने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले के तूल पकड़ते ही अन्नू पांडे ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया है।

भाजपा-जदयू 101-101 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार के विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की घोषणा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें दी गई हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने एक्स पर लिखा,

लोजपा (रामविलास) 29 और रालोमो 6 सीटों पर

संगठित व समर्पित एनडीए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया, जो कि इस प्रकार है- भाजपा - 101 सीट, जदयू - 101 सीट, लोजपा (रामविलास) - 29 सीट, रालोमो - 6 सीट और हम - 6 सीट। उन्होंने आगे लिखा, एनडीए के सभी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का खुशी से स्वागत किया है। सभी साथी कमर कस चुके हैं और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव के लिए भाजपा के मुख्यालय में मुख्य चुनाव समिति (सीईसी) बैठक में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव के लिए भाजपा के मुख्यालय में मुख्य चुनाव समिति (सीईसी) बैठक में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। (अनंत ज्ञान)

डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में होगी इसराइल के 48 बंधकों की रिहाई

एजेंसी, वॉशिंगटन

गाजा सीजफायर समझौते के पहले चरण के तहत इसराइल के 48 बंधकों की रिहाई सोमवार सुबह से शुरू हो सकती है, जिनमें से 20 जीवित व्यक्ति और 28 शव सौंपे जाएंगे। इजराइली सेना ने शुक्रवार दोपहर तक गाजा से अपनी प्रारंभिक वापसी पूरी कर ली, जिसके बाद हमास को 72 घंटे का समय दिया गया है। वहीं, सोमवार को मिस्र में गाजा युद्ध समाप्त करने के समझौते पर चर्चा होगी। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित 20 से अधिक विश्व नेता भाग लेंगे। दूसरी ओर, हमास ने मिस्र में सोमवार को होने वाले गाजा पीस समिट के आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह (दूसरा चरण) में शामिल होने से इनकार कर दिया है। संगठन के वरिष्ठ नेता होस्साम बडरान ने कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ हिस्सों से असहमत हैं। बडरान ने कहा, 'फिलिस्तीनियों को (हमास का सदस्य हो या नहीं) उनकी जमीन से निकालने की बात बेतुकी है।' उन्होंने समझौते के दूसरे चरण की बातचीत को जटिल और कठिन बताया। हमास के एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि संगठन का निरस्त्रीकरण (हथियार छोड़ना) बिलकुल असंभव है, भले ही वे गाजा की सत्ता छोड़ दें। (अनंत ज्ञान)

आरटीआई कानून को कमजोर कर रही भाजपा सरकार : खड़गे

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मोदी सरकार पर सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून को धीरे-धीरे कमजोर करने और लोकतंत्र व नागरिक अधिकारों को खोखला करने का गंभीर आरोप लगाया है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 20 साल पहले मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने आरटीआई कानून 2005 लागू कर पारदर्शिता और जवाबदेही का नया युग शुरू किया था, लेकिन बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने इसे लगातार कमजोर किया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि 2019 में सरकार ने आरटीआई एक्ट में बदलाव कर सूचना आयुक्तों की नियुक्ति, वेतन और कार्यकाल पर नियंत्रण कर लिया, जिससे स्वतंत्र संस्थाएं सरकार के अधीन हो गईं। उन्होंने कहा कि इसके बाद 2023 का डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट आरटीआई में सार्वजनिक हित की धारा को हटाकर पारदर्शिता को खत्म करता है और भ्रष्टाचार को छुपाने का जरिया बन गया है। खरगे ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग बिना प्रमुख के चल रहा है, पिछले 11 वर्षों में ये 7वीं बार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आयोग में 15 महीने से आठ पद खाली हैं, जिससे अपील प्रक्रिया ठप हो गई है। (अनंत ज्ञान)

टॉप-8 कंपनियों की वैल्यू 1.94 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी, मुंबई। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 8 की वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार में 1,94,149 करोड़ रुपए बढ़ गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टॉप गेनर रही। कंपनी की वैल्यू 45,678 करोड़ बढ़कर 10.96 लाख करोड़ हो गई है। वहीं, बिकवाली के चलते हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड 3,571 रुपए कम होकर 5.94 लाख करोड़ पर और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का मार्केट कैप इस दौरान 4,649 करोड़ रुपए गिरकर 5.68 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है। शेयर बाजार में कल यानी शुक्रवार 10 अक्टूबर को तेजी रही। सेंसेक्स 328 अंक चढ़कर 82,501 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 103 अंक की तेजी रही, ये 25,285 के स्तर पर बंद हुआ था। (अनंत ज्ञान)

ट्रैवलिंग

वर्ष 2024 में 3.09 करोड़ भारतीय विदेश गए; 50 दिन रहकर लौटे, आबुधाबी-हनोई फेवरेट

भारतीय टूरिस्ट्स में स्लो ट्रैवल का नया ट्रेंड

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म डेटा कॉम्पेंडियम रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टूरिस्ट्स में स्लो ट्रैवल का एक नया ट्रेंड उभर रहा है। इसमें टूरिस्ट्स कम समय में ज्यादा जगह घूमने (फ्लैश ट्रिप्स) के बजाय अब किसी स्थान विशेष पर लंबा समय बिता रहे हैं, ताकि स्थानीय जीवन, संस्कृति और अनुभव को गहराई से महसूस कर सकें। रिपोर्ट बताती है कि मध्य पूर्व जाने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी एक साल में 33% से बढ़कर 36% हो गई है। दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय पर्यटकों की करीब 25% बढ़ोतरी हुई है। साल 2024 में 3.09 करोड़ भारतीय विदेश गए और विदेश में रहने का एवरेज पीरियड भी 50 दिन से ज्यादा हो गई है। साल 2023 की तुलना में 30 लाख अधिक यात्रियों ने भारतीय पासपोर्ट पर मुहर लगवाई। साल 2023 में भारतीयों की विदेश में औसत प्रवास अवधि 47 दिन, जबकि एक दशक पहले यानी 2015 में यह 41 दिन थी।

थाईलैंड छुट्टी मनाने की नंबर-1 जगह विदेश जाने का सबसे बड़ा उद्देश्य छुट्टी मनाना है। वर्ष 2024 में 42.52% भारतीय छुट्टी मनाने के लिए विदेश गए। कारोबारी व पेशेवर कारणों से 15% भारतीयों ने यात्राएं कीं जबकि विदेश में पढ़ाई के लिए यात्रा करने वालों का प्रतिशत महज 2.45% रहा। थाईलैंड गए 92.9% भारतीय छुट्टी मनाने गए थे और वियतनाम गए 91.6% भारतीयों का लीजर डेस्टिनेशन था।

वियतनाम जाने वाले 67% बढ़े रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के दौरान भारतीयों का टॉप-10 डेस्टिनेशन देशों में विदेश यात्राओं का कुल 71.2% रहा जो एक साल पहले 2023 में 74.2% थी यानी अब भारतीय पर्यटक नए इंटरनेशनल डेस्टिनेशन की ओर रुख कर रहे हैं, भारतीय अब हर महाद्वीप में नजर आ रहे हैं। यूएई का अबुधाबी, वियतनाम का हनोई, इंडोनेशिया का बाली सबसे फेवरेट डेस्टिनेशन के तौर पर उभरे हैं। टॉप-10 देशों के अलावा करीब 51 लाख भारतीय नई डेस्टिनेशन पर गए, जिसमें न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, पोलैंड और उज्बेकिस्तान जैसे देश शामिल हैं। वियतनाम जाने वाले भारतीयों की संख्या में एक साल के भीतर ही 67% का इजाफा हुआ है, जबकि सऊदी अरब जाने वाले 30% और थाईलैंड जाने वाले 26% बढ़े हैं। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

नॉर्वे और इसराइल मैच से पहले गूंजे 'फ्री गाजा' के नारे

एजेंसी, ओस्लो। नॉर्वे और इसराइल के बीच शनिवार को हुए विश्व कप क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच से पहले फिलिस्तीन समर्थकों ने ओस्लो के उलेवाल स्टेडियम तक मार्च किया और गाजा युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया। शांतिपूर्ण मार्च में करीब 1,000 प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने मशालें जलाईं, फलस्तीन के झंडे लहराए और 'दूतावास बंद करो' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारी स्टेडियम के पास पुलिस घेराबंदी के बाहर खड़े रहे, जबकि कुछ के हाथों में 'गेम ओवर इजराइल' और 'बच्चों को जीने दो' जैसे संदेश वाले बोर्ड और बैनर थे। स्टेडियम में लगभग 22,000 दर्शक मौजूद थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से 3,000 सीटें खाली रखी गईं, खासकर इजराइली प्रशंसकों के पास की। मैच के दौरान 'फ्री गाजा' लिखा टी-शर्ट पहने एक दर्शक मैदान में दौड़ गया, जबकि कुछ दर्शकों ने इजराइली राष्ट्रगान के दौरान हूटिंग की और लाल कार्ड दिखाए। नॉर्वे ने यह एकतरफा मुकाबला 5-0 से जीत लिया। इससे पहले, फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो ने सभी पक्षों से खेल के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की थी। इजराइल अब मंगलवार को इटली से भिड़ेगा। (अनंत ज्ञान)

सिरसा की हरमन नेशनल गेम्स में करेगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

अनंत ज्ञान, सिरसा। सिरसा जिले की छात्रा हरमन ओडिशा में आयोजित होने वाले नेशनल जूनियर में स्टीपलचेस दौड़ में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। छात्रा को नेशनल गेम्स के लिए भेजते समय माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा में सम्मानित किया गया और 11 हजार रुपए की नकद राशि भेंट की गई। माता हरकी देवी मैमोरियल शिक्षा समिति के अध्यक्ष मनिंद्रपाल सिंह बराड़ ने रविवार को बताया कि हरकी देवी शिक्षण संस्थान परिवार का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, खेल व संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर व मंच प्रदान करना है। (अनंत ज्ञान)

अभय ने सिलिकॉन वैली ओपन में जीत से की शुरुआत

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह ने सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वाश में जीत से शुरुआत की, जबकि हमवतन वेलावन सेंथिलकुमार और रमित टंडन को अमेरिका के रेडवुड सिटी में चल रहे पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने मिस्र के करीम एल हैमामी को 12-10, 11-7, 13-11 से हराया और अब 130,500 डॉलर पुरस्कार राशि के दूसरे दौर में शनिवार को उनका सामना फ्रांस के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर कोयूडन से होगा। सेंथिलकुमार को मिस्र के करीम एल टोरके से 3-11, 5-11, 9-11 जबकि टंडन को हंगरी के बलाज्स फरकास से पांच सेट में हार मिली। फरकास ने 12-10, 5-11, 5-11, 11-9, 11-8 से जीत हासिल की। (अनंत ज्ञान)

श्रेयंका पाटिल का खूबसूरत अंदाज

नई दिल्ली। श्रेयंका पाटिल भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। अपने स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाने वाली, उन्होंने मैदान पर अपने कौशल और मैदान के बाहर अपने आकर्षक व्यक्तित्व के लिए ध्यान आकर्षित किया है।

दूसरा टेस्ट: तीसरा दिन फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज 173/2

भारत के स्पिन जाल में उलझा वेस्टइंडीज

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते टीम इंडिया के खिलाड़ी।

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। इस दौरान वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 173 रन बना लिए हैं। पारी की हार से बचने के लिए मेहमान टीम को अभी भी 97 रन और बनाने होंगे। इस दौरान जॉन कैम्पबेल नाबाद 87 और होप नाबाद 66 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज की पहली पारी केवल 248 रन पर सिमट गई थी, जिसकी वजह से उनको फॉलोआन खेलना पड़ा। भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम फॉलोऑन नहीं बचा सकी। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 518 रन पर अपनी पारी घोषित की थी, लेकिन वेस्टइंडीज की पहली पारी इसके जवाब में 248 रन ढेर हो गई। इस तरह वो 270 रनों से पीछे रह गई। इस दौरान कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाए। उन्होंने इस पारी में 26.5 ओवर फेंके और 5 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 5वीं बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया। इसके अलावा रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट हासिल किए, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। (अनंत ज्ञान)

वेस्टइंडीज के गेंदबाज सील्स पर जुर्माना

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स को भारत के खिलाफ यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन आईसीसी के लेवल एक आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है। यह घटना शुक्रवार को भारत की पहली पारी के 29वें ओवर में घटी जब सील्स ने गेंदबाजी करने के बाद गेंद को बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की ओर फेंक दिया, जिससे गेंद उनके पैड पर लगी। आईसीसी ने कहा, ''सील्स को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी की ओर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद (या किसी अन्य क्रिकेट उपकरण) फेंकने से संबंधित है।'' इसके साथ ही सील्स के खाते में 24 महीनों की अवधि में कुल डिमेरिट अंक की संख्या अब दो हो गई है। किसी खिलाड़ी को अगर 24 महीनों में 24 या अधिक डिमेरिट अंक मिलते हैं तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है।

वुमंस वर्ल्ड कप: भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 331 रन का दिया टारगेट

शॉट खेलती प्रतिका रावल।

एजेंसी, विशाखापट्टनम

वुमंस वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ जीतना है तो वनडे इतिहास सबसे बड़ा टारगेट हासिल करना होगा। विशाखापट्टनम में रविवार को टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया 330 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने अच्छी शुरुआत की और दोनों बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की खूब धुनाई की। रावल ने 96 गेंदों में 75 रन और मंधाना ने 66 गेंदों में 80 रन बनाए। वहीं, हरलीन देओल 22 रन बनाकर आउट हुई। हरमनप्रीत कौर ने 22, जेमिमा रोड्रिग्स ने 33, रिचा घोष ने 32, अनमोल कौर 16, दीप्ति शर्मा एक क्रांति गौड़ 8 श्री चरणी जीरो पर आउट हुई। स्ने राणा 8 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड को 5, सोफी मोलिन्यू को 3, मेगान शूट और एश्ले गार्डनर को एक-एक विकेट मिला।

331 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओपनर बल्लेबाज एलिसा हीली और फीबी लिचफील्ड ने भी भारतीय गेंदबाजों को खूब धोया। लिचफील्ड (40) पेरी (32) रन बनाकर आउट हो गई। समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 25 ओवर में 2 विकेट गंवाकर 159 रन बना लिए थे। एलिया हीली (81) और बेथ मूनी (3) रन बनाकर क्रीज पर डटी हुई थीं।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप: भारतीय शटलरों का लक्ष्य जीत हासिल करना

एजेंसी, गुवाहाटी। मिश्रित टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय दल सोमवार से शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी इसी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा।

भारत का इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17 साल पहले पुणे में रहा था, जब साइना नेहवाल ने लड़कियों के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि आरएमवी गुरु साई दत्त ने लड़कों के एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। भारत ने अब तक इस प्रतियोगिता के इतिहास में कुल 11 व्यक्तिगत पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत पदक शामिल हैं। इस चरण में भारत के पास एक और स्वर्ण पदक जोड़ने का सबसे अच्छा मौका लड़कियों के एकल वर्ग में है जिसमें जूनियर विश्व नंबर एक तन्वी शर्मा और चाइना ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंची उन्नति हुड्डा शामिल हैं। दोनों खिलाड़ियों को ड्रॉ के अलग-अलग हिस्सों में रखा गया है जिससे भारतीयों के बीच संभावित फाइनल की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

एशियाई अंडर-19 कांस्य पदक विजेता तन्वी को शुरुआती दौर में बाई मिली है और इंडोनेशिया की सातवीं वरीयता प्राप्त थलिता विर्यावान के खिलाफ संभावित क्वार्टर फाइनल उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। (अनंत ज्ञान)

जोशना चिनप्पा जापान ओपन स्क्वाश के सेमीफाइनल में पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की अनुभवी स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने जापान के योकोहामा में चल रहे जापान ओपन पीएसए चैलेंजर में मिस्र की नारदीन गैरास को सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में पूर्व में नंबर 10 पर रही इस 39 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को क्वार्टर फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त गैरास को 11-8, 15-13, 11-9 से हराया। जोशना अंतिम चार में अब चौथी वरीयता प्राप्त मिस्र की राणा इस्माइल से भिड़ेंगी पूर्व एशियाई चैंपियन और विश्व युगल चैंपियन ने इससे पहले दूसरे दौर में फ्रांस की पांचवीं वरीयता प्राप्त लॉरेन बाल्टयन को 11-7, 11-4, 11-9 से और पहले दौर में मलेशिया की एनरी गोह को 11-6, 11-6, 11-6 से हराया था। (अनंत ज्ञान)

चंबा की उड़नपरी सीमा ने दिल्ली हाफ मैराथन में जीता गोल्ड

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल प्रदेश की धाविका सीमा ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 में भारतीय एलीट महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। उन्होंने 21.097 किमी की दूरी 1 घंटा 11 मिनट 23 सेकंड में तय की, जो उनकी उत्कृष्ट फिटनेस और मेहनत का प्रतीक है। सीमा की इस उपलब्धि पर सदर चंबा के विधायक नीरज नैय्यर ने बधाई देते हुए कहा कि चंबा की बेटी सीमा ने हिमाचल का नाम रोशन किया है। उन्होंने सीमा को प्रदेश की शक्ति और प्रेरणा का प्रतीक बताया। सीमा ने अपनी सफलता का श्रेय कोच, परिवार और शुभचिंतकों को दिया। उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों ने सीमा को इस ऐतिहासिक जीत पर गर्व जताया।

पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

एजेंसी, लंदन

गोल करने से चूके क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गये लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय चरण में शनिवार को यहां आयरलैंड को 1-0 से हराकर ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गये लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और जोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2-0 से हराया। स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2-0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बार्सिलोना के चोटिल प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यामल की गैर-मौजूदगी में येरेमी पिनो और मिकेल ओयारजाबल के गोल से यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने जीत दर्ज की।

ग्रुप के अन्य मैच में तुर्की ने बुल्गारिया को 6-1 से हराया। नॉर्वे ने ग्रुप आई में एर्लिंग हालैंड की हैट्रिक से इस एकतरफा मैच को 5-0 से अपने नाम किया। हालैंड के नाम अब नॉर्वे के लिए 46 मैचों में 51 गोल हो गए है। टीम की यह छह मैचों में छठी जीत है और वह ग्रुप तालिका में इटली से छह अंक आगे 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इटली ने एस्टोनिया को 3-1 से हराया। (अनंत ज्ञान)

महिला विश्व कप बांग्लादेश के खिलाफ विजयी रफ्तार कायम रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी, विशाखापत्तनम

महिला वनडे विश्व कप में लगातार दो जीत दर्ज कर आत्मविश्वास से लबरेज दक्षिण अफ्रीका की टीम सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से मैदान में उतरेगी। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में इंग्लैंड से 10 विकेट की करारी शिकस्त झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड और मेजबान भारत को हराकर शानदार वापसी की है। दक्षिण अफ्रीका फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.888 है।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिजन काप, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और अयाबोंगा खाका जैसी अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम को मजबूत बनाते हैं। निचले क्रम में नादिन डी क्लार्क और खाका ने उपयोगी पारियों के साथ भारत के खिलाफ जीत सुनिश्चित की थी। दक्षिण अफ्रीका पहले ही इस मैदान पर दो मैच खेल चुकी है, जिससे उसे परिस्थितियों का अच्छा अनुभव है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान पर सात विकेट से जीत के साथ टूर्नामेंट की दमदार शुरुआत की थी, लेकिन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार ने उनकी कमजोरियों को उजागर कर दिया है। तेज गेंदबाज मारुफा अख्तर की अगुवाई में गेंदबाजी अच्छी रही है, लेकिन बल्लेबाजी, खासकर शीर्ष क्रम, चिंता का विषय बनी हुई है। कप्तान निगार सुल्ताना जोटी भी अब तक कुछ खास नहीं कर सकी हैं और उनका औसत महज नौ रन का है। यदि बांग्लादेश को मुकाबले में बने रहना है तो बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी। (अनंत ज्ञान)

मैच : दोपहर 3 : 00 बजे से

संभावित टीमें

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजन काप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे, काराबो मेसो।

बांग्लादेश: निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर, फरजाना हक, रुब्या हैदर झेलिक, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोभना मोस्तरी, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, फाहिमा खातून, राबेया खान, मारुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, संजीदा अख्तर माघला, निशिता अख्तर निशि, सुमैया अख्तर।

नामीबिया ने द. अफ्रीका को हराकर बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी, नामीबिया

विंडहोक के नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया एकमात्र टी20 मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-5 पर मौजूद साउथ अफ्रीका को नामीबिया ने 4 विकेट से हराकर सबको चौंका दिया। यह नामीबिया की क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक है। मैच के दौरान नामीबिया के खिलाड़ियों ने शानदार टीम प्रदर्शन दिखाया खासकर गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका को 134 रनों पर रोककर जीत की नींव रखी, जिसे बाद में बल्लेबाजों ने पूरा कर दिया।

मैच की शुरुआत से ही साउथ अफ्रीका की टीम दबाव में नजर आई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम के ओपनर क्विंटन डिकॉक महज एक रन बनाकर आउट हो गए। रीजा हेंड्रिक्स भी 7 रन से आगे नहीं बढ़ सके। 25 रन तक पहुंचते-पहुंचते अफ्रीकी टीम अपने तीन सलामी बल्लेबाज गंवा चुकी थी।

रुबिन हरमन ने 18 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन वह भी 9वें ओवर में पवेलियन लौट गए। इसके बाद पिटोरियस (22) और कप्तान डोनोवन फरेरा (4) भी टिक नहीं पाए। नतीजा यह हुआ कि 100 रन के भीतर ही साउथ अफ्रीका के 6 विकेट गिर गए।

नामीबिया के गेंदबाजों ने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने साउथ अफ्रीका को कभी भी खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। हर ओवर में रन रोकने की रणनीति ने विरोधी बल्लेबाजों को परेशान कर दिया। जेम्स स्मिथ जरूर 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, लेकिन बाकी बल्लेबाज दो अंकों में संघर्ष करते रहे। बी फॉर्च्यून ने 19 और गेराल्ड कोएट्जे ने 12 रन बनाए, जिसकी बदौलत टीम किसी तरह 8 विकेट पर 134 रन तक पहुंच पाई।

135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नामीबिया की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। टीम ने 28 रन पर अपने दोनों ओपनर खो दिए, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने छोटे-छोटे लेकिन अहम योगदान देकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने 21 रन बनाए, जबकि मलान क्रुगर ने 18 रन का योगदान दिया। इसके अलावा साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की गलतियों से मिले 18 एक्स्ट्रा रन नामीबिया के लिए बेहद उपयोगी साबित हुए। मैच का रोमांच आखिरी ओवर तक बना रहा, जब टीम को 11 रन चाहिए थे। आखिरी ओवर में जब नामीबिया को 11 रन चाहिए थे, तब विकेटकीपर बल्लेबाज जेन ग्रीन ने मोर्चा संभाला। पहली ही गेंद पर उन्होंने शानदार छक्का जड़ा, जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ गया। अब पांच गेंदों पर पांच रन की जरूरत थी, लेकिन साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने वापसी करने की कोशिश की। आखिर में जब अंतिम गेंद पर 4 रन की दरकार थी, तो जेन ग्रीन ने दमदार चौका लगाकर नामीबिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

उत्साह सितारों संग आम जनता की दौड़, हाफ मैराथन बना महापर्व, 40 हजार ने लिया भाग

मटाटा और रेंगरुक बने दिल्ली हाफ मैराथन के चैंपियन

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली का जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम रविवार को खेल प्रेमियों से गुलजार हो गया जब वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन (वीडीएचएम) के आयोजन में 40,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर दौड़ की भावना का शानदार जश्न मनाया। इस साल का आयोजन शीर्ष खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धा के लिए यादगार बनाया।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान जैसे प्रमुख हस्तियों ने भी आम खेल प्रेमियों के साथ दौड़ में भाग लेकर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को बड़े उत्साह से अपनी बिब और किट ली थी। उन्होंने ओपन 10के (10 किलोमीटर) दौड़ पूरी की। दौड़ पूरी करने के बाद उन्होंने कहा, ''यह केवल खिलाड़ियों की दौड़ नहीं होती, बल्कि इससे जुड़ा पूरा पारिस्थितिक तंत्र होता है। इस स्पर्धा से जितने गरीब और वंचित लोग लाभान्वित होते हैं, वह वाकई अद्भुत है। वीडीएचएम ने समाज के पिछड़े वर्ग के लिए जो योगदान दिया है, वह अन्य आयोजनों के लिए भी प्रेरणास्पद है।''

गहरे नीले टी-शर्ट में उमर अब्दुल्ला ने एक घंटा 53 मिनट 35 सेकंड में दौड़ पूरी कर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर दौड़ते हुए अपनी तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए। जनरल चौहान ने दौड़ को फौज की ट्रेनिंग से जोड़ते हुए कहा, ''एक सैनिक को दो चीजें जरूरी होती हैं। सटीक निशाना लगाना और शारीरिक फिटनेस। दौड़ आज के दौर में बेहद प्रासंगिक है। यह ऐसा खेल है जहां आप खुद से प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं या टीम के साथ हिस्सा ले सकते हैं। आयोजकों ने शानदार काम किया है।'' नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि फिट इंडिया, खेलो इंडिया, और नयी खेल नीति देश में फिटनेस और खेल संस्कृति को नई ऊंचाई पर ले जा रही हैं।

उन्होंने कहा, ''हम नौसेना में अपनी भूमिका निभा रहे हैं और देशभर में फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ा रहे हैं।'' दिल्ली मेट्रो ने भी आयोजन का समर्थन देते हुए सभी पंजीकृत धावकों को निशुल्क यात्रा की सुविधा दी और सुबह 3:15 बजे से ही सेवाएं शुरू की, जिससे प्रतिभागियों को आसानी से स्टेडियम पहुंचने में मदद मिली। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीती। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा।

रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया। दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है। (अनंत ज्ञान)